₹ 10

www.kewalsachtimes.com

मार्च 2020

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

RNI NO.-BIHBIL/2011/49252, DAVP NO.-131729, POSTAL REG. NO.:-PT-78

भारत-अमेरिका ने गढ़ा नया आयाम

बिहार एवं झारखण्ड की तेज़ी से बढ़ती पत्रिका
"केवल सच"
सबुत के साथ खबर लिखता है
केवल सच मिडिया ग्रुप
भ्रष्टाचार एवं दहशतगर्दी
और
मुखिया से मुख्यमंत्री
थाना प्रभारी से डीजीपी के
साक्षात्कर के लिए चर्चित
पत्रिका केवल सच
से आज ही जुड़े।
ब्रजेश मिश्र
संस्थापक सह संपादक
www.kewalsachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ
Mob. 09431073769, 9308727077
निर्भीकता हमारी पहचान
केवल सच
राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
www.kewalsach.com
Kewal Sach TIMES
A National Magazine
www.kewalsachtimes.com
प्रधान कार्यालय :- पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान सं. 28/14, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)
झारखण्ड कार्यालय :- रिया प्लाजा, तीसरा तल्ला, फ्लैट नं.-303, कोकर चौक, राँची (झारखण्ड)
सम्पर्क संख्या :- 9431073769, 9955077308, 9308727077

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

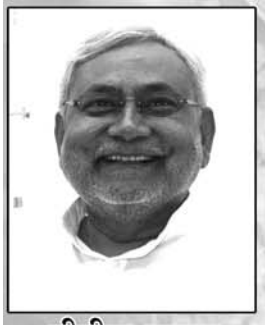

नीतीश कुमार
01 मार्च 1951

मेरी कॉम
01 मार्च 1983

शंकर महादेवन
03 मार्च 1967

शिवराज सिंह चौहान
05 मार्च 1959

अनुपम खेर
07 मार्च 1955

नवीन जिंदल
09 मार्च 1970

उमर अब्दुल्लाह
10 मार्च 1970

श्रेया घोषाल
12 मार्च 1984

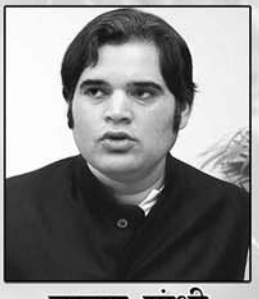

वरूण गांधी
13 मार्च 1980

अमीर खान
14 मार्च 1965

हनी सिंह
15 मार्च 1984

राजपाल यादव
16 मार्च 1971

सानिया नेहवाल
17 मार्च 1990

रानी मुखर्जी
21 मार्च 1978

स्मृति जुबैद ईरानी
23 मार्च 1976

इमरान हाशमी
24 मार्च 1979

मधु
26 मार्च 1972

प्रकाश राज
26 मार्च 1965

शीला दीक्षित
31 मार्च 1938

मीरा कुमार
31 मार्च 1945

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

Regd. Office :-
East Ashok, Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar) Mob.-09431073769,
E-mail :- kewalsach@gmail.com

Corporate Office:-
Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi-834001 (Jharkhand)
Mob.- 09955077308,
E-mail:- editor.kstimes@rediffmail.com

Delhi Office :-
Sanjay Kumar Sinha
A-68, 1st Floor, Nageshwar talla, Shastri Nagar, New Delhi-110052
Mob.- 09868700991, 09955077308
kewalsach_times@rediffmail.com

Kolkata Office :-
Ajeet Kumar Dube,
131 Chitranjan Avenue, Near- md. Ali Park, Kolkata- 700073 (West Bengal)
Mob.- 09433567880, 09339740757

ADVERTISEMENT RATES PER ISSUE

	AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
COLOUR	Cover Page	3,00,000/-	N/A
	Back Page	1,00,000/-	65,000/-
	Back Inside	90,000/-	50,000/-
	Back Inner	80,000/-	50,000/-
	Middle	1,40,000/-	N/A
	Front Inside	90,000/-	50,000/-
	Front Inner	80,000/-	50,000/-

	AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
B & W	Inner Page	60,000/-	40,000/-

1. एक साल के नियमित विज्ञापन पर पत्रिका के वेवसाइट **www.kewalsachtimes.com** के फ्रंट पर भी विज्ञापन निःशुल्क तथा आपका वेवसाइट से सीधा लिंक हो सकता है।
2. एक साल के नियमित विज्ञापन पर 10 प्रतिशत की रियायत।
3. आपके प्रोडक्ट या संगठन के प्रचार-प्रसार हेतु आलेख को उचित स्थान।
4. पत्रिका द्वारा सामाजिक कार्य में आपके संगठन/प्रोडक्ट का बैनर/फ्लैक्स को उचित स्थान देकर आपके संगठन का व्यापक प्रचार-प्रसार।
5. विज्ञापन का भुगतान चेक या आर.टी.जी.एस. से ही मान्य होगा।

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

खतरे में है हिन्दुस्तान

बयानबाजी

अपनी प्रतिक्रिया हमारे ई-मेल पर दें:- editor.kstimes@rediffmail.com

सत्य युग के महाराजा सत्यवादी हरिशचन्द्र की धरती त्रेता, द्वापर होते हुए कलियुग में प्रवेश कर चुकी है और इसका गौरवशाली अतित से वर्त्तमान को कोई लेना-देना ही नहीं है। एक युग में सत्य बोलने की प्रथा, दूसरे युग में वचन का पालन की कटिबद्धता तीसरे युग में धर्म की रक्षा और कलियुग में नीचता के हद तक गुजर जाने के चारो युग अपने समयानुसार चल रहे हैं। हजारो वर्ष गुलाम रहने वाला भारत आजादी के 73 वर्ष में ही इतना मदमस्त हो चुका है कि उसको देश की सुरक्षा एवं सम्मान प्राथमिकता के नीचले पायदान पर है और यही वजह है की खुले मैदान एवं मंच से भारत को ही जला देने की बयानबाजी हो रही है। एक के बाद राजनीतिक बम फोड़ने वाले मोदी एवं शाह की जोड़ी को दिल्ली के चुनाव में भी मुंह की खानी पड़ी है। पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे हिन्दुस्तान में लगाये जा रहे हैं और देश के टुकड़े होंगे की बयानबाजी की वजह से राजनीति भी खुद को भारत में असहज महशूस कर रही है। भारत की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के युवराज राहुल गाँधी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बेरोजगार युवा लाठी डंडे से पीटेंगे का बयान आता है तो मुस्लिम नेता देश के गृहमंत्री अमित शाह को टकला बोलता है। जुमलेबाज, फेकू की उपाधि तक तो बयानबाजी राजनीति में चल भी सकता है लेकिन देश के प्रधान को लाठी-डंडे से पीटने की बात तो बर्दास्त से बाहर है और यही वजह है की कांग्रेस का सूपड़ा साफ होता जा रहा है। दिल्ली का चुनाव के पहले झारखण्ड चुनावी हार के बाद भी भाजपा के सूरमा अपने जुबान पर लगाम नहीं लगा सके और अलबत्ता देश के गद्दारों को, गोली मारो.... जैसा बयान देने के बजाय देश के गद्दारों को गृहमंत्री को सलाखों के पीछे धकेल देना चाहिए था और यही बात जनता भी समझने लगी की सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए केजरीवाल भाजपा पर प्रहार कर रहे हैं तो मोदी पर कन्हैया एवं देश के सभी राजनीतिक दल एक स्वर में विरोध कर रहे हैं। सीएए, सीएबी, एनआरसी जैसे मुद्दे को समझे बगैर देश में बयानबाजी करके गृहयुद्ध करवाने के लिए उकसाने का प्रयास चल रहा है और अब बिहार विधानसभा चुनाव में जहां जातिवाद की राजनीति चरम पर होती है का दौर प्रारंभ हो चुका है। केजरीवाल की भयंकर जीत के बाद शाह का बयान आना की जहां की जनता मुफ्तखोर हो, वहां का राजा ठग होता है, परन्तु अगर भाजपा जीत जाती तो केजरीवाल का ग्रुप यही कहता है कि यह हिन्दुओं की तानाशाही की जीत है। सांसद मनोज तिवारी को रिकिंया के पापा कहकर संबोधित किया जा रहा है तो राहुल गाँधी को पप्पु कहने से लोग आज भी बाज नहीं आ रहे हैं। श्रीराम मंदिर के मुद्दे पर कई मुस्लिम यह कहते हैं की सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भी नहीं मानते और हद तो तब हो गयी की शाहिन बाग के मामले में न ही दिल्ली उच्च न्यायालय ने और न ही सुप्रीम कोर्ट ने इतने गंभीर विषय पर संज्ञान लिया। दिल्ली का शाहिन बाग लगभग 2 महीने भारत-पाकिस्तान का बॉर्डर बना रहा। दिल्ली से बीजेपी के सांसद परवेश वर्मा इस चुनाव में अपनी पार्टी के सबसे बड़े बयानवीर साबित हुए। कुछ महत्वकांक्षाओं के साथ प्रचार में जुटे परवेश ने बार-बार विवादित बयान दिए। दो बार चुनाव आयोग से नोटिस भी मिला और दो बार प्रचार पर पाबंदी लगी। 28 फरवरी को एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने शाहीन बाग पर कहा कि वहां लाखों लोग जमा होते हैं। दिल्ली के लोगों को सोचना होगा और फैसला करना होगा कि वो आपके घरों में घुसेंगे, आपकी बहन-बेटियों से बलात्कार करेंगे और उन्हें मार देंगे। परवेश वर्मा यहीं नहीं रुके, 29 जनवरी को दिल्ली के मादीपुर में हुई जनसभा में वो अरविंद केजरीवाल को आतंकवादी बताते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी जेहादियों का समर्थन करती है और शाहीन बाग के धरने की फंडिंग कर रही है। गृह राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने 27 जनवरी को रिठाला की सभा में जनता के सामने नारा लगाया, देश के गद्दारों को... और सभा में मौजूद लोगों ने अगली लाइन जोड़ी। ठाकुर को इस बयानबाजी की कीमत चुकानी पड़ी, चुनाव आयोग ने 72 घंटे तक उनके प्रचार पर पाबंदी लगा दी। बयान का संसद में भी विरोध हुआ। सबसे बड़े बयानवीरों में कभी आप के नेता रहे कपिल मिश्रा के दो बयानों पर आम आदमी पार्टी ने सख्त एतराज जताया। 23 जनवरी को उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि आप और कांग्रेस ने शाहीन बाग जैसे मिनी पाकिस्तान खड़े किए हैं। बयान को बेहद आपत्तिजनक मानते हुए चुनाव आयोग ने ट्वीट को डिलीट करने का आदेश दिया और बाद में 48 घंटे तक उन्हें प्रचार से रोक दिया, लेकिन कपिल मिश्रा कहां रुकने वाले थे, उन्होंने एक और ट्वीट किया कि 8 फरवरी को दिल्ली में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला है। गलत बयानबाजी की वजह से राष्ट्रीय एकता खतरे में दिखायी देती है। देश का प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री और केन्द्र सरकार के मंत्री सहित विपक्ष ने भी जनता के भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए विकास को ताख पर रखकर सिर्फ सत्ता हथियाने की राजनीति को आगे बढ़ाते रहे तो दूसरी ओर इस्लाम जिन्दाबाद के नारे ने देश को दो भागों में बांट दिया है जिसको भुला पाना शायद मुश्किल.....

सनातन धर्म एवं 33 करोड़ देवी-देवताओं की देव नगरी हिन्दुस्तान को जितना नुकसान मुगल शासक, पुर्तगाल, डच और अंग्रेज ने नहीं पहुंचाया होगा, उससे कहीं ज्यादा खतरनाक आजाद भारत के जयचंदों की वजह से हुआ है। आज डफली बजाकर आजाद भारत में आजादी मांगा जा रहा है और कुछेक लोग मंच से हिन्दुस्तान को जला देने की धमकी भी दे रहे हैं तो एक पक्ष हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना कर रहा है। हजारों वर्ष गुलाम रहने वाला भारत और उसके लोग आजादी के 73 वर्षों में इतने विचारों में बंट चुके हैं की धर्म की नगरी श्रीराम - श्रीकृष्ण पर ही उंगली उठाने लगे हैं। हर बात में आरक्षण एवं संविधान की दुहाई दी जाती है लेकिन संविधान का कुछ और बात स्वीकार करने की बात हो तो बयान बदल जाता है। 2019 एवं 2020 के लोकसभा एवं कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में राजनेताओं के बयान की वजह से भारत की जनता बहुत ही दिग्भ्रमित है की कब का किसके बयान को सही समझे और किसके बयान की अनदेखी करें। दिल्ली के चुनाव में देश के गद्दारो को, गोली मारो..... के नारे की बात हो या फिर मोदी को मार दूंगी की लेकिन बयानबाजी के सारे हथकंडे के बाद भी शाहिन बाग का मामला भाजपा को लाभ नहीं पहुंचा सका। एक बात यह भी सच है की मोदी एवं शाह भले ही हिन्दुओं के हित के लिए बदनाम हों परन्तु भारत का हिन्दू कई मामले में अस्पष्ट राजनीति करता है जिसकी वजह से राजनीति करने वाले राजनेता भी धर्मसंकट में पड़ जाते हैं। आजाद भारत में आजादी की लड़ाई पहली बार हिन्दुस्तान देख रहा है। दिल्ली अब आप की है और इसकी समस्याओं से निपटना भी आप को है।

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

वर्षः- 09, अंकः- 105 माहः- मार्च 2020 रू. 10/-

Editor in chief

Brajesh Mishra 09431073769
09955077308
08340360961

editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach@gmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

Chief Editorial Advisor

Deepak Mishra 09334096060

General Manager (H.R)

Triloki Nath Prasad 09308815605, 09122003000

General Manager (Advertisement)

Reeta Singh 09308729879
Poonam Jaiswal 09430000482

Joint Editor/Lay-out Editor

Amit Kumar 9905244479
amit.kewalsach@gmail.com

Legal Editor

Amitabh Ranjan Mishra 08873004350
S. N. Giri 09308454485

Asst. Editor

Rampal Prasad Verma 0 9939086809

Bureau Chief

Sanket kumar Jha 07762089203

Photographer

Mukesh Kumar 0 9304377779

Bureau

Sridhar Pandey 09852168763

प्रदेश प्रभारी

दिल्ली हेड

संजय कुमार सिन्हा 09868700991

झारखण्ड हेड

राजेश मिश्रा 09608645414
08083636668
rajeshmishrarti@gmail.com

पश्चिम बंगाल हेड

अजीत दुबे 09433567880
09339740757

मध्यप्रदेश हेड

अभिषेक पाठक 08109932505, 08269322711

छत्तीसगढ़ हेड

डिगल सिंह 09691153103
08982051378

उत्तर प्रदेश हेड

निर्भय कुमार मिश्रा 09452127278

उत्तराखण्ड हेड

आवश्यकता है

महाराष्ट्र हेड

कमोद कुमार कंचन 07492868363

गुजरात हेड

आवश्यकता है

आंध्र प्रदेश हेड

श्रवण कुमार चंचल 08977442750

राजस्थान हेड

आवश्यकता है

पंजाब हेड

आवश्यकता है

राजस्थान हेड

आवश्यकता है

उड़ीसा हेड

आवश्यकता है

आसाम हेड

आवश्यकता है

दिल्ली कार्यालय

केवल सच टाइम्स, द्विभाषीय पत्रिका,
द्वारा- संजय कुमार सिन्हा
97 ए, डी डी ए फ्लैट
गुलाबी बाग, नई दिल्ली- 110007
मो०- 09868700991, 09431073769

पश्चिम बंगाल कार्यालय

केवल सच टाइम्स, द्विभाषीय पत्रिका,
द्वारा- अजीत कुमार दुबे
131 चितरंजन एवेन्यू,
कोलकाता, पश्चिम बंगाल- 700073
मो०- 09433567880, 09339740757

झारखण्ड कार्यालय

केवल सच, हिन्दी मासिक पत्रिका,
रिया प्लाजा, तीसरा तल्ला, कोकर चौक,
राँची (झारखण्ड)
मो०- 9955077308, 9431073769

महाराष्ट्र कार्यालय

केवल सच टाइम्स, द्विभाषीय पत्रिका,
द्वारा- कमोद कुमार कंचन
Swapnapoorti Society,
Phase- 1, Sector - 26,
Nigdi, Pune- 411044
Mob:- 07492868363

छत्तीसगढ़ कार्यालय

केवल सच टाइम्स, द्विभाषीय पत्रिका,
द्वारा- नूर आलम
हाउस नं.-74, अटल आवास, बेलभाँटा,
अभनपुर, रायपुर (छत्तीसगढ़)
मो०- 09835845781, 08602674503

आपको केवल सच टाइम्स पत्रिका कैसी लगी तथा इसमें कौन-कौन सी खामियाँ हैं, अपने सुझाव के साथ हमारा मार्गदर्शन करें। आपका पत्र ही हमारी सच्चाई है।

हमारा पता है

केवल सच टाइम्स,

द्विभाषीय मासिक पत्रिका

द्वाराः- ब्रजेश मिश्र

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या- 14/28

कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)

फोनः- 9431073769, 9955077308

हमारा ई-मेल

kewalsach@gmail.com,
editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

फरवरी 2020

शाहीनबाग

संपादक महोदय,

आपकी लेखनी से ऐसा प्रतीत होता है की आप न सत्तापक्ष के हैं और न विपक्ष के वैसे में आलोचना से परिपूर्ण खबर काफी रोचक के साथ जानकारीप्रद लगती है। फरवरी 2020 अंक का संपादकीय ''शाहीनबाग'' की सच्चाई एवं उसके सभी अन्य तथ्यों की समीक्षात्मक खबर को पाठकों के समक्ष रखकर आपने बहुत सी सार्थक संदेश दिया है। शाहीनबाग को राजनीतिक दृष्टिकोण से पक्ष एवं विपक्ष के द्वारा भी छोड़ दिया गया था जबकि गृहमंत्री अमित शाह चाहते तो आधे घंटे में आन्दोलन के नाम पर चल रहे ड्रामा को समाप्त कर सकते थे लेकिन दिल्ली चुनाव को लेकर सभी ने इसको तमाशा ही बना दिया। आपकी यह लेखनी मुझे बेहद पसंद आयी।

● **योगेन्द्र शास्त्री, सेक्टर-4, द्वारका, नई दिल्ली**

कहां जा रहा है भारत

ब्रजेश जी,

''भारत को कहां ले जा रही है जनता'' खबर में पत्रकार डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह ने केवल सच टाइम्स पत्रिका के फरवरी 2020 अंक में बहुत ही मार्मिक खबर को पाठकों के समक्ष रखा है। व्यक्तिगत स्वार्थ में लिप्त होने की वजह से जनता यह तय ही नहीं कर पा रही है की वह किसको मदद कर रही है और किसका विरोध। डॉ० श्री सिंह की खबर काफी व्यंग्यात्मक होती है परन्तु सच होती है। इस अंक का प्रत्येक खबर खुद को सही साबित करती है चाहे वह शाहीनबाग का मामला हो गया फिर करोना का कहर का। केवल सच टाइम्स पत्रिका का पृष्ठ अगर रंगीन होता और कुछ और खबरों का समावेश होता तो और बेहतरीन होता।

● **महेन्द्र सोलंकी, चरचा कॉलोरी, अम्बिकापुर, छग**

भारत में कई कश्मीर

ब्रजेश जी,

केवल सच टाइम्स पत्रिका की लेखनी का अलग ही अंदाज है जहां सभी बातों को बेबाकी के साथ पाठकों के समक्ष रखा जाता है। पत्रकार ललन कुमार प्रसाद की फरवरी अंक 2020 में ''भारत में एक नहीं कई कश्मीर'' खबर में वर्त्तमान समय की राजनीति एवं प्रशासनिक सोच के साथ सौतेलेपन व्यवहार का भी कार्य को सही ढ़ंग से चित्रण किया गया। ललन कुमार प्रसाद की खबर भले ही बड़ी-बडी हों परन्तु तथ्य एवं सत्य के साथ खबर में शब्दों का चयन होता है जो काबिले तारिफ है। कश्मीर की समस्या को राजनेताओं ने भी क्रियेट किया है और जो दोहरे चरित्र के लोग हैं उनका काम देश की एकता को खंडित करना है। सटीक एवं ज्वलंत खबर है। । ..

● **दीपक उपाध्याय, अस्सी घाट, बनारस, यूपी**

करोना का कहर

मिश्रा जी,

पिछले कई महीने से करोना संक्रमण की खबर आ रही थी लेकिन भारत में उसका क्या असर होगा यह आपकी पत्रिका में ललन कुमार प्रसाद की प्रकाशित फरवरी 2020 अंक में ''करोना का कहर'' में पढ़ने से मिला। करोना कितना खतरनाक है यह बात सोचकर ही डर से पूरा शरीर कांपने लगता है तथा इसके संक्रमण से इस देश का क्या होगा सोचकर डर का वातावरण बनता है। आपने इससे बचने के भी उपाय बताये हैं और सरकार को इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए ठोस एवं कारगर कदम उठाना चाहिए अन्यथा यह समस्या धीरे-धीरे भारत में भी अपना मजबूत पांव पसार लेगा और हम कुछ नहीं कर पायेंगे। जागरूकता के लिए आपकी पूरी टीम को बधाई।

● **ललित शर्मा, श्याम बाजार, कोलकाता**

मंत्रिमंडल

ब्रजेश जी,

आदिवासियों की नगरी में 5 साल भाजपा की सरकार एवं मुख्यमंत्री रहे रघुवर दास ने तानाशाही का वह परिचय दिया है की पार्टी के भीतर भी लोग रघुवर दास से डरे-सहमे थे और मंत्री रहे सरयू राय तो पहले से ही मोर्चा खोल रखे थे। फरवरी 2020 के अंक में झारखण्ड की नई हेमंत सोरेन की सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की खबर से बहुत सारी जानकारी मिली तथा इस खबर में चुनाव के वक्त के राजनीतिक घटनाओं पर भी जो खबर आपने कवर किया है उससे पाठकों को बहुत सारी जानकारी मिलती रही है। मुझे इस प्रकार की खोजी खबर बहुत सटीक एवं रोचक लगता है। झारखण्ड की खबर और आदिवासियों की दशा एवं दिशा पर कई खबरें लोगों को जागरूक करती है।

● **उमेश उरावं, अशोक नगर, रोड नं- 3, राँची**

कानूनी सलाह

संपादक जी,

केवल सच टाइम्स पत्रिका का कानूनी सलाह बहुत सटीक लगता है लेकिन सिर्फ कानूनी सलाह के साथ अगर किसी निर्णय का समीक्षात्मक खबर को दिया जाये तो नये अधिवक्ता एवं पीड़ित लोगों को भी जानकारी मिलेगी की किस प्रकार से किस प्रकार के साक्ष्य से फैसला आया है। पक्ष एवं विपक्ष की साक्ष्य से भी जानकारी प्राप्त होगा की किस प्रकार मुकदमा करने के पूर्व या बाद में साक्ष्य को जुटाकर न्याय लिया जा सकता है। कई और भी विषयों का स्तंभ भी इसमें समावेश हो और विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों की सलाह को भी इस पत्रिका में समावेश किया जाये ताकि अधिक से अधिक सामग्री पाठकों के बीच पहुंचे। आपकी पत्रिका की बेबकी के कारण इसकी लोकप्रियता है इसको सदैव बरकरार रखें।

● **जितेन्द्र राय, मालसलामी चौक, पटनासिटी**

अन्दर के पन्नों में

Millions clap to 25

भारत-अमेरिका ने गढ़ा आयाम.....27

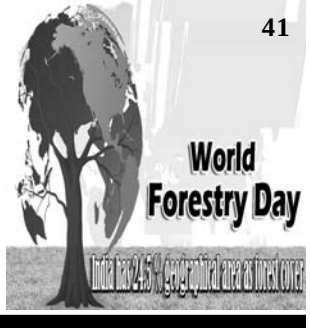

श्री चन्द्र प्रकाश सिंह

प्रधान संरक्षक सह प्रबंध संपादक **'केवल सच'** पत्रिका
एवं 'केवल सच टाइम्स' द्विभाषीय मासिक पत्रिका
प्रदेश अध्यक्ष, बिहार राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक)
पूर्व निदेशक सदस्य, ओरियेंटल बैंक ऑफ कॉमर्स
09431016951, 09334110654

मुख्य संरक्षक के लिए आमंत्रण

मुख्य संरक्षक के लिए आमंत्रण

संपादकीय व प्रधान कार्यालयः-

- पूर्वी अशोक नगर, रोड नं:-14, मकान संख्याः- 28/14, कंकड़बाग,पटना-800020(बिहार)
  e-mail:- kewalsach@gmail.com,
  editor.kstimes@rediffmail.com
  kewalsach_times@rediffmail.com
- स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक ब्रजेश मिश्र द्वारा जय हिन्द प्रेस कंकड़बाग पटना-800020 से मुद्रित एवं पूर्वी अशोक नगर, रोड नं. 14, कंकड़बाग पटना-800020 से प्रकाशित, संपादक- ब्रजेश मिश्र। **RNI NO.- BIHBIL/2011/49252**
- पत्रिका में प्रकाशित समाचारों से संपादक की सहमति आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रकार के वाद - विवादों का निपटारा पटना न्यायालय के अधीन होगा।
- आलेख पर किसी को कोई आपत्ति हो तो एक महीने के भीतर खंडन करें।
- किसी भी लेख के लिए रचनाकार/लेखक स्वयं जिम्मेवार होंगे।
- सभी पद अवैतनिक हैं।
- विज्ञापन की सत्यता की जाँच आप अपने स्तर पर कर लें।
- फोटो-समाचार साभार भी (माध्यम- इंटरनेट एवं अन्य स्त्रोत)
- कोई भी शिकायत हमारे पते पर लिखकर भेजें।
- **विज्ञापन का भुगतान चेक या ड्राफ्ट एवं RTGS से ही मान्य होगा।**
- भुगतान BRAJESH MISHRA को ही करें। किसी प्रतिनिधि को नगद न दें।
- A/C No. :- 20001817444
  BANK :- State Bank Of India
  IFSC Code :- SBIN0003564
  PAN No. :- AKKPM4905A

संदेश

कोरोना जैसे गंभीर वायरस से बचने का सरल और अच्छा उपाय है, हर समय हांथों को अच्छी तरह से साबुन से धोना एवं स्वच्छ रहना तथा ज्यादा से ज्यादा समय घर पर ही बिताना। बेवजह घर से ना निकले। इसलिए हांथों को धोएं और घर पर ही रहे, जिससे संक्रमण पर लगाम लगाया जा सकेगा।

फार्म IV (नियम 8 देखें)

01.	प्रकाशन का स्थान	:- पटना
02.	प्रकाशन की आवर्तिता	:- मासिक
03.	मुद्रक का नाम	:- ब्रजेश मिश्र
	क्या भारतीय नागरिक हैं?	:- हां
	(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:- लागू नहीं
	पता	:- पूर्वी अशोक नगर रोड नं-14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
04.	प्रकाशक का नाम	:- ब्रजेश मिश्र
	क्या भारतीय नागरिक हैं?	:- हां
	(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:- लागू नहीं
	पता	:- पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
05.	संपादक का नाम	:- ब्रजेश मिश्र
	क्या भारतीय नागरिक हैं?	:- हां
	(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:- लागू नहीं
	पता	:- पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
06.	उन लोगों के नाम और पते जो समाचार पत्र के मालिक हों, या जिनके पास कुल पूंजी का एक फीसदी से अधिक हो	:- मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
07.	कुल पूंजी में एक फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली शेयरधारकों के नाम और पते	:- मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)

मैं ब्रजेश मिश्र घोषणा करता हूं कि ऊपर दिया गया ब्योरा मेरी जानकारी और मान्यता के अनुसार सही है।

हस्ताक्षर (ब्रजेश मिश्र)

दिनांक:- 05 मार्च 2020

प्रकाशक का हस्ताक्षर

हिन्दुओं तेरा क्या होगा भारत देश में?

● ललन कुमार प्रसाद

भारत में मुसलमानों के दो तबके हैं-एक बहुत ही छोटा और दूसरा बहुत ही बड़ा। जो तबका बहुत ही छोटा है उसमें मौजूद लोग बड़े ही शरीफ हैं, उनमें इंसानियत कूट-कूटकर भरी हुई है। वे सही मायने में धार्मिक है। वे चाहते हैं कि भारत में हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन सब मिल जुलकर रहे, प्यार-मोहब्बत से रहे, अमन-चैन से रहे और एकजुट रहकर देश के विकास में जी-जान से जुटे रहे। मसलन, भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ० एपीजे कलाम को ही ले लिजिए। उनके ऐसा राष्ट्रपति आज तक देश के नहीं मिला है। उन्हें राष्ट्रपति पद का कोई लालच नहीं था। वे चाहते तो दूसरी बार भी बहुत आसानी से राष्ट्रपति बन सकते थे, लेकिल वे सर्वसम्मत्ति से राष्ट्रपति बनना चाहते थे। एक भी पार्टी उनके विरोध में न हो, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसलिए उन्होंने राष्ट्रपति पद को ठुकरा दिया। उन्हें मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है। देश की सुरक्षा में उनका योगदान अतुलनीय है। वे जीवन की आखिरी सांस तक देश की सेवा में दिन-रात जुटे रहे। देश के एक बहुत बड़े शिक्षण संस्थान में

छात्रों के बीच व्याख्यान देते हुए उनकी मौत हो गई। उनके जैसा राष्ट्रपति तो देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद भी नहीं थे। राजेन्द्र प्रसाद के तेज दिमाग के समक्ष एपीजे अब्दुल कलाम काफी बौने थे। राजेन्द्र प्रसाद की मैट्रिक परीक्षा की कॉपी जांचने वाले एक शिक्षक ने उनकी उत्तर पुस्तिका पर लिख दिया था कि एक्जामिनी इज वेटर दैन इग्जामनर। अर्थात् परीक्षार्थी, परीक्षक से बेहतर है। लेकिन राजेन्द्र प्रसाद को कुर्सी का लालच था, वरना वे दूसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन पाते। जबकि उनके जैसा सादा जीवन जीने वाला दूसरा कोई राष्ट्रपति नहीं हुआ है। राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए उन्हें पंडित जवाहर लाल नहेरू के हांथों कई बार अपमानित भी होना पड़ा है। पंडित नेहरू ने अकेले देश को इस कदर बर्बाद कर दिया कि आज तक देश संभल नहीं पा रहा है और भविष्य में भी नहीं संभल पायेगा। लेकिन देश के मुसलमानों का एक बड़ा तबका पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रेरित है, जिसे हिन्दू फूटली आंख भी नहीं सुहाते हैं। इसलिए 19 जनवरी 1990 को कश्मीर में घटी घटना की तरह 24, 25 और 26 फरवरी को दिल्ली में भी घटी। दंगाइयों ने दिल्ली के दस वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कश्मीर की तरह हत्या, तोड़फोड़ और आगजनी का विभत्स दृश्य प्रस्तुत कर दिया। मुसलमानों के बड़े तबके ने हिन्दुओं को बुरी तरह तबाह कर दिया।

अक्रांता मुगल शासक

बाबर के समय से ही भारत के हिन्दुओं, सिखों, बौद्धों और जैनों पर मुसलमानों द्वारा भारी जुल्म बेशर्मी से किये जाते रहे हैं, अमानवीय यातनाएं दी जाती रही है- चाहे जबरन धर्म परिवर्तन कराकर हिन्दुओं को मुसलमान बनाया जाना हो, हिन्दुओं के पूजा स्थलों को ध्वस्त किया जाना हो या दूसरे तरह की अमानवीय यातनाएं दी जानी हो। मसलन, अयोध्या के बाबरी मस्जिद को ही ले लिजिए। जिसे बाबर ने भव्य मंदिर को तुड़वाकर उसी के अवशेष पर बाबरी मस्जिद बनवा दिया। मंदिर तोड़ने की यह कोई एक घटना नहीं है। मुगल शासकों द्वारा हजारों हिन्दू मंदिर ध्वस्त कर दिये गये। 9 नवंबर 2019 को सुप्रिम कोर्ट के पांच जजों ने सर्वसम्मत्ति से अपना फैसला सुनाते हुए आदेश जारी किया की अयोध्या श्रीराम की जन्मस्थली है, इसलिए राम मंदिर उसी विवादास्पद जगह पर बनेगा, जहां पर राम मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनायी गयी थी। सुप्रिम कोर्ट के इस फैसले से जहां देश के हिन्दुओं में खुशी की लहर दौड़ गई थी, वही देश के मुसलमानों ने भी इस फैसले को माना, शांत रहे। देश के मुसलमानों ने कहा कि सुप्रिम कोर्ट का फैसला सही नहीं है, लेकिन देशहित में हम इसे स्वीकार करते हैं। मतलब बहुत भारी मन से देश के मुसलमानों ने सुप्रिम कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले को स्वीकार किया, जबकि अयोध्या के म्युजियम में रखे खुदाई से प्राप्त सभी साक्ष्य राम मंदिर के पक्ष में मौजूद है। वहां पर खुदाई ऑर्कोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के सुपरीनटेंडिंग ऑर्केलॉजिस्ट डॉ० के.के. मोहम्मद के निर्देशन में दो सौ मजदूरों द्वारा करायी गयी थी, जिनमें 138 मुस्लिम मजदूर थे। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है तथा टीवी पर भी इंटरव्यू के दौरान कहा है कि जिस जगह पर बाबरी मस्जिद थी, वह भव्य राम मंदिर को तोड़कर बनायी गयी थी। उन्होंने यह भी कहा कि टीवी पर सच बोलने के लिए उन्हें बहुत धमकियां भी मिली थी। डॉ० के.के. मोहम्मद मुसलमान हैं और आज जीवित हैं। एक और उदाहरण ले लिजिए-मुगल शासक औरंगजेब अपने शासनकाल में गांव के गांव को घेरवाकर हिन्दुओं, सिखों, बौद्धों और जैनों को बेरहमी से

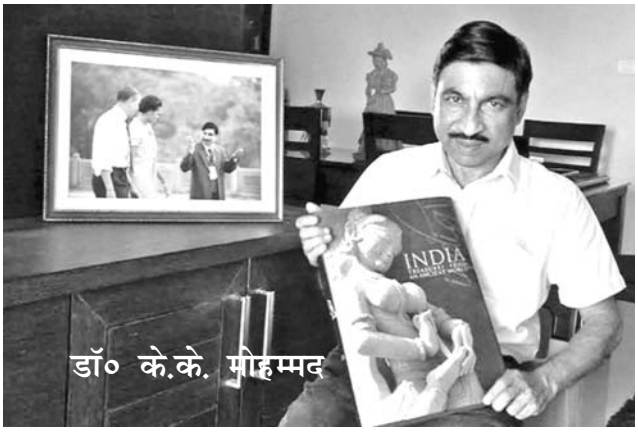

प्रताड़ित कर जबरन धर्म परिवर्तन कराकर मुसलमान बना दिया करता था। औरंगजेब ने कई हिन्दू और सिख धर्म गुरूओं का इसलिए हत्या कर दिया कि वे इस्लाम कबूल करने के लिए राजी नहीं हुए थे। मसलन, सिखों के दसवें और अंतिम गुरू, गुरू गोविंद सिंह को ही ले लिजिए। मुगल शासक औरंगजेब की सेना ने गुरू गोविंद सिंह के दोनो बड़े बेटे अजीत सिंह (उम्र 18 वर्ष) और जुझार सिंह (उम्र 14 वर्ष) की हत्या अपने सेना द्वारा करा दी तथा उनके दोनो छोटे बेटे जोरावर सिंह (उम्र 7 वर्ष) और फतेह सिंह (उम्र 5 वर्ष) को जिंदा दीवार में चुनवा दिया। मुसलमानों के द्वारा सिखों पर किया गया इतना क्रूरतापूर्ण बरबर उत्पीड़न मानव इतिहास में कही भी पढ़ने को नहीं मिलता है। दिल को दहला देने वाली उस अमानवीय घटना के विरोध में उस समय लोगों के बीच घोर प्रतिक्रिया हुई थी। उसी का परिणाम था कि उस दौरान राष्ट्रभक्तों ने गुरू गोविंद सिंह के शहीद दोनो छोटे बेटों के याद में पटना साहिब (पहले इस शहर का नाम पटना सिटी था) के सामने गंगा उस पार दो गांव का नाम फतेह सिंह और जोरावर सिंह रख दिया। गंगा के उस पार स्थित राघोपुर प्रखंड से इन दोनों गांवों की दूरी महज 12 किलोमीटर है। इसके अलावा गुरू गोविंद सिंह के शहीद दोनो बड़े बेटे अजीत सिंह और जूझार सिंह के नाम पर वैशाली के पास दो गांवों का नाम रखा गया है। इतना ही नहीं गंगा पार विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल चेचर से आगे गंगा घाट का नाम खासा घाट रखा गया है। एक मुसलमान गुरू गोविंद सिंह का शिष्य बनकर तलवार से उनके पेट में घोंपकर उनकी हत्या कर दी। गुरू गोविंद सिंह के पिता और सिखों के 9वें गुरू, गुरू तेग बहादूर सिंह की हत्या औरंगजेब ने उन्हें अपने दरबार में बुलाकर कर दी थी।

मुसलमानों में भी एक से बढ़कर एक निहायत भले इंसान होते रहे हैं और आज भी है। मसलन, शाहजहां के बड़े बेटे दारा शिकोह, जिसे उनके छोटे भाई औरंगजेब ने मौत के घाट उतार दिया था। बात यह है कि दारा शिकोह संस्कृत, फारसी, उर्दू और हिन्दी के प्रकाण्ड विद्वान थे। उन्होने गीता को पूरी सिद्दत के साथ पढ़ा था और मनन किया था। उन्होंने गीता के मर्म को समझा था। इसलिए उनके मन में गीता के प्रति बहुत श्रद्धा थी। भारत के इतिहास में दारा शिकोह पहले ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने श्रीमद् भागवत समेत 52 उपनिषदों का संस्कृत से फारसी में अनुवाद सिर-अकबर (महान रहस्य) के नाम से अनुवाद किया था। उनका ज्यादातर समय सुफियों के साथ सत्संग में बीतता था। बादशॉह शाहजहां का बड़ा बेटा होने के कारण दिल्ली के गद्दी के वे उत्तराधिकारी थे, लेकिन मुस्लिम कट्टरपंथियों ने उनपर बुतपरस्त (मूर्तिपूजक) होने का आरोप लगाया, जो कि सही नहीं है। वे बुतपरस्त नहीं थे। वे समय पर नमाज अदा करते थे, लेकिन औरंगजेब उनपर लगाये गये गलत आरोप का नाजायज फायदा उठाकर उसने विद्रोह किया और खुद दिल्ली का बादशाह बन बैठा तथा 30 अगस्त 1659 को दिल्ली में दारा शिकोह को मौत की सजा सुना दी। दारा शिकोह के शव के साथ बर्बरता भी की गई। दारा शिकोह का सर कलम कर आगरा ले जाया गया और धर को दिल्ली में हुमायूं के मकबरे के परिसर में दफनाया गया। ऐतिहासिक प्रमाणों

के मुताबिक मुगल काल में दारा शिकोह के अलावा ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता है, जिसमें किसी मुगल शहजादे का सिर कलम कर सिर्फ धर को दफनाया गया हो। वर्ष 1801-02 में जब फ्रांसीसी दार्शनिक एंक्वेटिल डुपरॉन ने लैटिन भाषा में सिर्रे-अकबर का अनुवाद किया, तब जाकर सारी दुनिया को गौरवपूर्ण भारतीय संस्कृति के बारे में विस्तार से पता चला। सचमुच पूरी दुनियां को भारतीय सनातन संस्कृति से रू-ब-रू कराने वाले दारा शिकोह का स्थान सनातन हिन्दू धर्म के इतिहास में अद्वितीय है। ऐसे निहायत शरीफ इंसान को हिन्दुओं और सिखों का कट्टर विरोधी औरंगजेब ने हत्या कर दी थी। सचमुच दारा शिकोह को शरीफ भारतीय मुसलमानों के सिरमौर हैं। इसलिए भारत में उनका भव्य स्मारक बनाया जाना चाहिए।

पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बहुसंख्यक मुसलमान धर्म के आधार पर अपने-अपने देश में रहने वाले अल्पसंख्यक हिन्दुओं और सिखों से क्रूरतापूर्ण अमानवीय तरीके से पेश आते हैं। पाकिस्तान में हर साल हजारों की संख्या में 11 वर्ष से लेकर 20 वर्ष तक की हिन्दू और सिख लड़कियों का अपहरण कर जबरन उनका धर्म परिवर्तन कराकर वहां के मुसलमान शादी कर लेते हैं। उक्त तीन देशों में हिन्दुओं, सिखों और बौद्धों के पूजा स्थलों को वहां के मुस्लिम ध्वस्त कर देते हैं। जमीन-जायदाद पर जबरन कब्जा कर लेते हैं तथा उनकी हत्या कर देते हैं। उसी तरह का बर्ताव भारत के अधिकतर मुसलमान हिन्दुओं के साथ आजादी के समय से ही करते आ रहे हैं। इसका ज्वलंत उदाहरण कश्मीर में 19 जनवरी 1990 को वहां के मुसलमानों के द्वारा चार लाख से भी अधिक कश्मीरी पंडितों को रातों-रात जबरन खदेड़कर भगा दिया जाना। कश्मीर के मस्जिदों से उस दिन लाउड स्पीकर पर लगातार ऐलान किया जाता रहा कि कश्मीरी पंडितों तुम अपनी बहु, बहन और बेटियों को छोड़कर कश्मीर से फौरन चले जाओ, वरना तुम सबों की हत्या कर दी जायेगी। सचमुच वहां के मुसलमानों द्वारा ऐसा ही किया गया। कश्मीरी पंडितों को उनके घरों से जबरन खींचकर हत्या कर दी गई। पूरी कश्मीर घाटी की सड़के हजारों कश्मीरी पंडितों की शव से पट गयी। सिर्फ एक ही दिन में कितने कश्मीरी पंडितों की हत्या हुई, इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है, क्योंकि वहां के मुसलमान कश्मीरी पंडितों पर दिल को दहला देने वाले अमानवीय यातना को दुनियां के मुसलमानों से छिपाना चाहते थें। आश्चर्य तो तब हुआ जब भारत के सभी मुसलमानों का उस दर्दनाक घटना को मौन समर्थन प्राप्त था। भारत का कोई भी मुस्लिम संगठन परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जरा सा भी विरोध नहीं किया, जबकि मुस्लिम संगठनों द्वारा बहुत ही जोरदार तरीके से प्रत्यक्ष रूप में विरोध किया जाना चाहिए था। जिस वक्त श्रीनगर के लालचौक पर वहां के मुसलमान तिरंगे झंडे जला रहे थे तो उस वक्त शेष भारत के मुसलमानों ने सड़कों पर उतरकर विरोध क्यो नहीं जताया?

★ **हिन्दू सभी धर्मों का आदर-सम्मान करते हैं:-** हमारे देश में आम तौरपर बहुसंख्यक शब्द का प्रयोग हिन्दू धर्म को मानने वालों के लिए किया जाता है और अल्पसंख्यक शब्द का इस्तेमाल आम तौरपर मुस्लिम धर्म मानने वालों के लिए किया जाता है, लेकिन भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यक तो हरगीज नहीं हैं, क्योंकि इनकी आबादी आज करीब 20 करोड़ है, फिर मुसलमानों को देश में हिन्दुओं की हकमारी करके कई तरह की विशेष सुविधाएं देश की सभी पार्टियों द्वारा दी जाने की होड़ मची है, जिससे की चुनाव में मुस्लिमों का अधिक से अधिक वोट हासिल किया जा सके। खैर जो भी हो! दुनियां भर में हिन्दू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जो सही मायने में धर्म-निरपेक्ष है। हिन्दू स्वभाव से ही उदारवादी होते हैं। इसलिए इतने सारे धर्म, जैसे-इस्लाम और ईसाई धर्म बगैर किसी रोकटोक के भारत में पनपते चले गए। आज भारत में मुसलमानों को जितनी छूट मिली हुई है, उतनी पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे इस्लामिक देशों में भी मुसलमानों को नहीं मिली हुई है। भारत में जन्मे चारो धर्म-हिन्दू, सिख, बौद्ध और जैन धर्म अहिंसक हैं। इन चारो धर्मों का प्रचार-प्रसार बगैर किसी हिंसा के शांतिपूर्वक पूरी दुनियां में उनके दर्शन की गुणवत्ता

के आधार पर हुआ है। इन चारों धर्मों में सबसे पुराना हिन्दू धर्म है। ध्यान देने वाली बात यह है कि हिन्दू सभी धर्मों का आदर-सम्मान करते हैं, जरा भी भेदभाव नहीं करते हैं और यही सहिष्णुता हिन्दू धर्म की पहचान है। स्वयं विवेकानंद ने अमेरिका के सिकागो में ''विश्व धर्म संसद'' में अपने संबोधन में कहा था-'मुझे भारत देश का नागरिक होने पर गर्व है, जिसने दुनियां के सभी धर्मों और सभी शरणार्थियों को आश्रय प्रदान किया है'। यही मनोविज्ञान आज हिन्दुओं के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गई है, क्योंकि जिन मुसलमानों को हिन्दुओं ने शरण दी है, अपना भाई माना है, आज वही हिन्दुओं का नामो-निशान मिटा देने पर तुले हुए हैं। यही कारण है कि 1947 में भारत का बंटवारा होने के बाद हिन्दू धर्म को पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने खात्मे के कगार पर पहुंचा दिया गया है। मसलन, कश्मीर को ही ले लिजिए। आज से करीब 700 साल पहले कश्मीर में सिर्फ हिन्दू रहते थे, लेकिन अपने उदार स्वभाव के कारण किसी कारणवश बाहर से आये कुछ मुसलमानों को शरण दे दिया। तब से कश्मीर अशांत रहने लगा और मुसलमानों की बढ़ती आबादी के साथ वहां अशांती फैलने लगी। आज आलम यह है कि पिछले तीस सालों से दर-दर की ठोकरे खाने वाले एक भी कश्मीरी पंडितों के

परिवार को वहां वापस नहीं बसाया गया। जानते हैं क्यों? ऐसा इसिलए कि ज्यादातर मुसलमान जिस देश में दाखिल होते हैं, वहां अपने धर्म का प्रचार-प्रसार क्रूरतापूर्वक बड़ी बेहरहमी से दूसरे धर्म वालों पर जुल्म ढ़ाकर करते हैं। मसलन, मुगल शासन बाबर से लेकर औरंगजेब तक को ही ले लिजिए। आज देश के मुसलमानों के बारे में अनुसंधान किया जाये तो ज्यादातर मुसलमानों के पूर्वज हिन्दू रहे हैं, जिनका जबरन धर्म परिवर्तन कराकर मुसलमान बना दिया गया है। इसलिए बगैर किसी विलंब के हिन्दुओं को धर्म निरपेक्षता को त्यागना पड़ेगा। ऐसा इसलिए कि हिन्दू समुदाय धर्म निरपेक्ष बना रहे और मुस्लिम समुदाय हिन्दुओं को धर्म निरपेक्षता की दुआई देकर इस्लाम के नाम पर सामप्रदायिक बना रहे, भारतीय संविधान न माने, हर समय इस्लाम के नाम पर संविधान को जबरन गलत माने तो ऐसी विषम परिस्थिति में धर्म निरपेक्षता कैसे टिकी रह सकती है? इसलिए हिन्दुओं का धर्म है कि भारत देश में हिन्दुओं का खात्मा होने से बचाने के लिए भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने हेतु जी-जान से जुट जाये।

★ **मुसलमान कितना भी असंवैधानिक काम करे, करके ही रहेंगे और हिन्दू कितना भी संवैधानिक काम करे, करने ही नहीं देंगे:-** 22 दिसम्बर 2019 को बेंग्लुरू के टाउन हॉल के सामने भाजपा नेताओं द्वारा सीएए को लेकर जागरूक करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुसलमानों ने सांसद तेजस्वी सूर्या, आरएसएस के नेता सुलीबोले तथा कार्यक्रम में मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। हमलावरों में से छः लोगों इरफान, सईद, अकबर, अकबर बासा, सना उर्फ सनाउल्लाह शरीफ और सारिख-उल-आमीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। 26 जनवरी 2020 को झारखण्ड के लोहरदगा में जब विश्व हिन्दू परिषद द्वारा सीएए के पक्ष में निकाली गई रैली पर मुसलमानों ने जबरदस्त पथराव कर दिया था, जिससे रैली में भाग ले रहे ढ़ेर सारे लोग घायल हो गये, जिनमें से कुछ तो गंभीर रूप से घायल हो गये। फिर 24 फरवरी 2020 को जब दिल्ली के जाफराबाद में हिन्दुओं द्वारा सीएए के पक्ष में धरना प्रदर्शन किया गया तो मुसलमानों ने उनपर ईंट-पत्थरों की बौछार कर उन्हें भगा दिया। इससे स्पष्ट है कि भारत में हिन्दुओं पर मुसलमानों द्वारा किस तरह हरकत की जाती है। मुसलमान कितना भी असंवैधानिक अनैतिक और अमानवीय जुल्म हिन्दू पर करे, वे चू-चरा भी नहीं कर सकते हैं। हिन्दू कितना भी संवैधानिक, नैतिक और मानवीय काम करे, मुसलमान करने नहीं देते हैं। आज हालात यह है कि देश के

मुसलमानों से देश की पुलिस, नेता और सरकार तीनो ही भयभित हैं, डरने लगे हैं। इससे समझा जा सकता है कि भारत में मुसलमानों द्वारा कितना जुल्म किया जा रहा है और वे मजबूरन चुपचाप सहते रहते हैं, मुंह पर मजबूरन ताला लगाये हुए हैं। वे अपने ऊपर किये जा रहे जुल्मों के विरोध में एक भी शब्द नहीं बोल सकते हैं। ऐसे में भारत में हिन्दुओं का अस्तित्व कैसे बचेगा? अतः भारत में हिन्दुओं का वजूद मिटने से बचाने के लिए भारत को हिन्दू राष्ट्र बगैर किसी विलंब के बनाया जाना नितांत जरूरी हो गया है, वरना मुसलमान देश में हिन्दुओं का वजूद मिटा देंगे। दरअसल पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की तरह भारतीय मुसलमान भी हिन्दुओं से इतनी घृणा करते हैं कि चाहे कोई भी सरकार हो, वे अपनी घृणित चाहत को अंजाम तक पहुंचाकर ही रहेंगे, हिन्दुओं के मूल देश भारत में ही हिन्दुओं का नामो-निशान मिटा देंगे। हिन्दुओं के प्रति भारतीय मुसलमान इतना घृणा से भरे हुए हैं कि यदि सरकार सहित देश की सभी पार्टियां मिलकर भी भारत में हिन्दुओं को बचाने का प्रयास करे तो भी भारत में हिन्दुओं का वजूद मिटाने से रोकने में सफल नहीं हो पायेंगे, जबकि ऐसा कभी नहीं हो सकेगा कि देश की सभी पार्टियां मिलकर हिन्दुओं को सुरक्षा प्रदान करेंगे। ऐसा इसलिए कि एक-दो राजनीतिक पार्टियों को छोड़कर देश की अन्य सभी पार्टियां गद्दार है, देशद्रोही है। इसलिए भारत में हिन्दुओं का वजूद मिटने से बचाने के लिए भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने के सिवाय कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

★ **भारतीय मुसलमान भारत को इस्लामिक देश बनाने पर तुले हुए हैं :-** पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के मुसलमानों की तरह भारत के अधिकतर मुसलमान भारत में ही हिन्दुओं का नामो-निशान मिटा देना चाहते हैं। उपरोक्त चारों देशों के मुसलमानों को हिन्दू और सिख फुटली आंख नहीं सुहाते हैं। उनकी नजर में हिन्दू, सिख, बौद्ध और जैन घृणा के पात्र हैं। दुनियां भर में 58 मुस्लिम देश है, लेकिन पाकिस्तान, बांग्लादेश और

अफगानिस्तान की तरह गिरे हुए नहीं हैं। उपरोक्त तीन मुस्लिम देशों और धर्म- निरपेक्ष भारत को छोड़कर शेष 55 मुस्लिम देशों में भारतीय हिन्दुओं को न सिर्फ बहुत ही आदर एवं सम्मान की नजर से देखा जाता है, बल्कि बर्ताव भी किया जाता है। इसका नजारा पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान तथा धर्म-निरपेक्ष देश भारत को छोड़कर सभी 55 मुस्लिम देशों में देखा जा सकता है। मसलन, मुस्लिम देश यूएई को ही ले लिजिए। वहां के सुल्तान ने वहां पर हिन्दू मंदिर बनाने के लिए मुफ्त में 50 एकड़ जमीन दे दी है, जहां हिन्दू मंदिर के फाउंडेशन तक का काम पूरा हो चुका है। शीघ्र ही हिन्दू मंदिर बनकर तैयार हो जायेगा। खाड़ी देश के ही एक देश में दो सौ साल पुराना शिव मंदिर बिल्कुल सुरक्षित है और वहां नित्य पूजा-आरती की जाती है। जबकि भारत में आज भी मुसलमानों द्वारा हिन्दू पूजा स्थलों में तोड़फोड़ की जाती है। इसका एकदम ताजा उदाहरण है 24 से 26 फरवरी 2020 तक दिल्ली में चले दंगा में दो हिन्दू मंदिरों को क्षतिग्रस्त किया जाना।

भारतीय मुसलमान सीएए को लेकर ऐसा विरोध कर रहे हैं, जिसका कोई ठिकाना नहीं है। जबकि सीएए से एक भी भारतीय को कोई खतरा नहीं है, चाहे वह हिन्दू हो मुसलमान, सिख हो या ईसाई और बौद्ध-जैन या पारसी। इसमें ध

र्म के आधार पर पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित अल्पसंख्यकों यानि हिन्दुओं और सिखों को भारत की नागरिकता दिये जाने का आसान रास्ता प्रदान किया गया है। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भागकर अपनी इज्जत की रक्षा के लिए दिसम्बर 2014 से पहले भारत में प्रवेश कर गये हैं और पांच वर्षों से अधिक समय से शरणार्थी के रूप में भारत में रह रहे हैं। जब सीएए से एक भी भारतीय मुसलमान को कोई भी खतरा नहीं है तो वे क्यों इतने खतरनाक तरीके से इसका विरोध कर रहे हैं। आश्चर्य है कि सत्ता हासिल करने अथवा सत्ता में बने रहने के लिए भारतीय जनता पार्टी, जनता दल युनाईटेड और बिजू जनता दल को छोड़कर लगभग सारी राजनीतिक पार्टियां सीएए का विरोध कर रही हैं। कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आरजेडी, टीएमसी, इत्यादि पार्टियां मुस्लिम वोट के खातीर सीएए का विरोध कर रही है। भारतीय संविधान का न सिर्फ खुल्लम-खुल्ला विरोध कर रही है, बल्कि पूरे देश में अराजकता और अव्यवस्था फैलाने के लिए रैलियां निकाल रही है, पूरे देश में तोड़फोड़ कर रही है, धरना प्रदर्शन कर रही है तथा देश विरोधी नारे लगवा रही है। ये सभी पार्टियां मुसलमानों के साथ मिलकर देश भर में करीब दो सौ शाहीनबाग स्थापित कर सैकड़ों सड़कों को जाम करा दिया है, बंधक बना दिया है। इसका परिणाम है कि आज देश भर में कई करोड़ लोगों को ढ़ेर सारी कठिनाइयों से जुझना पड़ रहा है। देश के करोड़ों निर्दोष नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सिर्फ शाहीनबाग में 15 दिसम्बर 2019 से सभी दुकाने बंद है, नौकरी पेशा लोगों को अपने दफ्तरों में जाने के लिए आधे घंटे के बजाय ढ़ाई-तीन घंटे का समय देना पड़ रहा है, बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है, मरीजों को अस्पताल ले जाने में दिक्कत हो रही है, इत्यादि। ऐसे में क्या भारत में

मुसलमानों को छोड़कर किसी भी अन्य समुदाय को रहने का हक नहीं है, क्या भारतीय मुसलमानों को छोड़कर अन्य भारतीय समुदाय के भारतीय नागरिक, भारत के नागरिक नहीं है? ऐसे में भारतीय मुसलमानों को छोड़कर अन्य सभी भारतीय नागरिक भारत में कैसे रह पायेंगे? क्या धर्म-निरपेक्षता का भारतीय कानून मुसलमानों पर लागू नहीं होता है और क्या मुसलमानों को छोड़कर अन्य सभी भारतीय समुदायों पर लागू होता है? क्या भारतीय मुसलमान भारतीय संविधान से ऊपर है? क्या भारत की धर्म-निरपेक्षता, इस्लामिकृत धर्म-निरपेक्षता होनी चाहिए? क्या भारत के मुसलमान पूरे भारत को कश्मीर की तरह हिन्दू मुक्त भारत बना देंगे? जरूर बना देंगे। ऐसा इसलिए कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के मुसलमानों की तरह भारतीय मुसलमान स्वभाव से ही हिन्दुओं और सिखों का खात्मा करने पर तुले हुए हैं। ऐसे में सीएए का विरोध नजायज तरीके से कर रहे भारतीय मुसलमान क्या भारत में हिन्दुओं, सिखों, बौद्धों, जैनों और ईसाइयों की जाने बक्स देंगे? कभी नहीं। इन्हें तो सैकड़ों वर्षों से भारतीय हिन्दुओं और सिखों की हत्या कर मार देने की आदत पड़ गई है।

✯ **एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी :-** 9 दिसम्बर 2019 को एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मौजूदा लोकसभा के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संसद भवन के अंदर सांसदों के बीच नागरिकता संसोधन बिल 2019 की प्रति को फाड़कर टुकड़े-टुकड़े कर संसद भवन के फर्श पर बिखेर दिया। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ओवैसी के विरूद्ध कोई कार्यवाई नहीं की और लोकसभा में मौजूद एक भी सांसद ने इसकी मांग भी नहीं की। इससे स्पष्ट है कि मुर्दों की जमात हैं लोकसभा के सांसद। मोदी सरकार ने भी कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे भारत की जनता ने जबरदस्त बहुमत से जिताकर देश का प्रधानमंत्री बनाया है। भारत का चुनाव आयोग ने भी कोई कार्यवाई नहीं की। ओम बिरला ने ओवैसी की लोकसभा की सदस्यता रद्द क्यों नहीं की? ओवैसी के खिलाफ उन्हे और क्या सबूत चाहिए था। भारत के चुनाव आयोग ने ओवैसी के पार्टी की मान्यता रद्द क्यों नहीं की? केन्द्र सरकार ने संसद का उपहास उड़ाने वाले व्यक्ति को जेल में क्यों नहीं डाला, जबकि ऐसे व्यक्ति के लिए जेल ही मुफिद जगह है।

नागरिकता संसोधन कानून (सीएए) के विरोध में 20 फरवरी को बेंग्लुरू में आयोजित संविधान बचाओं जनसभा में ओवैसी की मौजूदगी में पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाये गये। ओवैसी के मन से ही अमूल्या नाम की एक महिला ने भीड़ को संबोधित करते हुए लोगों से पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाने को कहा। उसके तुरंत बाद ओवैसी ने सफाई दी की देश विरोधी नारा लगाने वाली महिला से वह सहमत नहीं हैं, तो फिर मंच से उस महिला को संबोधन करने का मौका कैसे मिल गया। वैसे भी ओवैसी की जनसभाओं में कई बार पहले भी पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाये जाते रहे हैं। ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ है। ओवैसी मुसलमानों से कहते हैं कि जब कोई सरकारी मुलाजिम तुमसे तुम्हारी पहचान संबंधित कोई कागज दिखाने को कहे तो अपनी सीना आगे कर देना। इस तरह की बेहुदगी ओवैसी जैसे व्यक्ति ही कर सकते हैं। ओवैसी का यह बयान निर्लजता की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या है? सचमुच ओवैसी गजब के बेशर्म व्यक्ति हैं। ऐसे ही व्यक्ति के चलते पूरी दुनियां में भारतीय मुसलमानों की फजीहत हो रही है। दरअसल, ओवैसी भारतीय संविधान का माखौल उड़ाने को शान की बात समझते हैं, तभी तो सीएए के विरोध में आयोजित जनसभा में उनकी मौजूदगी में अक्सर पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाये जाते हैं। वैसे तो सीएए के विरोध में जनसभा को आयोजित करना संविधान के खिलाफ है, लेकिन ओवैसी ऐसे मुसलमान हैं, जो अपने आप को संविधान से ऊपर मानते हैं।

✯ **एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान :-** कुलबुर्गी की एक जनसभा में 20 फरवरी को

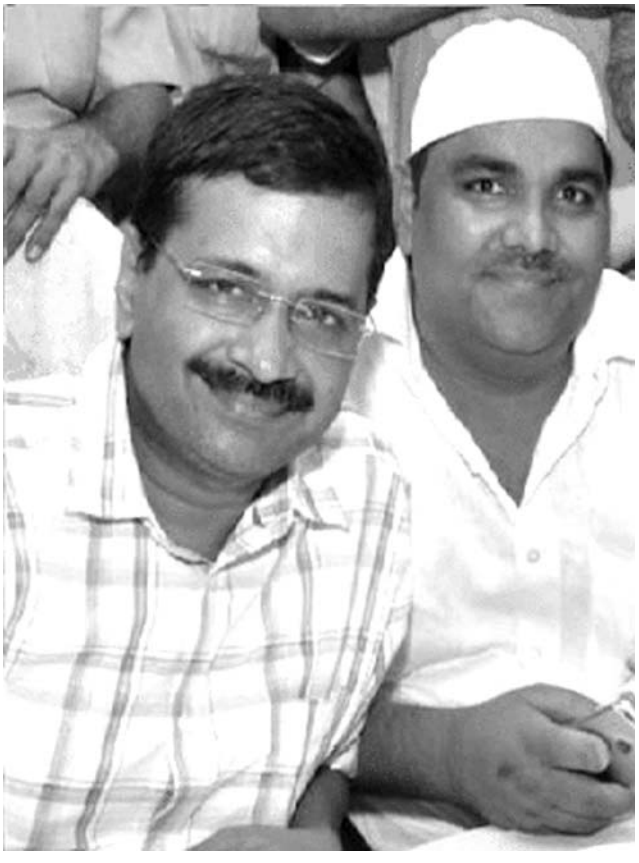

एआईएमएआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता और मुम्बई के भायखला के पूर्व विधायक वारिस पठान ने लोगों को संबोधित करते हुए मंच से कहा-'देश में मुसलमानों की संख्या भले ही 25 करोड़ से कम हो, लेकिन जरूरत पड़ने पर वे सौ करोड़ लोगों पर भी भारी पड़ेंगे'। इसे 24-26 फरवरी को दिल्ली में हुई दंगा में मुसलमानों ने साबित भी कर दिया। यह ऐसे ही नहीं हुआ। यह सब पहले से ही नियोजित था कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे के दौरान दिल्ली में दंगे को अंजाम दिया जायेगा, ताकि सारी दुनियां में भारत की छवि खराब हो जाये। भारत बदनाम हो जाये। आम आदमी पार्टी के पार्षद ताहीर हुसैन जैसे मुसलमान बहुत पहले से ही दंगा कराने की तैयारी कर रहे थे, जिसकी जानकारी वारिस पठान को अवश्य थी, तभी तो भरी जनसभा में उन्होंने ऐसी बात कही। वारिस पठान ने अपने भाषण में कहा-'हमने ईंट का जवाब पत्थर से देना सिख लिया है'। आगे उन्होंने कहा-'हमने औरतों का आगे रखा है। अभी तो केवल शेरनियों के बाहर निकलने से पूरा देश परेशान हो गया है, जब पूरा समुदाय एक साथ बाहर निकलेगा तो समझो क्या होगा'। केन्द्र सरकार के गृह मंत्रालय को वारिस पठान के खिलाफ और क्या सबूत चाहिए। क्यो वारिस पठान को कैद कर जेल में नहीं डाल रही है?

☆ **क्या अरविंद केजरीवाल खांटी देशद्रोही नहीं?** :- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बहुत ही खतरनाक देशद्रोही हैं, जिन्हें प्रमाणित करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ये वर्षों पहले ही प्रमाणित हो चुका है। वर्ष 2016 में दिल्ली के जेएनयू में जाकर अफजल गुरू की बरसी के अवसर पर उन्होंने अपने देश के टुकड़े-टुकड़े गैंग का खुलेआम समर्थन किया था। जब सितम्बर 2016 में भारतीय सेना एलओसी पार जाकर सर्जीकल स्ट्राईक को अंजाम दिया था तो यही केजरीवाल उसका सबूत मांग रहे थे। भारतीय वायुसेना ने फरवरी 2019 में पाकिस्तान के बालाकोट में घूंसकर एयर स्ट्राइक को अंजाम दिया था, तो यही केजरीवाल उसका सबूत मांग रहे थे। दिल्ली के शाहीनबाग में 15 दिसम्बर 2019 से ही मुस्लिम महिलाओं ने जो सड़क को बंधक बना लिया है, उस संविधान विरोध ी कृत्य को अरविंद केजरीवाल समर्थन कर रहे हैं, जिसकी घोषणा उनके सहयोगी दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पहले ही कर चुके हैं। शाहीनबाग में जाकर दिल्ली के आला अफसर और दिल्ली के उपराज्यपाल धरना पर बैठी मुस्लिम महिलाओं से निवेदन कर चुके हैं कि वे धरना प्रदर्शन करे, लेकिन शाहीनबाग की सड़क को बंधक बनाकर न करे। कही ऐसी जगह जाकर करे जहां आम जनता को कोई परेशानी न हो। देश के गृह मंत्री अमित शाह कई बार कह चुके हैं कि मुस्लिम महिलाएं अपने प्रतिनिधि मंडल को भेजकर दिल्ली स्थित मेरे दफ्तर में आकर बात करे, लेकिन शाहीनबाग में धरना पर बैठी मुस्लिम महिलाएं अमित शाह के निवेदन को सुनने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, उस इलाके के विधायक और आम आदमी पार्टी का कोई नेता अथवा कोई कार्यकर्ता ने शाहीनबाग में सड़क जाम कर धरना पर बैठी मुस्लिम महिलाओं को एक बार भी नहीं कहा है कि सड़क जाम करना ठीक नहीं है, इससे आम आदमी को परेशानी हो रही है। आपलोग कही और जाकर धरना प्रदर्शन करे और भविष्य में न कभी कहेंगे। क्योंकि वे मुस्लिम वोट के खातिर सीएए प्रर्दशन विरोधी धरना प्रर्दशन के समर्थक हैं। मानव इतिहास में अरविंद केजरीवाल ऐसे पहले नेता हैं, जिन्होंने दिल्ली की जनता के साथ इतनी बेवफाई से पेश आ रहे। केजरीवाल लगातार तीसरी बार जितकर दिल्ली का मुख्यमंत्री बने हैं। 2015 में उनकी पार्टी को कुल 70 में से 67 सीटे मिली थी, इस बार कुल 70 में से 62 सीटे मिली है। यह प्रचंड बहुमत उन्हें सिर्फ मुसलमानों के वोट से ही नहीं मिली है। हिन्दुओं ने भी उन्हें भारी संख्या में वोट दिया है। फिर भी शाहीनबाग के जाम के

चलते लाखों दिल्लीवासियों को 15 दिसम्बर 2019 से ही भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और केजरीवाल जी सड़क जाम को लेकर मौन धारन किये हुए हैं। यह दिल्ली की जनता के साथ उनकी बेवफाई नहीं तो और क्या है? केजरीवाल बहुत बड़े नौटंकीबाज है। दिल्ली चुनाव के चार-पांच दिन पहले दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान जी के चुनाव जीतने के लिए आशीर्वाद मांगने गये। अर्थात् उन्होंने हिन्दुओं के साथ छल किया। हिन्दुओं के हांथ में लॉलीपॉप थमा दिया कि वे हिन्दुओं के प्रबल समर्थक हैं, इसलिए चुनाव में आदमी पार्टी को ही वोट दें। हिन्दू, अरविंद केजरीवाल के इस नौटंकी में फैल गये और उनकी पार्टी के पक्ष में भारी मतदान कर दिया। नतीजा, दिल्ली के कुल 70 सीटों में से 62 सीटों पर आम आदमी पार्टी जीत गई। देश के मशहूर गीतकार जावेद अख्तर अरविंद केजरीवाल को बधाई देने के बहाने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर बंद कमरे में पता नहीं भविष्य में सीएए के विरोध में और अधिक दमदार बनाने के लिए कुछ तो योजना बनाये ही होंगे। देशद्रोही स्वभाव होने के कारण दोनो में बड़ी सांठ-गांठ है। दरअसल, टुकड़े-टुकड़े गैंग के प्रबल समर्थक जावेद अख्तर देश में आग लगाने के किसी भी मौके को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से भुनाने में नहीं चुकते हैं। इन दोनों की फिदरत ही देश विरोधी है।

आम आदमी पार्टी के विधायक अमानुतुल्लाह खां, शरजील इमाम से मिलकर शाहीनबाग में धरना पर बैठे प्रदर्शनकारियों को सीएए के विरोध में मजबूती से डटे रहने का आह्वाहन किया। इसे सभी देशवासियों ने टीवी पर देखा, फिर भी पुलिस अमानुतुल्लाह खां पर कोई कार्यवाई नहीं कर रही है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा के सांसद दिल्ली चुनाव के ठीक चार-पांच दिन पहले यह ऐलान कर दिया था कि कल शाहीनबाग में प्रदर्शनकारियों पर गोली जरूर चलायी जायेगी और ऐसा हुआ भी, प्रदर्शनकारियों पर गोली चली। गोली चलाने वाले व्यक्ति हरियाणा के कपिल गुर्जर को पुलिस ने पिस्तौल के साथ पकड़ लिया

और गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। कुछ ही दिन पहले चलाये गये सदस्यता अभियान के दौरान संजय सिंह ने अपने हांथों से टोपी पहनाकर उसे आम आदमी पार्टी का सदस्य बनाया था, जिसे टीवी पर पूरा देश देखा है। इससे स्पष्ट है कि संजय सिंह उस आदमी को शाहीनबाग में गोली चलाने के लिए तैयार किया था, जिससे की मुसलमानों का पूरा का पूरा वोट आम आदमी पार्टी को मिल जाये। इससे स्पष्ट हो जाता है कि मान सिंह और जयचंद के असली वारिस संजय सिंह ही हैं।

दिल्ली चुनाव के पहले अरविंद केजरीवाल ने देश के गृहमंत्री अमित शाह को प्रेस में दिये गये इंटरव्यू में कहा था कि अगर शरजील इमाम शाहीनबाग, जामिया मिल्लिया और जेएनयू में देश विरोधी तथा संविधान विरोधी योजनाओं का प्रारूप तैयार किया है और उसे अंजाम तक पहुंचाने का कार्य किया है तो शरजील इमाम को गिरफ्तार करे। मैं दिल्ली सरकार का मुखिया हूं। मुझे किसी से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। मैं एक मिनट में उसपर मुकदमा दर्ज कर दूंगा। अमित शाह ने शरजील इमाम को दिल्ली चुनाव के पहले ही गिरफ्तार करके जेल भेजवा दिया, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने उस पर अभी तक कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं कराया है। जबकि देश का मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें अवश्य ही मुकदमा दर्ज कराना चाहिए था।

☆ **सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त मध्यस्थ वजाहत हबीबुल्लाह :-** दिल्ली के शाहीनबाग में 19 फरवरी 2020 को सीएए के खिलाफ 15 दिसम्बर 2019 से जारी प्रदर्शनकारियों की धरना को खत्म करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा मध्यस्थ के रूप में नियुक्त वार्ताकार वकील संजय हेगड़े और साधना रामचन्द्रन पहुंचे। उन दोनो ने वहां धरना पर बैठी मुस्लिम महिलाओं से कहा-'जिस तरह से धरना-प्रदर्शन करना आपका हक है, उसी तरह से दूसरो का भी अधिकार है कि वे सड़कों पर चल सके, दुकाने खोल सके। इस पर सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई होगी, लेकिन इससे आन्दोलन करने का हक नहीं छिनेगा'। ये दोनो मध्यस्थ लगातार पांच दिनों तक प्रदर्शनकारी महिलाओं को घंटों समझाते रहे। प्रदर्शनकारियों में अधिकतर 80-85 साल की बुढ़ी महिलाएं थी और कुछ दो-चार से लेकर छः-सात साल की बच्चे-बच्चियां थी, जो सीएए के बारे में कुछ भी नहीं जानती हैं। वे सीएए को काला कानून कहकर इसे हटाने की मांग कर रही थी। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने दोनो वार्ताकारों को दो टूक जवाब दे दिया-'सड़क जाम तभी खुलेगी, जब सीएए सरकार वापस ले लेगी'।

लेकिन तीसरे वार्ताकार, जो पूर्व सूचना आयुक्त और अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष

रहे हैं, वे कभी भी उपरोक्त दोनो वार्ताकारों के साथ शाहीनबाग नहीं गये, जबकि उन्हे अपने दोनो वार्ताकार सहयोगियों के साथ जाना चाहिए था। इससे स्पष्ट है कि उनके मन में कुछ काला जरूर है। वे सिर्फ एक दिन 19 फरवरी 2020 को एक बार शाहीनबाग गये और अपने साथी-समर्थकों से बगैर बातचीत किये ही सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर दिया। वजाहत हबीबुल्लाह सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामा में लिखा है-'सीएए के खिलाफ यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण है। पुलिस ने शाहीनबाग के आसपास पांच स्थान की नाकेबंदी कर रखी है। अगर बैरिकेटिंग हटा दी जाये तो यातायात सामान्य हो जायेगा। पुलिस अनावश्यक रूप से सड़कों को बंद किये रखा है, जिससे आम जनता को अनेक तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को यहां आकर प्रदर्शनकारियों से बात करनी चाहिए'। इससे स्पष्ट है कि उन्होंने प्रदर्शनकारियों के पक्ष में सड़क पर प्रदर्शन करने को जायज समझा। हबीबुल्लाह प्रदर्शनकारियों से सड़क जाम करने के लिए नहीं, बल्कि सड़क जाम कर डटे रहने के लिए प्रेरित कर रहे थे। टीवी पर पूरे देश ने देखा कि शाहीनबाग के प्रदर्शनकारी कई बार काफी हिंसक हुए हैं। मसलन, शाहीनबाग में वहां के लोगों द्वारा किये जा रहे धरना प्रदर्शन का कवरेज करके टीवी पर प्रसारित करने के लिए न्यूज नेशन के पत्रकार और कैमरा मैन को शाहीनबाग वालो ने ही बुलाया था पर वहां मौजूद कुछ लोगों ने पत्रकार दीपक चौरसिया और कैमरा मैन पर हमला कर दिया। उनके एक कैमरे को छिन लिया और दूसरे को तोड़ दिया तथा उनकी पिटाई भी कर दी। बामुश्किल हुए वे लोग भागकर वहां से कुछ दूरी पर खड़ी पुलिस की गाड़ी में शरण लेकर अपनी जान बचाने में कामयाब हो गये। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को वजाहत हबीबुल्लाह के खिलाफ सख्त कार्यवाई करते हुए उन्हे जेल में डाल दिया जाना चाहिए, क्योंकि वे सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त मध्यस्थ हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता है, क्योंकि वजाहत हबीबुल्लाह ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का खुल्लम-खुल्ला उलंघन किया है। वे मध्यस्थ बनने के बजाये जज बन बैठे हैं और शाहीनबाग के धरना प्रदर्शन को लेकर अपना फैसला सुना दिया है।

★ **बेशर्म है संयुक्त राष्ट्र संगठन** :- बेशर्म है अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'संयुक्त राष्ट्र संगठन' और उसके महासचिव 'एंटोनियो गुतरेस'। पाकिस्तान के चार दिनों की यात्रा के दौरान 19 फरवरी 2020 को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में उन्होंने एक अखबार से साक्षात्कार के दौरान कहा-'भारत में राष्ट्रीयता को लेकर कानून बदला है। इसे लेकर वह बहुत चिंतित है। ऐसा इसलिए कि उन्हें आशंका है कि भारत में बने इस कानून से वहां के लोगों की नागरिकता छिनेगी और पाकिस्तान में भारी संख्या में मुस्लिम शरणार्थी दाखिल हो जायेंगे। इससे स्पष्ट है कि एंटोनियो गुतरेस सनकी ही नहीं, आखिरी मूढ़ भी हैं। संयुक्त राष्ट्र संगठन का दुर्भाग्य है कि ऐसा सरफिरा और मूढ़ यूएनओ का महासचिव बन बैठा है। ऐसा वक्तव्य तो कोई अंगूठा छाप व्यक्ति भी नहीं दे सकता है। नागरिकता संसोधन कानून, नागरिकता देने का कानून है, नागरिकता छिनने का नहीं। कोई भी व्यक्ति चाहे वह हिन्दू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई, बौद्ध हो या जैन या पारसी, भारत का नागरिक है तो भारत का ही नागरिक बना रहेगा। पाकिस्तान तो कंगाल मुल्क है। वहां के लोगों को तो दो वक्त की रोटी बगैर सब्जी के भी नसीब नहीं हो रही है। पाकिस्तान कटोरा लेकर दुनियां भर से भीख मांग रहा है, फिर दुनियां के किसी भी देश के मुसलमान भारत में रहने वाले मुसलमान की तरह हर तरह से सुरक्षित नहीं है। ऐसे में भारतीय मुसलमान शरणार्थी बनकर पाकिस्तान में क्यों जायेंगे? अगर पाकिस्तान वहां की नागरिकता देने का पक्का वादा भी करे, तब भी भारत का एक भी मुसलमान पाकिस्तान नहीं जायेगा। भलां जन्नत को छोड़कर दोजख में क्यों जायेगा? दरअसल, एंटोनियो गुतरेस वही बात बोल रहे हैं, जो बोलने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान उनसे कह

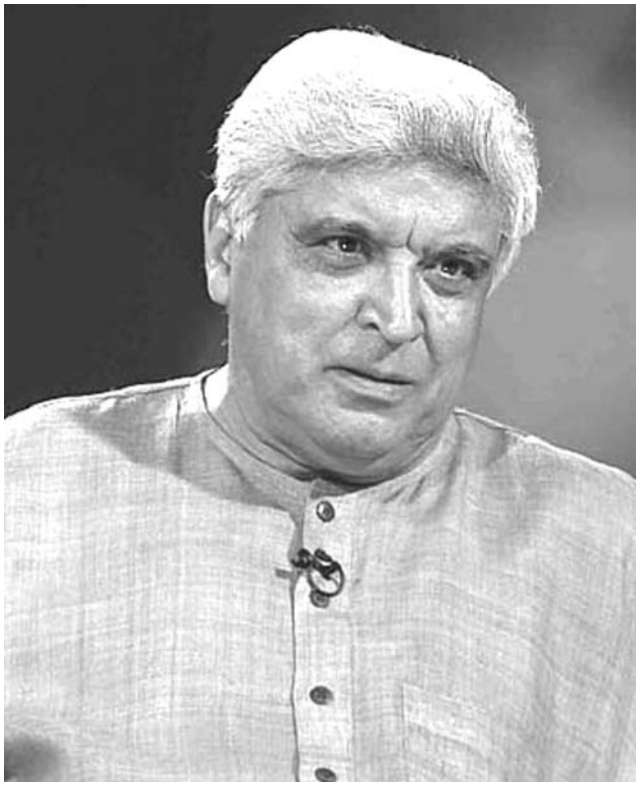

रहे हैं। वे जान बूझकर अंधा बने हुए हैं। सारी दुनियां जानती है कि पाकिस्तान में हिन्दुओं को किस तरह की यातनाएं दी जाती है, लेकिन उन्हें यह नहीं दिखता है। उन्हें यह भी नहीं दिखता है कि पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री है। नित्य पीओके पर सीजफायर का उलंघन करता है और भारत में आतंकवादी, नकली करेंसी और मादक पदार्थ भेजते रहता है। हद ता तब हो गई जब 3 मार्च 2020 को नागरिकता संसोधन के मुद्दे पर अप्रत्याशित कदम उठाते हुए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार भारत के सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के आयुक्त मिशेल बेचेलेत जेरिया ने कोर्ट में अर्जी दायर कर सीएए की सुनवाई में हस्तक्षेप की इजाजत मांगी। उनका दलील है कि सुनवाई के दौरान मानवाधिकार कानून मानक और नियम को ध्यान में रखना जरूरी है। वह एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) के तौरपर सुनवाई में शामिल होना चाहते हैं। आश्चर्य है कि मिशेल बेचलेत जेरिया को यह नहीं दिख रहा है कि पूरे पाकिस्तान में सान के 365 दिन 24 घंटे मानवाधिकार कानून की अनदेखी की जाती है। इससे स्पष्ट है कि पूरी दुनियां में शायद ही कोई इतना घटिया संगठन होगा, जितना संयुक्त राष्ट्र संगठन है। फिर किसी भी देश के सुप्रीम कोर्ट में यूएन एजेंसियों की कोई भूमिका ही नहीं है, इतना ही नहीं नागरिकता संसाधन कानून भारत का अंदरूनी मुद्दा है। यह कानून बनाने का भारतीय संसद का समप्रभु अधिकार है, जिसे लोकसभा और राज्यसभा में मेराथन बहस के बाद उचित ढ़ंग से मतदान कराकर पारित किया गया है। फिर, भारत की संप्रभुता से जुड़े किसी भी मामले पर किसी विदेशी पक्ष को दखल देने का अधिकार नहीं है। ऐसे में यूएनओ द्वारा भारत के आतंरिक मामले में टांग अड़ाना बेहूदगी नहीं तो और क्या है।

चीन बारबार यूएनओ में पाकिस्तान के खूंखार आतंकवादियों को बचाता है और पाकिस्तान की तरफ से कश्मीर मसले पर सुरक्षा परिषद में भारत के खिलाफ आवाज उठाता रहता है। यह सब यूएनओ को क्यों नहीं दिखता है, जो अवश्य ही दिखना चाहिए। पाकिस्तान लगातार बलूचिस्तान, फाटा और पीओके के गिलकित-बालिस्तान के खिलाफ दमन चक्र चला रहा है। यह सब यूएनओ को क्यों नहीं दिख रहा है। चीन अपने यहां 10 लाख उइगर मुसलमानों को उठाकर डिटेंशन सेंटर में रखे हुए है और उनपर अनेक तरह के जुल्म ढ़ा रहा है। उगर मुसलमान नमाज नहीं पढ़ सकते हैं, कुरान नहीं रख सकते हैं, ईद का रोजा नहीं रख सकते हैं, ईद नहीं मना सकते हैं, इत्यादि। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न पाकिस्तान द्वारा भारत में आतंकियों को घुंसपैठ कराया जाना, फेक करेंसी और नशीली दवाओं को भारत में भेजा जाना, चीन द्वारा तिब्बत में तिब्बतियों को बुरी तरह प्रताड़ित किया जाना, इत्यादि यह सब यूएनओ को क्यों नहीं दिख रहा है? इससे तो यही प्रतीत होता है कि यूएनओ को नाजायज तरीके से भारत का विरोध करने के सिवाय और कोई काम नहीं है। इतना घटिया भी कोई अंतर्राष्ट्रीय संगठन हो सकता है, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

★ **भीम आर्मी के अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद :-** भीम आर्मी पार्टी के अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद जाने-अनजाने में दलितों के घोर विरोधी हैं, तभी तो सीएए का विरोध कर रहे हैं। दिल्ली के जामा मस्जिद की गेट के बाहर सीएए के विरोध में इनका प्रदर्शन दर्शनीय था। ये गदगद थे कि इनके अगुवाई में कितने सारे मुसलमान इनके साथ खड़े हैं। इन्हें पता ही नहीं है कि भारत में जो शरणार्थी हैं, उनमे से 80 फिसदी दलित हैं। जो पाकिस्तान में बेशर्मी से प्रताड़ित किये जा चुके हैं। चन्द्रशेखर को कुछ पढ़ना-लिखना भी चाहिए, जिससे की इनकी मूर्खता में कुछ कमी आ जाये। इन्हें पता होना चाहिए कि पाकिस्तान में हिन्दुओं की आबादी में से अब ज्यादातर दलित ही बचे हैं। उन्हें पाकिस्तान छोड़ने की इजाजत इसलिए नहीं है कि उनके जाने के बाद वहां के शौचालयों की सफाई कौन करेगा। अत: वहां दलितों को भारत में आने के लिए थोड़े ही दिनों का वीजा बिल्कुल नहीं दी जाती है। पाकिस्तान में दलितों की बस्तियों के बाहर सेना के लोग पहरेदारी करते हैं कि वे कही भागकर भारत न चले जाये। चन्द्रशेखर को यह भी पता नहीं है कि अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी और जामिया मिल्लिया में जो सीट दलितों के लिए आरक्षित है, उन सभी सीटों पर मुसलमानों का नामांकन कर दिया जाता है। यह संविधान का खुल्लम-खुल्ला उलंघन है, लेकिन अधिकर मुसलमान संविधान का उलंघन करने में जरा भी नहीं हिचकते हैं। दरअसल, चन्द्रशेखर को भारतीय मुसलमान अपना स्वार्थ साधने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। ये इतने मूर्ख हैं कि सीएए के विरोध में इन्हें मुसलमानों का जो समर्थन मिल रहा है, इससे ये इतरा रहे हैं। ऐसा महामूर्ख दलित को ही नहीं, बल्कि पूरे भारत को कितना नुकसान पहुंचा रहा है, इसकी कोई सीमा नहीं है। सीएए का विरोध कर ये जाने-अनजाने में

देशद्रोह को अंजाम दे रहे हैं, क्योंकि सीएए का विरोध असंवैधानिक है, देश को तोड़ने वाला है। इन्हें इसका आभाष नहीं हो रहा है कि अपने हांथों से अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। ऐसा महामूर्ख अपनी पार्टी बनाकर चुनाव लड़ने की योजना बना रहा है।

✯ **क्या जावेद अख्तर शातिर देशद्रोही नहीं हैं? :-** देश के मशहूर गीतकार जावेद अख्तर मुम्बई से ही फोन पर आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री को 2020 के चुनाव के शानदार जीत पर बधाई दे सकते थे, लेकिन उन्होंने 14 फरवरी 2020 को दिल्ली में उनके निवास स्थान पर बंद कमरे में उन्हें बधाई दी। फिर अरविंद केजरीवाल खुले में भी जावेद अख्तर की बधाई स्वीकार कर सकते थे, लेकिन उन्होंने इसके लिए बंद कमरे को ही मुफीद समझा। इससे स्पष्ट है कि कुछ तो दाल में काला जरूर है। देश द्रोहियों को बंद कमरे में ही देशद्रोह से संबंधित योजना बनाने और उसके कार्यान्वयन की रूप रेखा तैयार करने में मदद मिलती है, जिससे की किसी को कुछ पता ही नहीं चले और परिणाम बहुत ही गंभीर तथा व्यापक हो। इसी बंद कमरे में बातचीत का नतीजा है 24 से 25 फरवरी 2020 तक दिल्ली में हुए दंगे।

24 से 26 फरवरी 2020 तक दिल्ली में हुए दंगे पर जावेद अख्तर ने ट्वीट कर कहा है कि दिल्ली में कई लोग मारे गये, घर फूंके गये, दुकाने लूट ली गई पर एक घर को ही सील करके उसके मालिक की खोज हो रही है। संयोग से उसका नाम ताहीर है, दिल्ली पुलिस को सलाम! जावेद अख्तर अपने बयान से यह साबित करने का प्रयास करते हैं कि यह महज संयोग है वरना मुसलमान दंगाई नहीं हो सकता, बल्कि सही मायने में मुकम्मल इंसान होता है। इससे स्पष्ट है कि जावेद अख्तर की बेशर्मी का कोई सीमा नहीं है। इतनी बेशर्मी तो किसी शैतान में भी नहीं पायी जा सकती है। दिल्ली के दंगे में 53 लोगों की मौते हुई है। 350 से अधिक लोग घायल हुए हैं, 132 घर राख में तब्दील हो गयी है, 322 दुकाने तबाह हुई है। 301 वाहन खाक हुए हैं, चार धार्मिक स्थल क्षतिग्रस्त हुए हैं, दो स्कूल जले हैं, इत्यादि। और इस भीषण दंगे की फैक्ट्री ताहीर हुसैन का घर है। सुविख्यात फिल्म अदाकारा कंगना की बहन और मैनेजर रंजना ने ट्वीट कर कहा था कि जावेद अख्तर कंगना को फिल्म अभिनेता ह्रतिक रौशन से माफी मांगने की धमकी दी थी। दरअसल, जावेद अख्तर की नजर में सिर्फ और सिर्फ मुसलमान ही इंसान होते हैं और किसी भी दूसरे समुदाय के लोग हैवान होते हैं। खासकर हिन्दु तो हैवान जरूर होते हैं, इससे साबित हो जाता है कि देश के टुकड़े-टुकड़े गैंग के प्रबल समर्थक जावेद अख्तर शातीर देशद्रोही हैं, फिर भी पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर जेल में नहीं डाल रही है। इसका दो में से एक ही कारण हो सकता है- देश का प्रशासनिक तंत्र बहुत लचर है या सरकार मुसलमानों पर विशेष मेहरबान है। खैर! जो भी हो जावेद अख्तर बुद्धिजीवियों के लिए कलंक जरूर है।

✯ **हिन्दुओं के लिए काल है मुस्लिम महिलाएँ :-** दिल्ली के शाहीनबाग में धरना पर बैठी मुस्लिम महिलाएं जोर-जोर से ताली बजा-बजाकर 'फ्री-कश्मीर' और 'जिन्ने वाली आजादी' के नारे लगाती रहती हैं। इतना ही नहीं चार से सात साल के बच्चे-बच्चियाँ नारे लगाते हैं कि 'मोदी और शाह हमें मारने वाला है, हम उसको मारेंगे' तथा 'जो हिटलर की चाल चलेगा, वह हिटलर की मौत मरेगा'। कोई छोटा बच्चा या बच्ची बगैर बड़ों के सिखाये ऐसा बोल कैसे बोल सकता है? ये बच्चे कितनी घातक मानसिकता के साथ बड़े होंगे और कैसे-कैसे दिल को दहला देने वाले जुल्म करेंगे, यह सोचकर ही हिन्दू समाज भयभित हो रहा है। इसलिए भारत के हिन्दुओं को एक बात अच्छी तरह से समझ लेनी चाहिए कि सूरज भले ही किसी दिन पूरब के बजाय पश्चिम में उग आये, लेकिन भारत के ज्यादातर मुसलमान कभी भी हिन्दुओं के साथ प्रेम-मोहब्बत से नहीं रह सकते हैं, अमन-चैन से नहीं रह सकते हैं। दरअसल, बच्चों द्वारा उस समय ही बच्चों के मन में नफरत के बीज बो दिये जाते हैं, जब उनके दूध के दांत भी नहीं टूटे होते हैं। इसी का परिणाम है कि दो-तीन साल से लेकर छः-सात साल के बच्चे-बच्चियों द्वारा हिंसक नारे लगाया जाना। बच्चे तो वही करेंगे, जो उनके माँ-बाप सिखायेंगे। इनके धर्मगुरू भी यही सिखाते हैं। जब से संसद में सीएए कानून पास हुआ है, तब से देश के कोने-कोने में जुम्मे के नमाज के बाद आगजनी, तोड़फोड़ और खून-खराबे की घटनाएं घटी है, यह सब ऐसे ही नहीं हुआ है। इससे स्पष्ट है कि देश के मस्जिदों में नमाज के दौरान इमामो के द्वारा नवाजियों को उसकाने के कारण हुआ है। कभी-कभी टीवी पर इमामो द्वारा मुस्लिमों के मन में हिन्दू के प्रति नफरत पैदा किये जाने वाले भाषण देखने-सुनने को मिल जाता है। फरवरी 2020 में दंगा में मुस्लिम महिलाओं द्वारा सैकड़ों की संख्या में पुलिस पर बेरहमी से पत्थर मारते देखा गया है। मुस्लिम महिलाएं विशेष रूप से पुलिस को टारगेट कर उनपर पत्थर बरसा रही थी। इससे स्पष्ट हो जाता है कि मुस्लिम महिलाएं, हिन्दुओं के लिए काल बन गई थी।

शाहीनबाग में वे ही पत्रकार और कैमरा मैन कवरेज करने के लिए मुस्लिम धरना प्रदर्शनकारियों के करीब

जा सकते थे, जिन्हे पास मिला होता था और जो महिलाओं से वही प्रश्न पूछ सकते थे, जो उनको पूछने के लिए कहा गया होता था। महिलाओं ने कहा कि मेरे पास अपने पहचान का कोई भी कागज नहीं है। इसलिए सरकारी मुलाजिमो द्वारा अपनी पहचान का कोई भी कागज दिखाने को कहा जायेगा तो हम कैसे दिखा सकते हैं? लेकिन आश्चर्य है कि वे ही महिलाएं दिल्ली में मतदान के दौरान कतारों में अपने पूरे कागजात के साथ मौजूद थी। इससे स्पष्ट है कि मुस्लिम महिलाएं कितनी शातीर होती हैं।

इसी का परिणाम है कि दिल्ली के मुस्लिम बहुल क्षेत्र में सबसे ज्यादा वोट पड़े हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) डॉ० रणवीर सिंह ने मतदान पूरा होने के तुरंत बाद बताया कि दिल्ली में कुल मतदान 61.56% रहा। मुस्तफाबाद में 66.29%, मटियामहल में 65.62% और सीलमपुर में 64.92% मतदान रहा। जबकि दिल्ली में औसत मतदान 61.56% रहा है, जो निश्चित रूप से हिन्दू बहुल क्षेत्र में औसत से काफी कम रहा होगा।

☆ **भारत को इस्लामिक देश बनाने का साजिश है शाहीनबाग का धरना-प्रदर्शन :-** धरना पर बैठी मुस्लिम महिलाओं के धरना प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस और दिल्ली के राज्यपाल की कोई बात नहीं मानी। गृह मंत्री और कानून

मंत्री के आमंत्रण पर उनसे बात करने के लिए एक बार भी अपने डेलीगेट नहीं भेजी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्ति मध्यस्थों के लाख समझाने पर भी नहीं मानी। वे इस बात पर अड़ी रही कि पहले सरकार सीएए को वापस ले ले और तब प्रधानमंत्री या गृहमंत्री शाहीनबाग आकर उनसे बात करे। दरअसल, शाहीनबाग की धरना भाजपा को हराने के लिए किया गया था, वह पार्टी बुरी तरह से हार गई। आम आदमी पार्टी को जिताने के लिए ये सब किया गया था, वे पार्टी प्रचंड बहुमत से जीती। अब तक आम आदमी पार्टी के विधायक अमानुतुल्लाह खाँ, शरजील इमाम के साथ प्रर्दशनकारियों को मजबूती से डटे रहने के लिए कहा था, जिससे की सरकार को मजबूरन भारत को इस्लामिक देश घोषित करना पड़े। अब अमानुतुल्लाह खां शाहीनबाग क्यों नहीं आ रहे हैं? इसी तरह स्वरा भास्कर और कांग्रेस पार्टी के नेता मणिशंकर अय्यर और शशि थरूर शाहीन बाग क्यों नहीं आ रहे हैं? जबकि वर्षों तक उनका साथ देने का वादा किया था। अब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने प्रर्दशनकारियों को उन्हीं के हाल पर क्यों छोड़ दिया है? यह उपरोक्त दोनो पार्टियों के द्वारा प्रर्दशनकारियों के साथ धोखेबाजी नहीं तो और क्या है? दिल्ली दंगा के पहले पांच-छः हजार की संख्या में धरना पर बैठी मुस्लिम महिलाएं अब कहां चली गईं? अब इनकी संख्या मुस्किल से 20-25 ही रह गई है। जबकि इन्ही महिलाओं ने कहा था कि चाहे आंधी आये तूफान या फिर भारी बारिश हो तो भी वे यहां डटी रहेंगी। दिन भर बिरयानी, मिनिरल वाटर, चाय आदि इनको दिया जाता था। अब क्यों नहीं दिया जा रहा है? तीन महीने में इन प्रर्दशनकारियों पर लाखों-करोड़ों रूपये खर्च किये गये थे, सब बेकार हो गया। ये प्रर्दशनकारी कहती थी कि जिन गरीबों के पास अपनी पहचान का पेपर नहीं है, उनकी पहचान की पेपर बनवाने में जुटी हुई हूं। अगर उन्होंने ऐसा किया तो बतायें कहां किया है। जिससे कि दरियाफ्त कर उन्हें शाबासी दी जा सके। अब प्रर्दशनकारी अपने फ्लॉप शो को लेकर उलूल-जुलूल बयान दे रही हैं। कह रही हैं कि धरना पर बैठे रहने से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही थी। नमाज, खासकर जुम्मे की बाधित हो रही थी। ढ़ेर सारे घरेलू काम नहीं हो पा रहे थे, इत्यादि। फिर करोना वायरस को लेकर यहाँ से चले जाना जरूरी था। बड़े बेआबरू होकर तेरे कुचे से हम निकले। इज्जत से पहले ही धरना से चली जाती, बेआबरू होकर धरने से जा रही हैं। वैसे तो सबकी इज्जत होनी चाहिए, खासकर महिलाओं की तो जरूर ही होनी चाहिए और विशेषकर मुस्लिम

महिलाओं की तो और भी ज्यादा होनी चाहिए, क्योंकि वे पर्दे में रहती हैं और बुरका पहनकर घर से बाहर निकलती हैं। जो भारतीय मुसलमान यहां घूटन महसूस कर रहे हैं, वे समान जन हो या बुद्धिजीवी या गीतकार-कलाकार क्यों नहीं पाकिस्तान चले जा रहे हैं? इनको लेकर इमरान सरकार बहुत ही चिंतित है। इसलिए इनको वहां हर तरह की सुख-सुविधा पाकिस्तान सरकार प्रदान करेगी। भारत में भी दोनो समुदायों के लोग सुख-चैन से रहेंगे, देश के

विकास के लिए मिल जुलकर काम करेंगे और दंगा से मुक्ति मिल जायेगी।

☆ **दिल्ली की दंगा फैक्ट्री है ताहीर हुसैन का घर :-** वैसे तो हिन्दू हो या मुसलमान कोई भी दंगाई, आतंकी और अलगाववादी हो सकता है, इसलिए इसे धर्म के साथ जोड़कर देखना ठीक नहीं है। किन्तु, टीवी पर वायरल विडियो को देखने से स्पष्ट है कि आम आदमी के मुसलमान पार्षद ताहीर हुसैन के पांच मंजिली घर की छत पर बोरियों में रखे टनों ईंट-पत्थर के टुकड़े, कोल्ड्रींक्स के कैरटों में रखे पेट्रोल बम, ढ़ेर सारे एसिड से भरे ड्रम और प्लास्टिक की थैलियों में रखे एसिड (तेजाब) के पाउच भारी मात्रा में मिले हैं। छत पर एक फुट के ढ़ेर सारे गुलेल तथा एक बहुत बड़ा गुलेल मिला है। इस बड़े गुलेल की लम्बाई 5 फीट और ऊँचाई 4 फीट है। इस गुलेल को रिक्सा को काटकर बनाया गया है। इस बहुत ही शक्तिशाली गुलेल का इस्तेमाल पेट्रोल बम के लाँचिंग पैड के रूप में किया गया है। यह गुलेल 360 डिग्री तक घूमने वाला बनाया गया है, जिससे की इसे घूमा-घूमाकर सभी दिशाओं में 100 से 200 मीटर तक पेट्रोल बम को फेका जा सके और इसका इस्तेमाल ऐसा ही किया भी गया है। ताहीर हुसैन के घर की तीसरी मंजिल पर भी उपरोक्त सभी समान भारी मात्रा में मिले हैं। इसके अलावा लोहे के धारदार और नुकीले हथियार तथा रड भी मिले हैं। इस सब का खुलासा धीरे-धीरे हो रहा है। तारीक हुसैन की देख-रेख में उनके घर के आसपास ढ़ेर सारे घरों में आग लगाकर राख में तब्दील कर दी गयी है, ढ़ेर सारे दुकान जलकर खाक

कर दी गयी है। स्कूलों को भी नहीं बख्शा गया है। उनके घर से कुछ मीटर पर स्थित दो पार्कों में पार्क किये गये 40-40, 50-50 कारों को हवाले कर दिया गया है। ढ़ेर सारे बाइकों को जलाकर राख कर दिया गया है। जिसके निशान चारों ओर देखने को मिल रहे हैं और जिसकी सफाई का काम तेजी से किया जा रहा है। खास बात यह है कि ताहीर हुसैन का घर सही सलामत है और पास का एक मुस्लिम स्कूल भी सही सलामत है। इससे स्पष्ट है कि हिन्दुओं के घर, दुकान, कार, बाइक सहित अन्य जायदादों को खाक में मिला दिया गया है। आई. बी. के अधिकारी अंकित शर्मा अपने निवास स्थान के बाहर लोगों को शांत करने में जुटे थे तो उसी समय ताहीर हुसैन के गुर्गों ने उन्हें खींचकर ताहीर हुसैन के घर के तहखाने में ले गये और उनकी हत्या कर दी। उनका शव 26 फरवरी को चांदबाग के नाले में मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक अंकित शर्मा के शरीर पर चाकूओं के अनगिनत निशान थे। डॉक्टरों के मुताबिक अंकित शर्मा के शरीर के हर हिस्से पर चाकू मारे गये थे। यहां तक की उनकी आंत को निकाल लिया गया था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अंकित शर्मा की हत्या किस बेरहमी से की गई थी। चांद बाग के नाले में एक अकेला अंकित शर्मा का शव नहीं मिला है बल्कि उस नाले में कई शव मिले हैं। गोकुल पुरी के नाले में भी कई शव मिले हैं। ताहीर हुसैन के घर के तहखाने में महिलाओं के छोटे-छोटे पर्स तथा अंडर गार्मेंट्स भी बरामद हुए हैं, जिनकी लाशे चांदबाग के नाले के पास मिली है। यह सब बर्दाश्त के बाहर है। इससे साबित हो जाता है कि 1990 में जो जुल्म कश्मीर के मुसलमानों द्वारा हिन्दुओं पर किया गया था, वही जुल्म दिल्ली के चांदबाग में मुसलमानों द्वारा हिन्दुओं पर किया गया है। आज देश में हजारों कश्मीर है। देश में जहां कही भी मुस्लिमों की संख्या 30 फिसदी या उससे अधिक हो गई है, वह स्थान कश्मीर बन गया है। मसलन, पटना को ही ले लिजिए। जैसे-सब्जीबाग, आलमगंज, फुलवारी शरीफ, इत्यादि। इन इलाकों में हिन्दू जाने से डरते हैं। ऐसे में भारत में हिन्दुओं का क्या होगा? उनका वजूद कैसे बचेगा?

✯ **संविधान बचाओ, नागरिकता बचाओ महारैली** :- 17 फरवरी 2020 को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में, जहां से 1946-47 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने शांति और अमन का संदेश दिया था, वही से संविधान बचाओं, नागरिकता बचाओं महारैली को संबोधित करते हुए उनके प्रपौत्र तुषार गांधी ने अमन शांति का संदेश दिया है, जबकि उसी मंच से पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष मनीष कुमार ने अपने संबोधन में सीएए को काला कानून का नाम देते हुए कहा कि 'काला कानून का समर्थन करने वालों को गोलियों से भून देना चाहिए'। आश्चर्य होता है कि ये दोनो व्यक्तियों की नामसझी पर और मुसलमानों के बीच लोकप्रिय नेता बनने की महत्वकांक्षा पर भारत को बर्बाद करने वाले ऐसे व्यक्तियों से भगवान ही बचाये। मनीष कुमार तो महामूर्ख है, तभी तो पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ का अध्यक्ष बन गया है। ऐसे ही महामूर्ख हमारे देश के विश्वविद्यालय में छात्र संघ के नेता बन रहे हैं, जिन्हें देश विरोधी बनने में मजा आ रहा है, बड़े खुश हो रहे हैं, क्योंकि उनको मुसलमानों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इसलिए अब तक समझने लगे हैं कि वे देश के प्रधानमंत्री नहीं तो कम से कम राज्य के मुख्यमंत्री तो अवश्य ही बन जायेंगे। इसी सभा को जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने भी संबोधित किया था, जिसे राष्ट्रगान भी याद नहीं है। ऐसा उसके द्वारा राष्ट्रगान गाने के द्वारा साबित हो गया।

उक्त संविधान विरोधी, नागरिकता विरोधी महारैली में सक्रिय रूप से शामिल होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने ही उनको कलंकित कर दिया। आश्यर्च है कि तुषार गांधी को महात्मा गांधी के विचारों के बारे में कुछ भी पता नहीं है, उनके विचारों से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं। वर्ष 1947 में महात्मा गांधी ने वचन दिया था कि पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान में रह रहे अल्पसंख्यकों, यानि हिन्दुओं, सिखों, बौद्धों और जैनों को यदि अपने फैसले पर पक्षतावा है तो भारत के दरवाजे उनके लिए खुले हैं और खुले ही रहेंगे। ऐसा इसलिए कि 26 सितम्बर 1947 को महात्मा गांधी ने अपनी प्रार्थना सभा में कहा था कि पाकिस्तान में रह रहे हिन्दू और सिख वहां नहीं रहना चाहते हैं तो वे नि:संदेह भारत आ सकते हैं। इस मामले में उन्हें रोजगार देना, नागरिकता देना और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार देना भारत का प्रथम कर्तव्य है। दरअसल, ब्रिटेन चाहता था कि भारत को आजादी मिले, लेकिन आजादी मिलते समय देश खंड-खंड में बंटा हो। अर्थात् भारत एक देश न रहकर भारत, पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान में बंट जाये। भारत को बांटने की प्रक्रिया, भारत के अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंट वेटेन की देखरेख में आजादी मिलने के बहुत पहले से ही चल रही थी। मो० अली जिन्ना और पंडित जवाहर लाल नेहरू जल्दी से जल्दी देश की सत्ता पर काबिज होने के लिए व्यग्र थे। यदि वे दोनो नेता सत्ता के लिए इतने व्याकुल न होते तो भी देश आजाद होता ही। ऐसा इसलिए कि अंग्रेजों को अच्छी तरह से एहसास हो गया था कि भारत को और अधिक समय के लिए गुलाम बनाकर रख पाना संभव नहीं है। इसलिए उन्हें भारत को छोड़कर जाना ही होगा। लेकिन वे भारत को एक शक्तिशाली देश के रूप में नहीं देखना चाहते थे, बल्कि एक कमजोर और लाचार देश के रूप में देखना चाहते थे और वे अपने साजिश को अंजाम तक पहुंचाने में सफल भी हो गये। हर भारतीयों को समझना चाहिए कि पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) में धर्म के आधार पर आजादी के समय से ही सताये जा रहे गैर मुस्लिम उन दोनो देशों के अल्पसंख्यक यानि हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई भी हमारे अपने ही हैं, भारतीय हैं, क्योंकि सबों ने मिलकर आजादी की लड़ाई लड़ी है। लेकिन आजादी

के समय से ही पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को बेरहमी से सताया जा रहा है, इसलिए वे भारत आना चाहते हैं तो हम सभी भारतीय उन्हें जरूर स्वीकार करेंगे। ऐसा ही करना भी चाहिए। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद ने अपने शपथ ग्रहण के समय कहा था कि पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न के चलते जो भी वहां से विस्थापित होने का कष्ट झेल रहे हैं, वे कभी भी भारत आ जाये, उनका यहां स्वागत है। इसी वचन को 2003 में राज्यसभा में विपक्ष तथा कांग्रेस के नेता डॉ० मनमोहन सिंह ने भी दोहराया था।

उक्त महारैली में मशहूर समाजिक कार्यकर्ता, नर्मदा बचाओं आन्दोलन की नेत्री और सरदार सरोवर बांध के चलते विस्थापितों की प्रबल हिमायती मेधा पाटेकर ने भी लोगों को संबोधित किया था। आश्चर्य होता है कि इतनी महान समाजिक कार्यकर्ता संविधान विरोध ी, नागरिकता विरोधी महारैली में शामिल कैसे हो गईं और मंच से जनसभा को संबोधित क्यों किया? उनसे भारत की जनता को देश विरोधी घिनौनी महारैली में शामिल होने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। लगता है कि उम्रदराज होने के कारण सठिया गई हैं।

★ **अधिकतर भारतीय मुसलमान क्रूर हत्यारे होते हैं :-** पाकिस्तान की तरह भारतीय मुसलमान भी क्रूर हत्यारे होते हैं। इतिहास साक्षी है कि सिखों के दशवें और अंतिम गुरू, गुरू गोविंद के दोनो छोटे बेटे जोरावर सिंह और फतेह सिंह को औरंगजेब ने जिंदा दिवार में चुनवा दिया था। 29 जनवरी 1990 को कश्मीर में वहां के मुसलमानों ने हजारों कश्मीरी पंडितों को उनके घरों से खींचकर हत्या कर दी थी, जिससे कश्मीर की सड़के उनके शव से पट गयी थी। वर्ष 2002 में गुजरात में ट्रेन के दो बोगियों भरे करीब 200 रामभक्तों को बोगी में तेल छिड़कर आग लगाकर जला दिया था, जबकि रामभक्तों ने किसी भी मुसलमान को कुछ भी नुकसान नहीं पहुंचाया था। उसके बाद 24 फरवरी 2020 को शाहीनबाग में आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या ताहीर हुसैन के गुर्गो ने बहुत बेरहमी से कर दी थी। उनके शरीर पर चाकूओं के अनगिनत निशान थे। शरीर के हर हिस्से पर कई-कई बार चाकू मारे गये थे। उनकी आंत को बाहर निकाल दिया गया था। पिस्टलबाज शाहरूख अपने छः-सात साथियों के साथ मिलकर 22 वर्षीय उत्तराखण्ड के नेगी नामक युवक को जमकर पिटने के बाद उसके दोनो हांथों को काट दिया और उसके शरीर पर पेट्रोल छिड़कर आग लगा दिया था। दरअसल, मुस्लिम मौलवी पूरे देश में मजलिस लगाकर मुसलमानों को हिन्दुओं के प्रति नफरत के बीज बोते रहते हैं। इसी का परिणाम है कि भारतीय मुसलमान इतने क्रूर हो गये हैं। अधिकतर भारतीय मुसलमानों के स्वभाव में बदलाव लाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की तरह भारत में भी मुसलमानों के हांथों हिन्दुओं का

सफाया निश्चित है। इसलिए भारत को जल्दी से जल्दी हिन्दू राष्ट्र बनाया जाना नितांत अनिवार्य हो गया है, जिससे की हिन्दुओं का वजूद मिटने से बचाया जा सके।

★ **भारत में दंगे कहां और क्यों होते हैं? :-** भारत में दंगे वही होते हैं, जो मुस्लिम बहुल क्षेत्र है, एकाध अपवाद को छोड़कर। मसलन गुजरात के ट्रेन के दो बोगियों में भरे हिन्दुओं को जलाया जाना, उसके बाद ही गुजरात में दंगा भड़का था। अगर किसी को सौ-सौ थप्पड़ मारोगे तो पलटवार में वह भी एकाध थप्पड़ मारेगा ही। जब गुजरात में ट्रेन के दो बोगियो में तेल छिड़क कर हिन्दुओं को जलाने की घटना घटी थी तो पूरे देश में एक भी जगह उसके खिलाफ मुसलमानों ने कोई भी धरना प्रदर्शन नहीं किया था। ऐसा इसलिए की जो भले मुसलमान है, उनकी हत्या मुसलमानों के द्वारा ही कर दी जाती। इसलिए मुसलमानों के इस घृणित कार्य को देखकर भले मुसलमान चुप रहने को बाध्य हो जाते हैं। किसे अपनी जान प्यारी नहीं है। मसलन, देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आजाद को ही ले लिजिए। अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी के मुस्लिम छात्रों ने उनकी दाढ़ी में रेलवे ट्रैक पर पड़े मानव मल को लगा दिया था, क्योंकि उन्होंने वहां के मुस्लिम छात्रों की जादतियों का विरोध किया था। जब कट्टरपंथी मुसलमान केन्द्र के शिक्षा मंत्री के साथ ऐसा कर सकते हैं तो आम भला मानुष मुसलमान के साथ क्या नहीं कर सकते हैं? मुस्लिम बहुल क्षेत्र इलाकों में जब हिन्दुओं को अनेक तरह से प्रताड़ित किया जाता है तो कोई-कोई हिन्दू इसका विरोध करते हैं। यह मुसलमानों को जरा भी नहीं सुहाता है और वे दंगा शुरू कर देते हैं। कोई भी दंगा होगा और जब हिन्दुओं के सौ घर जलेंगे तो प्रतिक्रिया में हिन्दू भी मुसलमानों के दो-चार घर तो जला ही देगे, फिर मुसलमान पूरे देश में हो-हल्ला मचाने लगते हैं कि हिन्दुओं ने उनका घर जला दिया। उलटा चोर कोतवाल को डाटे वाली कहावत को चरितार्थ कर देते हैं। मुसलमानों के इस फिदरत को खुद खुदा भी नहीं बदल सकते हैं। मसलन, पैगम्बर मोहम्मद ने खुद को गुफा में छिपाकर बमुश्किल अपने मुसलमान साथियों से जान बचाने में सफल हुए थे, क्योंकि कई घुड़सवार मुसलमान हांथ में तलवार लेकर उनको जान से मार डालने के लिए पीछे पड़ गये थे।

कोई-कोई लोग समझते हैं कि हम दोनो समुदायों को समझा-बुझाकर आपस में प्रेम-मोहब्बत से रहने के लिए राजी कर लेंगे। हाँ, थोड़े समय के लिए तो जरूर कर सकते हैं लेकिन लंबे समय के लिए नहीं कर सकते हैं और सदा के लिए राजी करना तो नामुमकिन है। मसलन, आर्ट ऑफ लिविंग के मुखिया श्री श्री रविशंकर को ही ले लिजिए। वैसे भी और सुप्रीम कोर्ट के द्वारा नियुक्त मध्यस्थ बनने के बाद भी राम मंदिर को लेकर कोई सहमति बनाने में सफल

नहीं हो सके थे। अब वे दिल्ली के दंगाग्रस्त इलाको में घूम-घूमकर दोनो समुदायों को आपस में मिल-जुलकर प्यार-मोहब्बत, अमन-चैन से रहने के लिए समझा रहे हैं। उन्होंने अतीत से कुछ भी नहीं सिखा है। उनके जैसा हजार श्री श्री रविशंकर ऐसा करने के सफल नहीं हो सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसे हजार नरेन्द्र मोदी भी सफल नहीं हो सकते हैं। इसलिए हिन्दुओं को उनके मूल देश हिन्दुस्तान में उनका नामोनिशां मिटने से बचाना है तो भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। मोदी सरकार ने मुस्लिम बहु-बेटियों की भलाई के लिए तीन तलाक हटवाया, हुनर कार्यक्रम चलावा रहे हैं। हुनर कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रहे हैं तथा बाजार भी उपलब्ध करा रहे हैं। लेकिन मुस्लिम महिलाएं देश के सैकड़ों शाहीनबाग में संवैधानिक सीएए का जमकर विरोध कर रही हैं, देश विरोधी नारे लगा रही हैं और दिल्ली में भारी संख्या में बुरका पहनकर पुलिस पर बेरहमी से पत्थरबाजी की हैं। मोदी सरकार ने कश्मीर से 370 हटवाया, हजारों की संख्या में कश्मीरी मुसलमानों को पुलिस, सेना तथा अन्य महाकमों में नौकरियां दी है। सेव और केसर की बिक्री हेतु बाजार उपलब्ध करवाया है, जम्मू-कश्मीर का तेजी से विकास कर रहे हैं और हिन्दुओं की हकमारी करके केन्द्र तथा राज्य सरकारे मुसलमानों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान कर रही है। फिर भी कश्मीर में भारतीय मुसलमान पुलिस चौकी और सेना के शिविरों पर हैंड ग्रेनेड से नित्य हमला कर रहे हैं, पुलिस चौकी पर हैंड ग्रेनेड फेक रहे हैं तथा गोलियां बरसा रहे हैं। वैसे तो सेना की चौकसी के चलते स्थानीय आतंकी घटनाओं में भारी कमी आयी है। अर्थात् भारतीय मुसलमानों के चरित्र में कोई बदलाव नहीं आया है और न ही भविष्य में आयेगा। आज भी आईएसआईएस, इंडियन मुजाहिदीन, जैस-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तोयबा, अलकायदा, आदि आतंकवादी संगठनों में शामिल होकर भारतीय मुसलमान देश में भयंकर देशद्रोही घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। मसलन, मार्च 2020 के दूसरे सप्ताह में आईएसआईएस के दो कश्मीरी मुसलमान दिल्ली में पकड़े गये हैं, जो अगस्त 2019 से ही दिल्ली में दंगा कराने हेतु कई गतिविधियों को अंजाम तक पहुंचाया है।

भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने के कारगर उपाय :- हम सभी हिन्दुओं को हर हालत में इस बात का ख्याल हमेशा रखना ही होगा कि जितने भी भारतीय मुसलमान हैं, वे सभी मेरे लिए अजीज हैं। इसलिए हर तरह से उनकी हिफाजत करना हमारा पुणित कर्तव्य है। अतः हर हालत में, चाहे कितना भी बड़ा संकट क्यों न आ जाये, हम उनकी रक्षा करते ही रहेंगे। हम उनके साथ प्रेम-मोहब्बत से ही रहेंगे। हमारे बीच हमेशा अमन-चैन बना रहेगा। वैसे भी हिन्दू समुदाय, सदियों से मुस्लिम समुदाय को हर तरह की सुविधाएं प्रदान करता आ रहा है, क्योंकि हिन्दू स्वभाव से ही बहुत उदार होते हैं। लेकिन हमारे प्रति उनका बर्ताव स्वीकारयोग्य नहीं है और न ही भविष्य में स्वीकार करेंगे। भारतीय मुसलमानों को तहे दिल से सोचना चाहिए कि ताली हमेशा दोनो हांथों से बजती है, कभी एक हाथ से नहीं बजती है। इसलिए वे भी चुटकी बजाकर हिन्दुओं को धोखा देने का प्रयास छोड़ दें। मुंह में राम, बगल में छूरी वाली कहावत को चरितार्थ करने का प्रयास हरगिज न करे। आखिर अत्याचार सहने की भी एक सीमा होती है, इस बात को अच्छी तरह समझ ले। हिन्दू कब तक मुसलमानों के जुल्मों को बर्दाश्त करते रहेंगे। हिन्दुओं को बेवजह प्रताड़ित करने की प्रवृति को मुस्लिमों को त्याग देना चाहिए। यही इंसानियत है। यह तो ऐतिहासिक तथ्य है कि भारतीय मुस्लिम सदियों से हिन्दुओं को प्रताड़ित करते चले आ रहे हैं, इसलिए भविष्य में भी करते रहेंगे, क्योंकि उनको ऐसा करने की आदत पड़ गई है। इसलिए हिन्दुओं के समक्ष भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने के सिवा कोई दूसरा विकल्प नहीं बच गया है। भारत कैसे हिन्दू राष्ट्र बनेगा, कुछ सूत्र यहां दिये जा रहे हैं :-

❖ यह बिल्कुल सच है कि कोई विधायक और सांसद सिर्फ मुस्लिम वोट से कभी भी नहीं जीत सकता है। मुसलमानों के साथ-साथ हिन्दुओं का वोट मिलेगा, तभी जीत सकता है। लेकिन यह बात भी बिल्कुल सच है कि कोई भी विधायक और सांसद को मुस्लिमों का एक भी वोट न मिले, तब भी सिर्फ हिन्दुओं के वोट के बल पर चुनाव जीत सकता है, बशर्ते मुसलमान की तरह हिन्दू एकजुट होकर सौ प्रतिशत वोट करे और अपने वोट को हिन्दू उम्मीदवारों के बीच बंटने न दे। फिर हिन्दू एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में भरपूर सहयोग दे। हमेशा ध्यान रखे कि उनकी चट्टानी एकता में कोई सेंध न लगा पाये। लेकिन बहुत दुख की बात है कि आज भी एकजुटता को लेकर ज्यादातर हिन्दू लापरवाह हैं। आज सभी भारतीय मुसलमान के पास आधार कार्ड, वोटर कार्ड सहित पहचान के सभी पेपर मौजूद है, लेकिन सभी भारतीय हिन्दुओं के पास नहीं है। मतदान के दिन सौ फिसदी भारतीय मुसलमान वोट देते हैं, लेकिन भारतीय हिन्दू कभी नहीं देते हैं। मतदान को लेकर भारतीय हिन्दू उतने गंभीर नहीं हैं, जितना होना चाहिए। यदि हिन्दू इसी तरह से तितर-बितर रहेंगे और एकजुट नहीं रहेंगे तो उन्हें बर्बाद होने से कोई नहीं बचा पायेगा। आगामी किसी भी चुनाव में हिन्दुओं को हर हालत में इस सच्चाई को साबित करने को ठान ले कि वे किसी भी देशभक्त उम्मीदवार को अपने वोट के बल पर हारने से बचा सकते हैं, तभी देशद्रोही हिन्दू और मुसलमानों का सपना टूटेगा। कोई भी उम्मीवार स्वप्न में भी हिन्दुओं के साथ गद्दारी करने का नहीं सोचेगा। हिन्दुओं अपनी ताकत को पहचानो और तुम्हारी ताकत सिर्फ और सिर्फ संगठित होकर आपस में एक-दूसरे को भरपूर सहायता करते हुए प्यार-मोहब्बत से मिल-जुलकर रहने में है।

❖ हिन्दू वादा करे कि भारत जब हिन्दू राष्ट्र बन जायेगा तब भी मुसलमान के साथ उनके बर्ताव में कोई बदलाव नहीं आयोगा। हिन्दू और मुसलमान आपस में पहले की तरह प्रेम-मोहब्बत के साथ मिल-जुलकर रहेंगे और अमन-चैन का जीवन व्यतीत करेंगे।

❖ आठ-आठ, दस-दस लोगों की जमात में केन्द्र के हर सांसद और राज्य के हर विधायक को ज्ञापन दे और ज्ञापन के छायाप्रति पर उनका रिसिविंग ले ले, क्योंकि नेतागण कब और कितनी जल्दी पलटी मार दे, कहना मुश्किल है। आज जो भी पार्टी सीएए का विरोध कर रही है, वह सीएए के पक्ष में प्रेस कांफ्रेंस करके घोषणा करे, वरना हिन्दू उस पार्टी को अपना वोट नहीं देंगे।

❖ हर हिन्दू अपने-अपने घर और दुकान पर थोड़ी ऊँचाई पर एक तख्ती लगा दे, जिसपर लिखा हो, 'हिन्दुओं को हिन्दुस्तान से खत्म होने से बचाने के लिए भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करो'। जो सामर्थमान है वे अधिक से अधिक संख्या में तख्तियों को हिन्दुओं के बीच बांटे। अगर कोई व्यक्ति इस तख्ती को उतारने का प्रयास करे या उतारे तो उसकी विडियोग्राफी मोबाइल में रिकॉर्ड कर ले, अगर इस तख्ती को उतारने का प्रयास करे तो उसे प्रेम पूर्वक समझायें, मारपीट न करें। कुछ हिन्दू बड़े सिरफिरे भी होते हैं। अगर वे विरोध करे तो उनकी दुकान तथा घर पर इस तरह की तख्ती हरगिज न लटकाएं। ऐसे नासमझों की कमी नहीं है, जो सीएए के विरोध में मुसलमानों का साथ दे रहे हैं। उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि मुस्लिम समुदाय मूर्ख बनाकर हिन्दुओं के कंधे पर बंदूक रखकर हिन्दुओं पर ही चलवा रहा है।

❖ अब जब लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद का पहला सत्र चलेगा, उसमें पहले बिल के रूप में भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने का प्रस्ताव पेश करे और मतदान कराकर पारित करवायें, जिससे भारत में हिन्दुओं की हिफाजत की जा सके। ●

Millions clap to boost morale of those engaged in essential services at

People of Bihar joined the nation in making grand success to Prime Minister Narendra Modi's call for 'Janata Curfew' today as the state witnessed deserted look and they also clapped, rang bells, drum utensils making wide range of different sounds to express their gratitude to those engaged in essential services, even taking risk of their lives for a greater cause to beat Corona virus threat. Responding to the call of PM Mr Modi for nationwide 'Janata Curfew', an essential step of 'social distancing' required to beat the Corona virus threat, people of Bihar extended their complete support making the entire exercise, a grand success. All markets, institutions, bus stands, airports,railway stations, roads, lanes and even small community places wore deserted look since 7 A M which would continue till 9 P M as per the call of Prime Minister. Bihar Chief Minister Nitish Kumar has advised the people to remain indoors even after 9 P M barring extreme emergency and it is expected that the same scenario would continue till late night. In Patna, main roads and by-roads in various localities witnessed deserted look

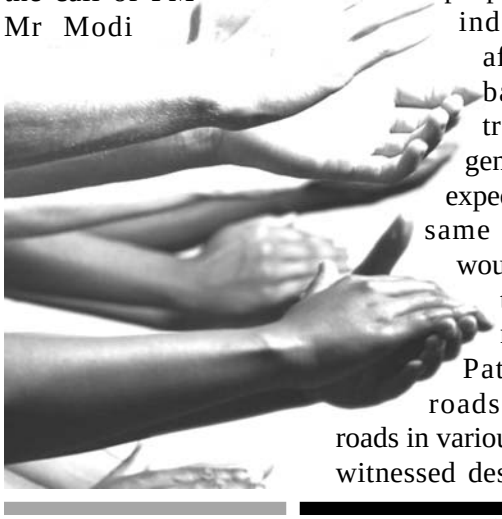

PM Modi appeals to all to be part of 'Janta Curfew'

Prime Minister Narendra Modi on Sunday appealed to the citizens of the country to stay at home in a bid to maintain social distancing so as to check the spread of coronavirus throughout the country. Two days back, the Prime Minister had given a clarion call for a 'Janta Curfew', urging people not to venture out in order to keep themselves away from the deadly coronavirus. In a tweet today morning, Mr Modi said,

"In a few minutes from now, the #JantaCurfew commences. Let us all be a part of this curfew, which will add tremendous strength to the fight against COVID-19 menace. The steps we take now will help in the times to come. Stay indoors and stay healthy. #IndiaFightsCorona." Defence Minister Rajnath Singh had also urged the people to make 'Janta Curfew' a success by staying at home on Sunday as per the call given by Prime Minister Narendra Modi. As of now coronavirus cases in India has crossed the 300-mark, including four fatalities. According to data collected by the Johns Hopkins University in the United States the worldwide death toll surged past 11,000 on Saturday. More than 277,000 people have been infected, while some 88,000 have recovered.

since morning and all markets remained closed.Government offices were already closed due to Sunday but many other private establishments which function on Sunday, also remained closed. Milk supply at some places was affected as milk outlets of several brands remained closed while medicine shops in some localities also pulled down their shutters. Medicine shops near Hospital and Nursing Homes remained open. Passengers who had arrived early morning at various bus stands and Railway stations, faced hard times in reaching their homes as bus services and other mode of transports remained off the road due to suspension of these services till March 31. Some of them were fortunate enough to get private vehicles to reach their destinations. Reports of 'Janata Curfew' turning out to be grand success have also been received from other districts of Bihar.

"Ram Lalla" and other idols shifted, UP CM Yogi donates Rs 11 lakh

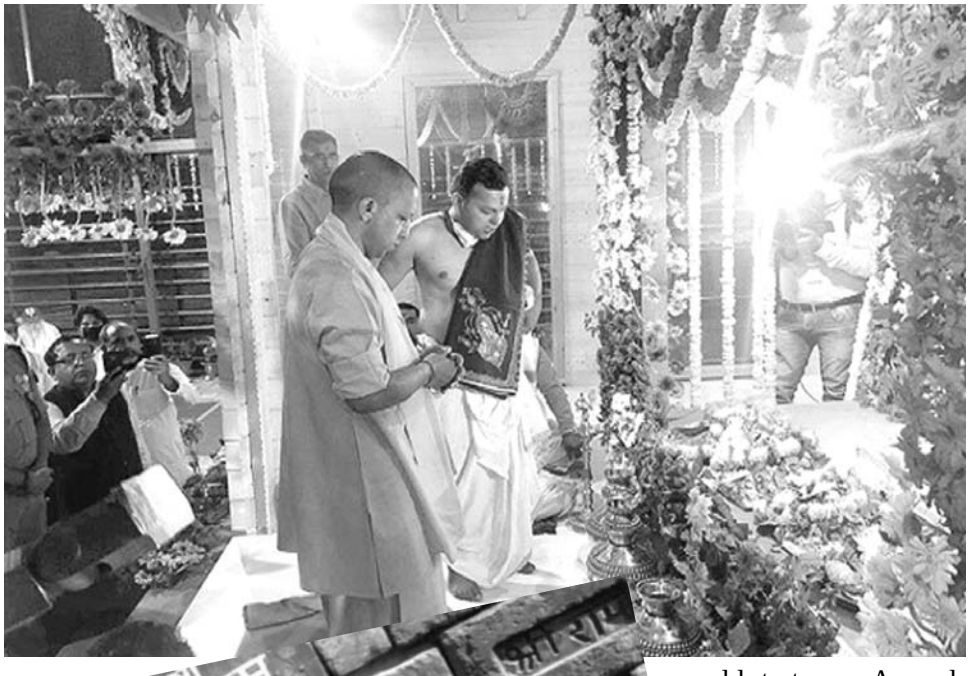

Amid chanting of hymn and vedic sholakas in the presence of Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath and saints,'Ram Lalla' and other idols were shifted from the Garbha griihya to a temporary structure near Manas Bhawan in Ram Janmabhoomi premises on Wednesday.The idols would stay at the bullet proof makeshift temple till completion of the construction of Ram Temple. The new makeshift temple is around 250 meters away from the old tented temporary temple. On the occasion Chief Minister Yogi Adityanath also presented a cheque of Rs 11 lakh for the construction of the grand Ram temple temple. The CM, who attended the puja and arti at the new temple after the idols were placed, told the media that the first phase of construction of a grand Ram Temple has been completed and now the construction work would start soon. According to sources, there would a programme to hold a big Bhumi pujan on April 30 where Prime Minister Narendra Modi and RSS chief Mohan Bhagwat were likely to be present. The decision on the date would be taken at the meeting of the Ram Janambhoomi Tirth Khetra Trust to be held here on April 4

ट्रंप के आगमन से भारत-अमेरिका ने गढ़ा नया आयाम

● अमित कुमार

अगर दिल्ली की भयानक हिंसा नहीं होती तो कुछ समय तक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की दो दिवसीय यात्रा इस समय सबसे ज्यादा चर्चा में होती। यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण दौरा था। जिसे अमेरिका की तरह विदेशी मीडिया में पूरा कवरेज मिला। भारत से लौटकर अमेरिका की धरती पर कदम रखते ही ट्रंप ने ट्वीट किया कि उनकी यात्रा बेहद सफल रही। भारत एक महान देश है। वास्तव में यह केवल ट्रंप की दृष्टि से ही नहीं भारत की दृष्टि से भी शत-प्रतिशत सफल यात्रा रही। इसके आलोचक कह सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो हथियार बेचने आए थे तथा तीन अरब डॉलर से ज्यादा यानी करीब 21.5 हजार करोड़ रुपए का रक्षा सौदा करके तथा भविष्य के सौदों की नींव डालकर चले गए। इस तरह के एकपक्षीय आंकलन पर टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं। जो लोग भारत अमेरिका संबंधों पर नजर रख रहे हैं वे जानते हैं कि अमेरिका से सी-हॉक हेलिकॉप्टरों को खरीदने की चर्चा लंबे समय से जारी थी। इन सौदे में अमेरिका से 2.6 अरब डॉलर की 24 एमएच 60 रोमियो हेलिकॉप्टर तथा 80 करोड़ डॉलर का छह एएच 64 ई अपाचे हेलिकॉप्टर शामिल है। यदि ट्रंप भारत नहीं आते तब भी यह सौदा होना ही था। यह भी न भूलें कि अमेरिका भारत को मिसाइल डिफेंस शील्ड भी बेचने की कोशिश कर रहा है, ताकि वह रूस की एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली को भारत में आने से रोक सके। भारत ने इसे स्वीकार नहीं किया है। भारत रुस से खरीदे जाने के निर्णय पर कायम है। वास्तव में ट्रंप की यात्रा में अमेरिका भारत रक्षा साझेदारी महत्वपूर्ण पहलू जरुर था, लेकिन इसका आयाम काफी विस्तृत था। आप साझा घोषणा पत्र तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी साझा पत्रकार वार्ता तथा उसके बाद मौर्या होटल में ट्रंप की अकेली पत्रकार वार्ता को याद करिए, आपको आभास हो जाएगा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते कितने विश्वसनीय और सहज धरातल पर आ गए हैं। उनकी उपस्थिति में दिल्ली हिंसा आरंभ हो चुकी थी। पत्राकार वार्ता में उनसे यह सवाल भी पूछा गया लेकिन उन्होंने बिना हिचक इसे भारत का आंतरिक मामला बता दिया।

नागरिकता संशोधन कानून पर भी उनसे सवाल किए गए। उन्होंने उसका जवाब भी यही दिया और कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रधानमंत्री से हमारी बात हुई है। भारत में 20 करोड़ मुसलमान रहते हैं जिनको पूरी धार्मिक स्वतंत्रता है। मोदी स्वयं धार्मिक व्यक्ति हैं और धार्मिक स्वतंत्रता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है। ट्रंप ने कहा कि मैं कहना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी मजबूती से काम कर रहे हैं। अगर आप पीछे मुड़कर देखें तो भारत ने धार्मिक स्वतंत्रता के लिए कड़ी मेहनत की है। उनके भारत आने के पूर्व जिस तरह की टिप्पणियां आ रहीं थीं उनसे यह निष्कर्ष निकाला जाने लगा था कि वे नागरिकता कानून से लेकर उसके विरोध में हो रहे धरने तथा धार्मिक स्वतंत्रता पर मोदी से खरी-खरी बात करेंगे। ऐसी अपेक्षा करने वाले भारत निंदकों को ट्रंप ने पूरा निराश किया। तभी तो डेमोक्रेट की ओर से राष्ट्रपति के उम्मीदवार बर्नी सेंडर्स सहित कई सीनेटरें ने ट्रंप की आलोचना की है। आखिर वहां भी भारत सरकार विरोधी लॉबी काम कर रही है। सबसे निराशा तो पाकिस्तान को हुई होगी जो नजर लगाए हुए था कि जम्मू कश्मीर पर ट्रंप कुछ बोल दें। जैसा विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने बताया ट्रंप-मोदी वार्ता के दौरान

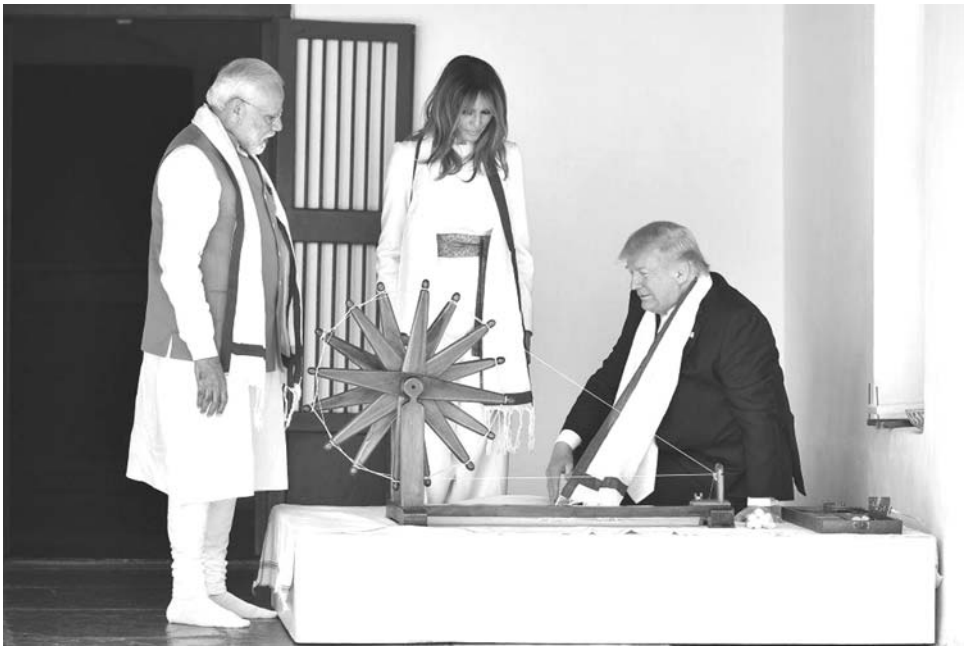

जम्मू कश्मीर को लेकर चर्चा इस क्षेत्र के सकारात्मक घटनाक्रमों पर केंद्रीत रही। हमने बताया कि वहां चीजें सही दिशा की ओर बढ़ रही हैं। हाल ही में, राजनयिकों के दो समूह जम्मू और कश्मीर की स्थिति देखने के लिए पहुंचे, इनमें भारत में अमेरिका के राजदूत केनेथ जस्टर भी शामिल थे। ट्रम्प ने अपनी पत्रकार वार्ता में स्पष्ट किया कि मैंने कश्मीर मामले पर मध्यस्थता को लेकर कुछ नहीं कहा। कश्मीर निश्चित ही भारत और पाकिस्तान के बीच बड़ा मसला है। वे इस पर लंबे समय से काम कर रहे हैं। ट्रपं ने सीमा पार आतंकवाद पर भारत की भावना को समझने की बात की। हालांकि उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ वैसा कड़ा वक्तव्य नहीं दिया जो आम भारतीय चाहते थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से भी उनके अच्छे संबंध हैं और वे सकारात्मक तरीके से आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। आतंकवाद पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे भारत के साथ हैं। बेशक, अमेरिका तालिबान समझौता में पाकिस्तान का साथ अमेरिका को मिल रहा है, इसलिए ट्रंप उसके खिलाफ ज्यादा कड़ा वक्तव्य नहीं दे सकते थे। यह समझौता तथा अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी हमारे लिए चिंताजनक है और यह मुद्दा बातचीत में उठा। हमने अपनी चिंता से ट्रंप को अवगत कराया है और आने वाले समय में पता चलेगा कि उसका परिणाम क्या आया। जैसा विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने बताया वार्ता के दौरान मूलत: पांच मुद्दों सुरक्षा, रक्षा, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संपर्क पर बातचीत हुई। इसमे वैश्विक परिप्रेक्ष्य और खास कर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संपर्क का विषय भी सामने आया और पाकिस्तान की भी चर्चा हुई। भारत-अमेरिका ने नारकोटिक्स पर कार्य समूह बनाने का फैसला किया। एच।बी वीजा का मुद्दा उठाया गया। भारत की दृष्टि से ऐसा कोई मुद्दा नहीं था जो बातचीत में सामने नहीं आया। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्रकार वार्ता में कहा भी कि हम दोनों देश कनेक्टिविटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास पर सहमत हैं। यह एक-दूसरे के ही नहीं, बल्कि दुनिया के हित में है। रक्षा, तकनीक, ग्लोबल कनेक्टिविटी, ट्रेड और पीपुल टू पीपुल टाईअप पर दोनों देशों के बीच सकारात्मक चर्चा हुई। होमलैंड में हुए समझौते से इसे बल मिलेगा। हमने आतंकवाद के खिलाफ प्रयासों को और बढ़ाने का भी फैसला किया है। तेल और गैस के लिए भारत के लिए अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है। फ्यूल हो या न्यूक्लियर एनर्जी, हमें नई ऊर्जा मिल रही है। भारत-अमेरिका के बीच हुए 6 समझौतों में भारत-अमेरिका के बीच नाभिकीय

रिएक्टर से जुड़ा समझौता भी अहम है। इसके तहत अमेरिका भारत को 6 रिएक्टरों की

आपूर्ति करेगा। अमेरिका की शिकायत रही है कि नाभिकीय सहयोग समझौता करके उसने भारत को बंदिशों से बाहर निकाला और इसका ज्यादा लाभ दूसरे देश उठा रहे हैं। इसके बाद उसकी शिकायत कम होगी।

साझा बयान में अमेरिका की ओर से स्पष्ट कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करेगा। न्यूक्लियर सप्लायर ग्रुप (एनएसजी) में भी भारत के बिना देरी प्रवेश के लिए अमेरिका सहयोग करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साझा बयान में यह

कहना काफी महत्वपूर्ण है कि मैंने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह फैसला किया है कि साझेदारी को समग्र वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में तब्दील किया जाएगा। इस तरह भारत अमेरिका की रणनीति साझेदारी अब वैश्विक स्तर पर रणनीतिक साझेदारी में परिणत हो गई। यह यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धी है। भारत के साथ व्यापार का मामला वाकई पेचीदा है। अमेरिका के साथ व्यापार में भारत 25 अरब से ज्यादा डॉलर का लाभ है। ट्रंप उन सारे देशों के साथ नए सिरे से व्यापार समझौता करना चाहते है जिनसे उनको घाटा हो रहा है। भारत उन्हें समझाने की कोशिश कर रहा है कि हम जो रक्षा सामग्री आपसे खरीद रहे हैं, नाभिकीय रिएक्टर ले रहे हैं, तेल और गैस ले रहे हैं उन सबको मिलाकर तथा हमारी रणनीतिक साझेदारी का ध्यान रखते हुए द्विपक्षीय व्यापार को देखा जाए। उम्मीद करनी चाहिए कि रास्ता निकलेगा। वैसे भी भारत अमेरिका के संबंध काफी आगे निकल गए हैं। नाटो देश के समान दर्जा हमें हासिल है, रक्षा व्यापार एवं तकनीकी सहयोग के साथ अब संवेदनशील तकनीकों के हस्तांतरण तथा भारत के निजी क्षेत्र के साथ रक्षा उत्पादन का रास्ता प्रशस्त करने तक मामला बढ़ चुका है। ट्रंप ने भारत को कितना महत्व दिया इसका पता इसी से चलता है कि वे अपनी पत्नी के अलावा अपनी बेटी और दामाद के साथ यहां आए जो उनके सलाहकार हैं। ऐसी यात्रा उन्होंने इसके पहले कहीं नहीं की। नमस्ते कार्यक्रम द्वारा नरेन्द्र मोदी ने भारत की संस्कृति विविधता का प्रदर्शन कराते हुए अहमदाबाद हवाई अड्डे से जो रोड शो कराया तथा मोटेरा स्टेडियम में सवा लाख लोगों के बीच उनका भाषण हुआ उसका मनोवैज्ञानिक असर व्यापक है। वैसे ही स्वागत आगरा यात्रा के दौरान भी हुआ। इस तरह की कूटनीति का प्रयोग पहले ज्यादा नहीं हुआ है। इसका असर ट्रंप एवं उनके प्रशासन पर हुआ है। ट्रंप ने कहा भी कि भारत की यह यात्रा एवं इस दौरान हुए स्वागत को वे कभी नहीं भूल पाएंगे। कम से कम इस स्वागत के बाद ट्रंप एवं उनका प्रशासन भारत के खिलाफ आक्रामक होने से बचेगा। ट्रंप ने कहा कि भारतीयों की मेहमानवाजी याद रहेगी। किसी अमेरिका राष्ट्रपति को अपने जीवन में कहीं भी ऐसा स्वागत तथा इतने लोगों के बीच सीधे भाषण करने का मौका इसके पहले नहीं मिला था। तो ऐसे कार्यक्रम का असर तो होगा ही। इस तरह ट्रंप की यात्रा से भारत अमेरिका संबंधों में कई नए आयाम जुड़े हैं जिनको हम आने वाले समय में सम्पूर्ण रुप से फलीभूत होते हुए देखेंगे।

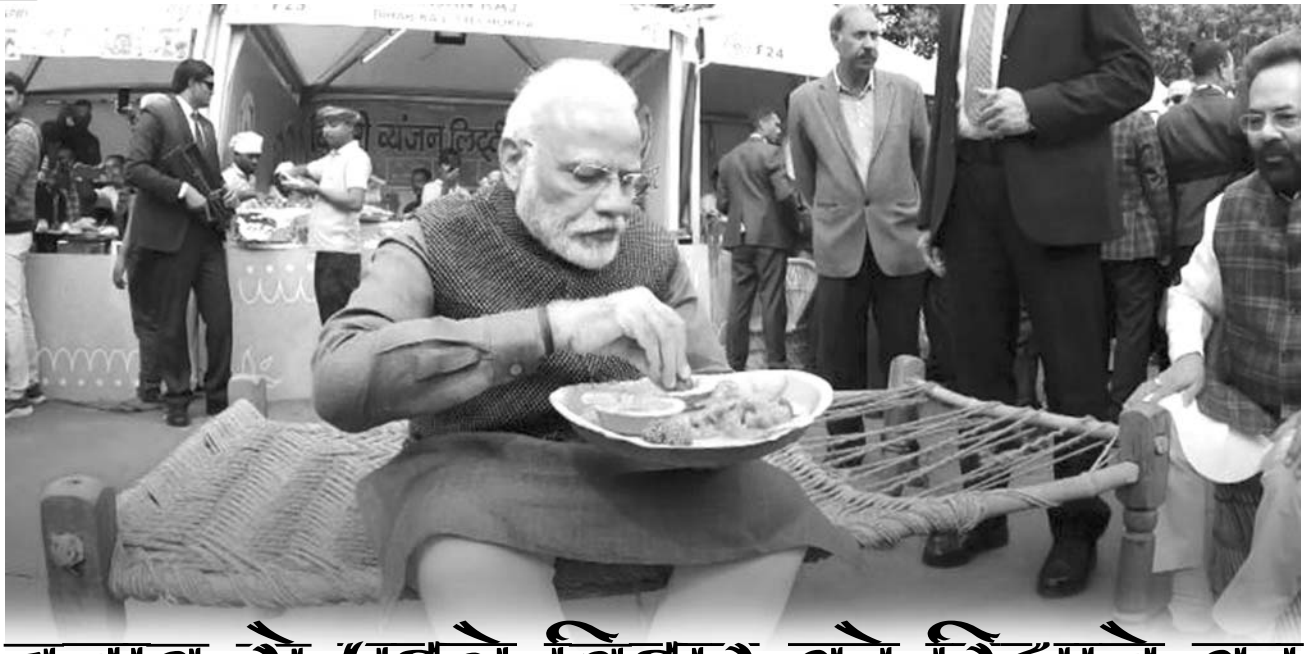

चुनाव से पहले बिहार को रिझाने का मोदी का हुनर

नवीन रांगियाल बिहार का लिट्टी चोखा खबरों में है। सोशल मीडिया पर फेसबुक से लेकर ट्विटर तक बिहार की इस डिश की फोटो खूब वायरल हो रही है। सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी हर बार एक अलग अंदाज में नजर आते हैं। ऐसे में लिट्टी चोखा के अचानक पॉपुलर होने के पीछे भी प्रधानमंत्री मोदी ही हैं। दरअसल, दिल्ली में चल रहे हुनर हाट में पीएम मोदी ने इस स्वादिष्ट व्यंजन को बड़े चाव के साथ खाया। इसके बाद लिट्टी चोखा सुर्खियों में आ गया है। हालांकि सोशल मीडिया पर कुछ लोग इसे बिहार चुनाव के प्रचार के स्टंट के तौरपर भी देख रहे हैं, लेकिन सच्च्चाई यह है कि यह प्रधानमंत्री का अपना एक अलग अंदाज है। दिल्ली के हुनर हाट में भी मोदी का यह अंदाज नजर आया। प्रधानमंत्री मोदी वहां गए थे कलाकारों की हौसला अफजाई के लिए, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे चुनावी स्टंट भी माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह स्टंट बिहार में होने वाले चुनावों से पहले मोदी का मतदाताओं को रिझाने का एक हुनरभर है। मोदी सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय की योजना के मुताबिक देशभर में हुनर हाट का आयोजन किया जाता है। जिसमें मुस्लिम, इसाई, बौद्ध संप्रदाय के अल्पसंख्यक लोग अपने हाथ से बनी वस्तुओं की बिक्री करते हैं। इन संप्रदायों के कलाकारों और दुकानदारों को इस हाट में निशुल्क अपनी दुकान लगाने की सुविधा है, साथ ही उन्हें आने-जाने के लिए भी किराया खर्च आदि दिया जाता है। जिससे लगातार हुनर हाट की उपयोगिता और लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी ने इस हाट में शिरकत की, जो चर्चा का विषय बना हुआ है।

☞ **मैंने घर बना लिया :-** दिल्ली के हाट में शामिल हुई एक दिव्य्यांग महिला ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात में बताया कि वो पेंटिंग बनाकर बेचती हैं। पहले वो सड़क और फुटपाथ पर अपनी पेंटिंग बेचती थी, लेकिन जब से हुनर हाट में शामिल होने लगी हैं, उसे बहुत मुनाफा हुआ है। महिला ने बताया कि हुनर हाट में उसे इतना फायदा हुआ कि उसने इस कमाई से घर खरीद लिया है।

☞ **लिट्टी चोखा हुआ वायरल :-** बिहार के पकवानों की एक दुकान पर पीएम मोदी ने यहां की डिश लिट्टी चोखा का आनंद लिया। उन्होंने बड़े चाव के साथ लिट्टी चोखा खाया। इस डिश का लुत्फ लेते हुए पीएम

मोदी की तस्वीर जमकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। यूजर्स इसे बिहार के चुनावों से जोड़कर भी देख रहे हैं। हुनर हाट में कई कलाकारों ने अपनी शिल्पकला से मोदी जी को रु-ब-रु करवाया। एक महिला ने भारत के नक्शे की पेंटिंग प्रधानमंत्री मोदी को दिखाई।

इसी दौरान मोदी जी ने घंटियों की एक दुकान पर रुककर वहां हाथ से बनाई हुई घंटियों के बारे में जानकारी ली। यह वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है। यहां मोदी जी ने अलग-अलग आवाज निकालने वाली घंटियों को बजाया। कई कलाकारों ने अपने हाथों से बनाई कलाकृतियों, शिल्पकारी के नमूने प्रधानमंत्री को दिखाए। कई कलाकारों ने मोदी के पोरट्रेट और पेंटिंग बनाई। कई बच्चों ने प्रधानमंत्री मोदी की पेंटिंग बनाकर उन्हें दिखाई। दिल्ली के हुनर हाट में पीएम मोदी ने कहीं अलग-अलग पकवानों का लुत्फ उठाया तो कहीं कुल्हड़ वाली चाय का मजा लिया। मोदी के हुनर हाट में पहुंचते ही वहां उनके साथ सेल्फी लेने वालों का भी तांता लग गया।

Former Indian football star Pradip Kumar Banerjee Dies at 83

Former India captain Pradip Kumar Banerjee, who led the country in many football tournaments and two-time Olympian, died here today. PK Banerjee, 83, had been struggling with ill health for a while.He also had a history of Parkinson's disease, dementia and heart problem. Banerjee is survived by his daughters Paula and Purna, who are renowned academicians, and younger brother Prasun Banerjee, also a former international footballer and sitting Trinamool Congress MP. A well regarded coach PK Banerjee also led East Bengal for seven consecutive Calcutta League championships in the 70s, had been revered figure in Indian football, All India Football Federation condoled his death. Banerjee captained the national team in what is considered its golden period. He won the gold medal in the 1962 Asian Games in Jakarta, Indonesia.A striker par excellence, Banerjee was a proven leader both as a player as well as a coach. He was involved as a player and coach with both the Kolkata giants Mohun Bagan and East Bengal.He was on life support at a hospital here since March 2 and breathed his last at 12:40pm, according to a family member. He was admitted to a private hospital in the city.Born on June 23, 1936 in Moynaguri on the outskirts of Jalpaiguri in West Bengal, Banerjee's family relocated to his uncle's place in Jamshedpur before partition. He scored 65 international goals in 84 appearance for the national team and had been football commentator and knew more than four languages fluently. Besides winning the gold medal at the Jakarta Asian Games in 1992, Banerjee led India in the 1960 Rome Olympics, where he scored the equaliser against a formidable French team in a 1-1 draw. Before that, Banerjee represented India in the 1956 Melbourne Olympics and played a key role in their 4-2 win over Australia in the quarterfinals.Banerjee's contribution to Indian football was duly recognised by the world governing body FIFA that awarded him the Centennial Order of Merit in 2004.

☞ **Bengal CM Mamata Banerjee saddens at passing away of PK Banerjee Kolkata :-** West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee todaycondoled the death of former India captain P K Banerjee and said the passing away of the Olympian was an irreparable loss for sports in India.She also conveyed her heartfelt condolences to the bereaved family.

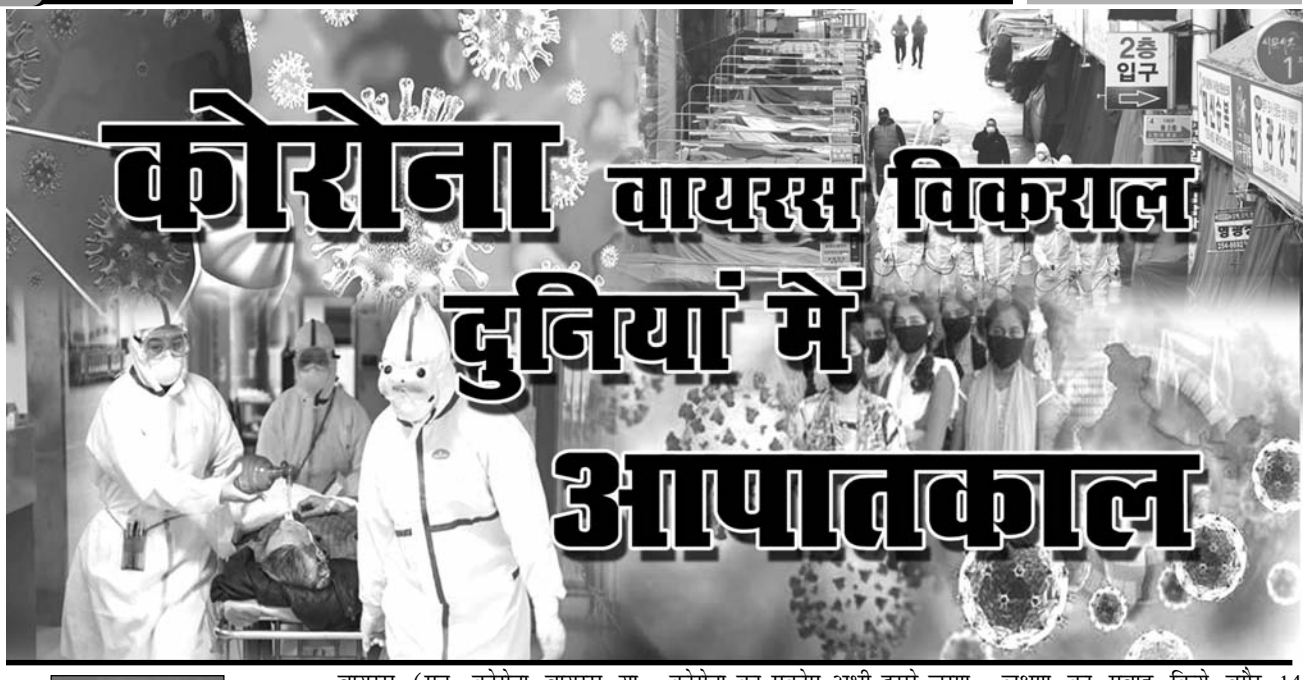

कोरोना वायरस विकराल दुनियां में आपातकाल

● ललन कुमार प्रसाद

पूरी दुनियां में बहुत ही तेजी से फैलता जा रहा है कोरोना वायरस। 12 मार्च 2020 तक 127 देशों में फैल चुका है यह वायरस। चीन के बाद कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित है इटली। इटली में 827 कोरोना मरीजों की मौत हो चुकी है। चीन और इटली के बाद तीसरे नंबर पर है ईरान। ईरान में 429 कोरोना मरीजों की मौत हो चुकी है। अच्छी बात है कि भारत में कोरोना मरीज के 76 में से एक मरीज की मौत हो गई है।

★ **कोरोना वायरस का नामकरण** :- कोरोना वायरस, वायरसों का एक समूह है, जो कांटों (क्राउन) जैसा दिखता है, इसलिए इस वायरस का नाम कोरोना वायरस पड़ा। कोरोना वायरस के इस समूह में से सिर्फ छः वायरस ही इंसानों को संक्रमित करते हैं, लेकिन चीन के हुवेई प्रांत के वुहान शहर में दिसम्बर 2019 के प्रारंभ में पहली बार सामने आया यह कोरोना वायरस का सातवां नया वायरस है। इसलिए इसे नॉवेल कोरोना वायरस (एन. कोरोना वायरस या एन.सी.ओ.वी.) नाम दिया गया। चूकि यह वायरस चीन के वुहान शहर में पहली बार सामने आया, इसलिए इसे वुहान कोरोना वायरस के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन विश्व स्वास्थ संगठन ने इस नये वायरस का नामाकरण किया है। स्विजरलैंड की राजधानी जेनेवा में एक सम्मेलन के दौरान विश्व स्वास्थ संगठन ने कोरोना वायरस को अधिकारिक तौरपर 'कोविड-19' नाम दिया है। विश्व स्वास्थ संगठन के प्रमुख टेड्रोस एधानोम ग्रेबेयेसिस ने जेनेवा में कहा कि नॉवेल कोरोना वायरस रोग के लिए नाम मिल गया है। इस वायरस का सबसे पहले चीन में 31 दिसम्बर 2019 को पता चला था। उन्होंने कोरोना वायरस के नाम की व्याख्या करते हुए कहा है कि 'को' का मतलब कोरोना, 'वि' का मतलब वायरस और 'डी' का मतलब डिजीज है।

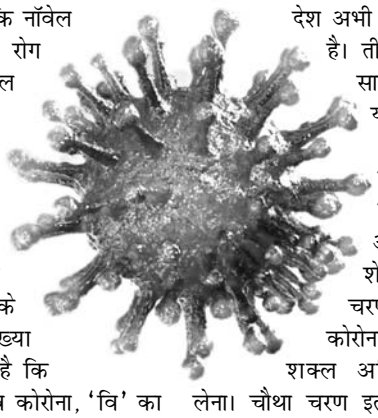

★ **भारत में कोरोना महामारी के चरण** :- किसी भी महामारी के चार चरण होते हैं। कोरोना भी इससे अलग नहीं है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिर्सच के महानिदेशक बलराम भार्गव के अनुसार भारत में कोरोना का प्रकोप अभी दूसरे चरण में है। इस चरण के तहत कोरोना का संक्रमण उन्ही व्यक्तियों तक सिमित है, जो इस महामारी से गंभीर रूप से प्रभावित देशों, जैसे-चीन, इटली और ईरान से संक्रमित होकर लौटे हैं या संक्रमित होने के बाद किसी कारणवश भारत आये हैं। कोरोना महामारी के चार चरण निम्नलिखित है :- पहला चरण है कोरोना महामारी से प्रभावित देशों से किसी व्यक्ति का भारत में आना। दूसरा चरण है भारत में कोरोना संक्रमित लोगों का आना। हमारा देश अभी इसी चरण में है। तीसरा चरण है सामुदायिक प्रसार यानि बड़े भू-भाग का प्रभावित होना। तीसरे चरण में अभी 25 दिन शेष है। चौथा चरण है, देश में कोरोना महामारी का शक्ल अख्तियार कर लेना। चौथा चरण इतना खतरनाक होता है कि जिसका कोई अंत नहीं दिखता। चीन और इटली इसी चरण में हैं।

★ **कोरोना वायरस के प्रसार को दूसरे-तीसरे चरण में कैसे रोक सकते हैं?** :-

☞ कोरोना से प्रभावित देशों से आने वाले व्यक्ति में बीमारी के लक्षण का प्रवाह किये बगैर 14 दिनों तक पृथक (आइसोलेट) करके रखकर।

☞ अगर कोई व्यक्ति कोरोना से संक्रमित पाया जाता है तो उसके सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों को भी 14 दिनों तक निगरानी में रखकर।

☞ ज्यादातर स्कूलों, कॉलेजों, सभागार में होने वाले कार्यक्रमों, स्टेडियमों में आयोजित किये जाने वाले खेलों, मेलों के आयोजन, धरना-प्रदर्शन, रैलियों तथा इसी प्रकार के सार्वजनिक भीड़ जुटाव वाले कार्यक्रमों को कुछ समय के लिए स्थगित कर। अर्थात् स्कूलों और कॉलेजों को कुछ समय के लिए बंद कर, धरना-प्रदर्शन और रैलियों पर कुछ समय के लिए रोक लगाकर, सभागारों में आयोजित किये जाने वाले संगोष्ठियों को कुछ समय के लिए स्थगित कर, स्टेडियमों में खेले जाने वाले कुछ समय के लिए रद्द कर, मेलों के आयोजन को कुछ समय के लिए प्रबंधित कर, इत्यादि।

☞ आम जनता में हांथों की सफाई के अहमियत तथा श्वास संबंधी बीमारियों की भयावता के बारे में जानकारी देकर जागरूकता पैदा करे।

☞ ढ़ाचागत् व्यवस्था जैसे टेस्टिंग लैब की सुविधा प्रदान कर, आइयोलेटेड बेड की सुविधा प्रदान कर, संक्रमित लोगों को कड़ी निगरानी में रखने का व्यवस्था कर तथा इसी तरह की विभिन्न स्तरों पर अन्य तरह की तैयारी कर।

कोरोना वायरस से किस मरीज को कितना खतरा	
रोग	मृत्यु दर
निरोग	0.01%
कैंसर	4.8%
हाइपरटेंशन	5.6%
सांस संबधी रोग	6.0%
डायबिटिज	7.5%
हृदय रोग	10.0%

☆ **कोरोना वायरस कितना खतरनाक, अंदाजा लगाना मुश्किल** :- अन्य वायरसों की तरह कोरोना वायरस भी एक-दूसरे में छूत से फैलता है। अर्थात् हवा, पानी और स्पर्श से वायरस फैलते चले जाते हैं। इसलिए रोग फैलने की दृष्टि से वायरस बड़े खतरनाक होते हैं। किन्तु कोरोना वायरस की सबसे बड़ी खराबी है कि यह बहुत तेजी से फैलता है। यह वायरस इतना खतरनाक है कि वैज्ञानिक इसका अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं। इसके निम्नलिखित कारण हैं:-

☞ वायरस संक्रमित इलाके में जाने या वायरस से संक्रमित लोगों के सम्पर्क में आये बगैर भी कोरोना फैल रहा है। मसलन, अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एक ऐसा व्यक्ति संक्रमित पाया गया है, जिसने किसी संक्रमित इलाके का दौरा नहीं किया था। यहां तक की ऐसे किसी जगह से आये व्यक्ति के सम्पर्क में नहीं आया था।

☞ चीन में 20 वर्षीय एक युवती का मामला वाकई इस रोग की भयावहता को दर्शाता है। उसने वुहान से 700 किलोमीटर दूर की यात्रा की और उसके सम्पर्क में आये उसके पांच रिश्तेदार संक्रमित हो गये। आश्चर्य की बात है कि इन पांच लोगों में कोरोना वायरस के लक्षण दिखे, मगर उस युवती में कोरोना के लक्षण का पता लगाने में एक सप्ताह का समय लग गया। इसका मतलब है कि कोरोना वायरस विशेष लक्षण दिखे बिना एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंच जाता है।

☞ जापान के ओसाका में एक विशेष पंथ को मानने वाले ईसाई समुदाय के लोगों को कोरोना वायरस ने जकड़ लिया है। शिनचोनजी चर्च ऑफ जीसस में जाने वाले करीब 1300 लोग अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इस समुदाय के प्रार्थना स्थल पर शामिल प्रार्थना सभा में शामिल होने वाले लोग बड़ी संख्या में कोरोना वायरस से संक्रमित हो गये हैं। अगर अब उस जगह पर विशेष सावधानी नहीं बरती गई तो यह वायरस कई हजार लोगों को संक्रमित कर सकता है, क्योंकि इस पंथ के 2 लाख 12 हजार सदस्य हैं।

☞ जापान के ओसाका में 40 वर्षीय बस गाईड महिला ने फरवरी में कोरोना से संक्रमित होने के बाद इलाज करवाया था, लेकिन ठीक होने के तीन सप्ताह बाद मार्च में फिर उसमें संक्रमण की पुष्टि हुई है। चीन के बाहर किसी व्यक्ति में दो बार संक्रमण का यह पहला मामला है। इससे स्पष्ट है कि इलाज के बाद ठीक होने पर भी कोई व्यक्ति दोबारा कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकता है। ऐसा इसलिए की यह वायरस शिथिल अवस्था में शरीर में रहता है, जो इलाज के बाद दोबारा सक्रिय हो सकता है।

☞ भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में महामारी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ० भोजराज सिंह कहते हैं कि कोरोना वायरस संक्रमण के बाद खुद के रूप को बदलने की अद्भुत क्षमता है। दरअसल, कोरोना वायरस का जीनोम छः जीन का बना होता है। जब कोई संक्रमण कोशिका में पहुंचता है और उसकी जाती का कोई दूसरा संक्रमण वहां पहले से ही मौजूद हो तो दोनो के जीन मिलकर जानलेवा बन जाते हैं, भले ही यह प्रक्रिया प्राकृतिक है। पर, वे इसी क्षमता के कारण महामारी स्ट्रेन विकसित करने में कामयाब हो जाते हैं।

☞ चीन में एक कुत्ते में भी कोरोना संक्रमण की बात सुनने में आयी है। अब तक सुना जाता था कि यह जूनोटिक मनुष्य से पशु में फैलने वाला नहीं है, पर कुत्ते में इस वायरस का मिलना संकेत देता है कि कोरोना जुनोटिक है। ऐसे में वैज्ञानिक यह आशंका जता रहे हैं कि यदि कोरोना संक्रमण कुत्ते में फैल गया है तो दूसरे जानवरों में भी फैल सकता है।

☆ **पुरूषों में कोरोना से संक्रमण का खतरा महिलाओं से ज्यादा है** :- चीन के जिन्यिन्तान हॉस्पीटल की डॉक्टर ली झान ने दावा किया है कि कोरोना वायरस से महिलाओं को कम नुकसान पहुंचता है, जबकि पुरूषों पर यह ज्यादा बुरा प्रभाव डालता है। दुनियां भर में कोरोना वायरस फैलने के केन्द्र चीन के वुहान शहर में वैज्ञानिकों की शोध में दावा किया गया है कि यह वायरस महिलाओं की तुलना में पुरूषों के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। वैज्ञानिकों ने माना है कि महिलाओं में संक्रमणरोधी क्षमता पुरूषों के मुकाबले ज्यादा है, जो संक्रमण से बचाव का मुख्य कारण है। वैज्ञानिकों का कहना है कि एक्स क्रोमोजोम और सेक्स हार्मोन की वजह से महिलाओं में रोग प्रतिरोध क क्षमता ज्यादा होती है।

चीन में कोरोना को फैलने से रोकने में अपनाये गये तौर तरीकों से महिलाओं में गहरा आक्रोश है, क्योंकि कुछ डॉक्टरों ने महिलाओं की पीरियड्स (महावारी) को टालने के लिए उन्हे गर्भ निरोधक दवाएं दे रहे हैं। ऐसे चीनी प्रशासन के निर्देश पर किया जा रहा है। महावारी टालने से महिलाओं की सेहत पर विपरित असर पड़ रहा है। पीरियड्स संबंधित प्रोडक्ट्स खासकर दवाएं न मिलने से उन्हें सिर मुंडवाने जैसी समस्याओं से जुझना पड़ रहा है।

☆ **ऐसे संक्रमित हो रहे हैं इंसान**

:- कोरोना परिवार के वायरस से सर्दी, जुकाम जैसे छोटे-मोटे रोग होते हैं और इसी परिवार के सदस्यों से मर्स और सार्स जैसे गंभीर महामारी भी फैलती है। चीन में हुवई प्रांत के वुहान शहर में दिसम्बर 2019 में पहली बार सामने आया कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन इस परिवार का सातवां नया वायरस है। संक्रमण के बाद यह वायरस इंसान की जीवित कोशिका के अंदर प्रवेश कर जाता है और विभाजित होते रहता है। अर्थात् यह वायरस केवल जीवित कोशिका में प्रजनन (ब्रीडिंग) कर सकता है। इंसान के सम्पर्क में आने पर यह मानव कोशिका की झिल्ली (मेमब्रेन) के रिसेप्टर से जुड़ने के लिए यह वायरस लंबे एस प्रोटीनका इस्तेमाल करता है। ऐसे मिलन से कोशिका (सेल) भ्रमित होती है, यह कोई खतरा नहीं है। लिहाजा, वायरस कोशिका में प्रवेश कर जाता है। वैसे वायरस के कोशिका में प्रवेश की सटीक प्रणाली अभी ज्ञात नहीं है। फिर भी दो प्रक्रियाएं होती है-पहला इंडोसाइटोसिस प्रक्रिया के तहत कोशिका वायरस को निगल जाती है और दूसरा मानव कोशिका से जुड़ने के बाद वायरस कोशिका के द्रव्य में अपने जेनेटिक तत्व छोड़ता है। कोशिका द्रव्य में वायरस द्वारा छोड़े जाने वाला यह एकल कुंडलित आरएनए (राइबोन्यूक्लिक एसिड) होता है। वायरस कोशिका को हाइजेक कर लेता है और अपने जेनेटिक तत्व का प्रजनन शुरू कर देता है। यह एक कोशिका से दूसरी कोशिका में छिद्र करके चला जाता है और नई कोशिका में प्रवेश करते ही प्रजनन शुरू कर देता है। इस तरह प्रजनन-गुणन (ब्रीडिंग मल्टिप्लीकेशन) के चलते वायरस कर संख्या में अचानक वृद्धि हो जाती है।

कोरोना वायरस से किस लिंग को कितना खतरा

लिंग	-	मृत्यु दर
महिला	-	1.7%
पुरूष	-	2.8%

★ **लैब टेस्ट से ही कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि होती है** :- हमारे देश में कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि के लिए कोई टेस्ट कीट उपलब्ध नहीं है। इसलिए लैब टेस्टिंग से ही इससे संक्रमित होने की पुष्टि की जा सकती है। इसके लिए अस्पताल के टेस्टिंग लैब में कई तरह के करने के बाद नतीजे निकाले जाते हैं। टेस्टिंग लैब में निम्नलिखित टेस्ट किये जाते हैं:-

☞ **स्वाब टेस्ट** :- इस टेस्ट में कॉटन स्वाब (रूई का फाहा) की मदद से गले तथा नाक के अंदर से तरल पदार्थ को निकाल कर टेस्ट किया जाता है।

☞ **नेजल एरिपटेट** :- इस टेस्ट में वायरस की जांच करने वाला टेक्निशियन पहले व्यक्ति के नाक में एक तरह का घोल डालने के बाद सैम्पल कलेक्ट करता है और तब उस सैम्पल की जांच की जाती है।

☞ **ट्रेशल एरिपटेट** :- इस टेस्ट में ब्रोंकोस्कोप नामक एक पतला ट्यूब व्यक्ति के फेफड़े में डालकर वहां से सेम्पल लेकर उसकी जांच की जाती है।

☞ **सप्टम टेस्ट** :- इस टेस्ट में फेफड़े में जमा पदार्थ या नाक से कॉटन स्वाब की मदद से निकाले जाने वाले सैम्पल की जांच की जाती है।

☞ **ब्लड टेस्ट** :- खून की जांच द्वारा भी कोरोना वायरस की संक्रमण का पता लगाया जाता है।

इस तरह से सभी सैम्पल को जुटाने के बाद वायरस के हिसाब से उसका विश्लेषण किया जाता है। कोरोना के सभी वेरिएंट के लिए इनका ब्लैंकेट टेस्ट किया जाता है। फिलहाल हमारे देश में 66 टेस्टिंग लैब है और प्रत्येक में रोजाना 90 सैम्पल टेस्ट किये जा सकते हैं। इस तरह रोजाना हमारा कुल 5940 टेस्ट किये जा सकते हैं।

★ **किन लोगों का टेस्ट किया जाना चाहिए?** :-

☞ अगर आपके आसपास पांच सौ मीटर के दायरे में कोरोना से संक्रमित किसी व्यक्ति की पुष्टि हुई है। लेकिन, आप कभी भी उसके सम्पर्क में नहीं रहे हैं तो आपको टेस्ट करवाने की जरूरत नहीं है। परन्तु, सतर्क रहने की जरूरत जरूर है।

☞ यदि आप किसी कोरोना प्रभावित देश की यात्रा करके लौटे हैं तो आपको सावधानी बरतने की जरूरत है, लेकिन तसल्ली के लिए एक बार टेस्ट जरूर करवा लें।

☞ भारत में कोरोना से संक्रमित कई व्यक्ति पाये गये हैं। लेकिन घबराइए नहीं, खुद को 14 दिन निगरानी में रखें। टेस्ट की जरूरत नहीं भी पड़ सकती है।

☞ अंजाने में आप किसी संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में रहे हैं तो घबराइए नहीं, सबसे पहले घर के किसी कोने में अपने आप को आइसोलेट (अलग-थलग) करके 14 दिनों तक रहे और निरीक्षण करे। अगर आप में कोरोना का लक्षण दिखे तो टेस्ट जरूर करावें। परन्तु अलग-थलग रहने के दौरान सर्दी, जुकाम और बुखार होता है तो तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करे और उनके निर्देशानुसार टेस्ट करवाये, नजरअंदाज हरगिज न करे।

★ **कोरोना से जुड़ी भ्रांतिया** :-

☞ यह ठीक नहीं है कि कुत्ता पालने तथा पाले हुए कुत्ता के सम्पर्क में रहने से कोरोना का संक्रमण हो जाता है। अगर ऐसा होता तो कोई व्यक्ति कुत्ता पालता ही नहीं, जबकि लोग कुत्ता बड़े शान से पालते हैं। दरअसल, कुत्ता पालने वाले अपने आप को समझते हैं कि कुत्ता पालना सोशल स्टेटस का ऐसा पहलू है कि उनको समाज में बड़े सम्मान से देखा जाता है। भले ही इंसान के प्रति उनके मन में कोई आदर प्रेम न हो। समाज में ऐसे मुंह मियां मिठ्ठू की कोई कमी नहीं है। लेकिन कुत्ता पालने वाले को विशेष सावधानी जरूर बरतनी चाहिए और कुत्ते के लार से यथासंभव बचने का अधिकाधिक प्रयास करना चाहिए। वैसे तो बिल्ली, बंदर आदि जानवरों के काटने से भी आदमी संक्रमित हो जाता है। खासकर, रैबीज के वायरस 95-97% कुत्तों में पाये जाते हैं। विशेषकर रैबीजग्रस्त कुत्ता के काटने या चाटने से इंसान को रैबीज की बीमारी हो जाती है और आदमी की एक महीने के अंदर मौत हो जाती है, जो बेहद दर्दनाक होती है। इसलिए कुत्ता पालने वाले व्यक्ति को हर साल अपने कुत्ते को एंटीरैबीज टीका दिलवाते रहना चाहिए।

☞ अगर किसी व्यक्ति को सर्दी, खांसी और बुखार हुए चार-पांच दिन हो गया है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति कोरोना से संक्रमित हो गया है। ख्याल रहे समान्य सर्दी, जुकाम से पीड़ित आदमी को दो से तीन दिन में ठीक हो जाता है और फ्लू से पीड़ित आदमी चार दिन में ठीक हो जाता है। कोरोना की जांच की जरूरत तभी होती है, जब कोई व्यक्ति विदेश से लौटा हो

या कोरोना संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आया हो तो ऐसे व्यक्ति को अलग कमरे में 14 दिनों तक निगरानी में रखनी चाहिए। वैसे चार-पांच दिन से सर्दी-जुकाम और बुखार से पीड़ित व्यक्ति के इलाज हेतु डॉक्टर से जरूर सम्पर्क करना चाहिए और तसल्ली के लिए कोरोना से संक्रमण को टेस्ट करा लेना चाहिए कि वह व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित है या नहीं। याद रहे कोरोना वायरस के प्रति जागरूकता और बचाव ही एकमात्र इलाज है।

☞ कोरोना वायरस किसी भी वातावरण में फैल सकता है, जरूरी नहीं है कि गर्म और उमस भरा वातावरण हो, लेकिन 7 से 17 डिग्री सेल्सियस तापमान वाला वातावरण कोरोना वायरस को पनपने के लिए मुफिद होता है।

☞ यह धारणा गलत है कि कोरोना मच्छर के काटने से फैलता है। कोरोना वायरस हवा में तैरते संक्रमित व्यक्ति के थूक की नन्ही-नन्ही बुंदकियों (ड्रॉपप्लेट्स) से फैलता है, इसलिए किसी कोरोना संक्रमित व्यक्ति के खांसने तथा छिकते समय सामने वाले स्वस्थ व्यक्ति को उससे चार मीटर की दूरी बना लेनी चाहिए।

☞ यह धारणा गलत है कि थर्मल स्कैनर से कोरोना संक्रमित व्यक्ति की पहचान हो जाती है। थर्मल स्कैनर से फायदा यही होता है कि व्यक्ति के शरीर के बढ़े हुए तापमान का बगैर उसके छुए ही पता चल जाता है। कोरोना के जांच के बाद ही पता चलेगा कि कोई व्यक्ति संक्रमित है या नहीं।

☞ यह धारणा गलत है कि निमोनिया के वैक्सिन से कोरोना संक्रमित व्यक्ति का इलाज किया जा सकता है। न्यूमोकोकल वैक्सिन और हीमोफिलस इनफ्लूएंजा टाइप बी वैक्सिन से कोरोना का इलाज नहीं हो सकता है। कोरोना वायरस पूरी तरह से अलग है। अभी तक इसकी दवा नहीं खोजी जा सकी है।

☞ यह धारणा गलत है कि एंटी बायोटिक्स दवा के सेवन से कोरोना ठीक हो जाता है। दरअसल, कोरोना वायरस पर एंटी बायोटिक्स दवा का कोई असर नहीं होता है, इसलिए कोरोना के मरीज को एंटी बायोटिक्स नहीं देना चाहिए।

★ **कोरोना के खिलाफ बहुत ही कारगर लगाम है, हांथों की सफाई** :- अच्छी सेहत के लिए स्वच्छ और पौष्टिक भोजन जरूरी माना गया है, लेकिन भोजन का स्वच्छ और पौष्टिक होना तब बेइमानी हो जाता है, जब हांथ स्वच्छ न हो। अधिकतर लोग हांथों की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं, जबकि काम करते समय हांथ ही सबसे अधिक सक्रिय रहते हैं। इसलिए हांथ ही सबसे अधिक जीवाणु (वैक्टेरिया), विषाणु (वायरस), किटाणु (वर्मस) और रोगाणु (जर्मस) के सम्पर्क में आते हैं। विभिन्न प्रकार की बीमारियों के संक्रमण में हांथ की भूमिका बहुत ही अहम है। गंदे हांथ में चिपके जीवाणु, विषाणु, किटाणु और रोगाणु समान्यतया खाते समय, नाक पोछते समय और आंख मलते समय हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे में सर्दी, जुकाम और फ्लू जैसी बीमारियों के साथ-साथ कोरोना वायरस भी आसानी से व्यक्ति को अपने चपेट में ले लेता है। बच्चों में निमोनिया और डायरिया जैसी खतरनाक बीमारियां भी गंदे हांथ की वजह से सबसे अधिक होती है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के मुताबिक सही तरीके से हांथ नहीं धोने के कारण 50% बीमारियां होती है। डॉक्टर चाहे कितना भी रगड़कर औषधि युक्त हैंडवाश या अल्कोहल आधारित सेनिटाइजर से हांथ धोए, लेकिन पूरे बैक्टेरिया कभी भी नष्ट नहीं होते हैं। दरअसल, हांथों को पूरी तरह से स्टरलाइज्ड करना संभव नहीं है, इसलिए डॉक्टर ऑपरेशन के पहले हांथों पर अल्कोहल आधारित सेनेटाइजर को लगाने के बाद स्टरलाइज्ड सर्जिकल दस्ताने पहनते हैं। कोशिश यही रहती है कि कम से कम संक्रमण मरीज तक पहुंचे। खासकर, बच्चे खाने के पहले हांथ न धोने की गलती अधिक करते हैं। जबकि स्कूलों में खेल के दौरान सबसे अधिक बच्चों के हांथ ही गंदे होते हैं, इसलिए बच्चे ही सबसे अधिक सर्दी, जुकाम, निमोनिया, फ्लू, डायरिया, जॉण्डिस (पीलिया), उल्टी, भूख की कमी, वर्म (पेट के कीड़े) आदि बीमारियों के शिकार होते हैं। इसके दो कारण हैं-पहला खेलने के बाद बच्चे अक्सर बगैर हांथ धोए ही खाना खाने या नाश्ता करने बैठ जाते हैं तथा यदा-कदा कुछ-कुछ खाते रहते हैं, खासकर ठंड के मौसम में। ठंड के मौसम में बच्चे तो

कोरोना वायरस से 12 मार्च 2020 तक किस देश में कितना असर

देश	संक्रमित	मौत
चीन	80793	3169
इटली	12642	827
ईरान	10075	429
दक्षिण कोरिया	7869	66
स्पेन	2277	55
फ्रांस	2281	48
अमेरिका	1281	38
जापान	1335	17
ब्रिटेन	456	08
भारत	76	01

बच्चे, बड़े भी भोजन करने के पहले हांथ धोने से कतराते हैं। दूसरा, बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। एक सर्वेक्षण से पता चला है कि स्कूलों में बच्चों की गैरहाजिरी की सबसे बड़ी वजह वे बीमारियां हैं जो उचित समय पर यानि शौच के बाद, खेलकर आने के बाद और भोजन करने के पहले हांथ नहीं धोने के कारण होती है।

दुनियांभर के तमता डॉक्टरों का मानना है कि औषधि युक्त हैंडवाश से हांथ धोकर भोजन करने से 50% तक पेट की बीमारियों से निजात मिल जाती है। अच्छी तरह से हांथ धोकर भोजन करके मामूली सर्दी-जुकाम से लेकर खतरनाक बुखार और अन्य कई बीमारियों से बचा जा सकता है। हांथ साफ रखने यानि उचित समय पर हांथ धोने से जलजनित मौतें 35% कम हो जाती है। लंदन में हुए एक रिर्सच में अनुमान लगाया गया है कि यदि सभी लोग उचित समय पर हांथ ध ोने लगे तो हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाया जा सकता है। इसलिए सबों को, खासकर बच्चों को हांथ धोकर भोजन या नाश्ता या कुछ खाने की आदत डालना चाहिए, क्योंकि गली-कुची कही भी खेलने के कारण बच्चों के हांथ सबसे अधिक गंदे होते हैं। ऐसा इसलिए की शौच के बाद और भोजन करने के पहले अच्छे तरह से हांथ धोना ढ़ेर सारी बीमारियों से बचने का रक्षा कवच है। सिर्फ उचित समय पर हांथ धोने से ही हम समान्य सर्दी-जुकाम से लेकर दिमागी बुखार इनसेफलाइटिश, इनफ्लूएंजा और संक्रामक दस्त से बच सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि शौच के बाद सही तरीके से हांथ धोने से डायरिया का खतरा 40% और स्वास्थ संबंधी बीमारियों का खतरा 30% कम हो जाते हैं, इसलिए उचित समय पर हांथ धोने की अहमियत को नजरअंदाज न करे। उचित समय पर हांथों की सफाई पर लगाये गये 15-20 सेकेंड्स आपको और आपके बच्चों को डॉक्टरों के पास चक्कर लगाने से बचा सकते हैं। इसलिए हर कोई, हर रोज उचित समय पर हांथ धोने की आदत को जीवनशैली को शामिल करे।

एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में वायरस और बैक्टेरिया फैलने का सबसे बड़ा कारण गंदे हांथ मिलाना है। न जाने दिनभर हम कई ऐसी वस्तुओं को छुते हैं, खासकर सार्वजनिक स्थलों पर फिर चाहे बस स्टैंड हो, रेलवे स्टेशन हो, हवाई अड्डा हो या सिनेमा हॉल। इसमें एक व्यक्ति से वायरस या बैक्टेरिया उस वस्तु में चिपक जाते हैं, जिस वस्तु को हम छुते हैं। जब जितने लोग उस वस्तु को छूएंगे तो उनके हांथ उन वायरसों और बैक्टेरिया के सम्पर्क में आ जाते हैं। हाल ही में एमआईटी (अमेरिका) द्वारा किये गये एक रिर्सच से खुलासा हुआ कि सिर्फ 20% लोग ही एयरपोर्ट पर हांथ धोते हैं, जबकि दुनियांभर के एयरपोर्ट विभिन्न देशों के यात्रियों से खचाखच भरा रहता है। अब मान लीजिए की कोई कोरोना वायरस से संक्रमित या किसी अन्य बीमारी से संक्रमित है और वह एयरपोर्ट पर या हवाई जहाज के अंदर खांसता है या छिकता है, फिर अपने मुंह को ढ़कने के लिए रूमाल या टिसू पेपर का इस्तेमाल करता है और फिर उसी हांथ से न जाने कितनी वस्तुओं को छूता है तो अन्य व्यक्ति उस दुषित वस्तुओं के सम्पर्क में आ जाते हैं, जो लाजिमी है। ऐसे में वह व्यक्ति भी वस्तु पर चिपके वायरस और बैक्टेरिया के चपेट में आ जायेगा। बहुत ही तेजी से फैलने वाले कोरोना वायरस का विस्तार पूरी दुनियां में हांथ की सफाई का नजरअंदाज करने से हुआ है, गंदे हांथ मिलाने के कारण हुआ है। जो आम तौरपर दुनियां भर के एयरपोर्ट पर देखने को मिलता है। इसलिए हमारी जो अभिवादन की भारतीय संस्कृति है, उसे दुनियां भर के सभी व्यक्तियों को अपनाना चाहिए। अब अपनाना शुरू भी कर दिया गया है। इसलिए किसी से मिले तो हांथ मिलाने के बजाये दोनो हांथ जोड़कर नमस्ते करे। कोरोना के डर से सुपर पावर अमेरिका का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति डोनाल्ड ट्रंप भी अब हांथ मिलाने से परहेज कर लिये हैं और अभिवादन करने का भारतीय तरीका नमस्ते को अपना लिये हैं, यह है भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता।

विश्व स्वास्थ संगठन ने हांथों की अच्छी सफाई के लिए अल्कोहल आधारित सैनिटाइजर को मुफीद बताया है। इसके क्या कारण है, मुझे पता नहीं। पर मेरे देखे ऐसा लगता है कि ऐसे सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने पर पानी की जरूरत नहीं पड़ती है, क्योंकि सैनिटाइजर लगाते ही हांथ सूख जाते हैं। वैसे भी बेतहाशा बढ़ी हुई आबादी के चलते पूरी दुनियां में आज पानी की भारी किल्लत हो गई है, फिर भी हम मानते नहीं, खासकर ज्यादातर भारतीय। तो, लगातार रॉकेट की स्पीड से आबादी बढ़ाते ही चले जा रहे हैं। भलेइ ही करोड़ां भारतीय सड़कों पर जिंदगी बसर करते हो, खाने को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन न मिलता हो, लेकिन बच्चा पैदा करने की फैक्ट्री बने हुए हैं। दूसरा हैंडवाश से हांथ धोने के बेसिन के पास दो तौलिए लटकाने की जरूरत पड़ती है। ऐसा इसलिए कि एक तौलिया गंदा हो जाये तो पानी से गीले हांथ को सुखाने के लिए दूसरी तौलिए का इस्तेमाल किया जा सके। लेकिन, अल्कोहल आधारित सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने पर तौलिया रखने की समस्या से निजात मिल जाता है। तीसरा मोबाइल पर बहुरंगी वीडियो पर लुफ्त उठाने के लिए खूब समय मिलता रहे, लेकिन हांथों की सफाई का सबसे अच्छा साधन है औषधियुक्त हैंडवाश। क्योंकि हांथों पर रखते ही इससे बहुत अधि क मात्रा में झाग पैदा हो जाता है जो हांथों की समुचित सफाई के लिए जरूरी है। झाग को अच्छी तरह से दोनो हांथों पर लगाये और अंगुलियों की बीच की पोर तथा नाखूनों के भीतर तक दोनों हांथों से मिला-मिलाकर कम से कम 15-20 सेकेंड तक रगड़े और तब साफ पानी से हांथ धोकर सूखी तथा साफ तौलिया से पोछ ले।

शौच करने के बाद और भोजन करने के पहले हांथ जरूर ध ोए; खेलने के बाद बच्चे हांथ जरूर धोए; किसी गंदी वस्तु को छूने, उठाने और रखने के बाद हांथ अवश्य धोएं; गाय, भैंस और बैल का गोबर तथा घोड़े, ऊँट और बकरी का विष्ठा उठाने के बाद हांथ अवश्य धोएं; किसी बीमार की खिदमतगारी करने के बाद हांथ जरूर धोएं; पालतू जानवरों के साथ मन बहलाने के बाद हांथ अवश्य धोएं; इत्यादि।

★ **शाकाहार कोरोना से निपटने में कारगर है :-** इंसान को स्वभाविक रूप से शाकाहारी होना चाहिए, क्योंकि

कोरोना वायरस से किस उम्र में कितना खतरा

आय वर्ग	-	मृत्यु दर
0-9	-	0.2%
9-10	-	0.3%
20-29	-	0.4%
30-39	-	2.0%
50-59	-	2.6%
60-69	-	3.4%
70-79	-	7.6%
80-89	-	14.5%

पूरा मानव शरीर शाकाहारी भोजन के लिए बना है। वैज्ञानिक भी इस तथ्य को मानते हैं कि मानव शरीर का सम्पूर्ण ढ़ांचा दिखता है कि आदमी को मांसाहारी नहीं होना चाहिए। डार्बिन के सिद्धांत के अनुसार आदमी बंदरों से आया है और बंदर पूर्ण शाकाहारी होते हैं। अगर डार्बिन सही हैं तो इंसानों को शाकाहारी ही होना चाहिए। जांच करने का सही तरीका आदमी और मांसाहारी जानवरों के आंतों की लम्बाई पर निर्भर करता है। मांसाहारी पुरूषों के पास बहुत छोटी आंत होती है, जैसे-बाघ, शेर, तेंदुआ, चीता, इत्यादि। क्योंकि मांस को पचाने के लिए लंबी आंत की जरूरत नहीं पड़ती है। आदमी की आंत सबसे लंबी होती है, क्योंकि उसे लंबी पाचन क्रिया की जरूरत है और उसके शरीर में अधिक मात्रा में मल-मूत्र बनता है, जिसे बाहर निकालना होता है। इसका मतलब है कि इंसान शाकाहारी है, लेकिन यदि आदमी मांस खाता है तो अधिक मात्रा में मलमूत्र नहीं बनता, जिससे शरीर बोझिलइ हो जाता है। फिर लंबी आंत होने के कारण लंबे समय तक आंतों में मांस सड़ता रहता है, जिससे वायरस से संक्रमित होने की आशंका ज्यादा रहती है। इसलिए इंसानों को शाकाहारी भोजन करना चाहिए। इससे साबित हो जाता है कि भारतीय भोजन को अपनाने से कोरोना या किसी अन्य वायरस से निपटने में सहायता मिलती है। इसलिए वैज्ञानिक कहते हैं कि कोरोना के संक्रमण से बचने के लिए इंसान को मांसाहार त्याग देना चाहिए और शाकाहार अपना लेना चाहिए।

वैज्ञानिक शोधों में भी यह बात सामने आयी है कि मांसाहारी व्यक्ति के मुकाबले शाकाहारी व्यक्ति अधिक शक्तिशाली होता है तथा मासांहारी व्यक्ति के मुकाबले शाकाहारी व्यक्ति अधिक दिनों तक जीता है। अर्थात् मांसाहारी व्यक्ति के मुकाबले शाकाहारी व्यक्ति की उम्र अधिक लंबी होती है।

★ **कोरोना से सुरक्षित रखने और दूसरो को सुरक्षित रखने के उपाय :-**

क्या करें? :-

☞ हम सबों को उचित समय पर अच्छी तरह से हांथ धोने की आदत डालनी चाहिए।

☞ किसी भी वायरस के संक्रमण से बचने का सबसे अच्छा उपाय है साफ-सफाई। विशेषकर, अस्तपतालों को तो साफ-सुथरा रखना ही चाहिए। लेकिन, हमारे देश में खासकर बिहार में अस्पतालों की हालत बहुत ही दयनीय है। यानि अस्पताल जगह-जगह पर गंदगी से इतने पटे हैं कि वहां स्वस्थ आदमी भी बीमार पड़ जाये। लेकिन, अस्पताल और अस्पताल के परिसर; घर के किचेन और बाथरूम; सब्जी और फल बाजार तथा मांस-मछली के बाजार; रेलवे स्टेशन, बस अड्डा और हवाई अड्डा; पोस्ट ऑफिस तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर साथ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही नहीं है। एक जिम्मेदार नागरिक की दृष्टि से देखे तो हमारी भी बनती है। इसलिए हम सभी को सरकार के साथ मिलकर यह जिम्मेदारी कंधे से कंधा मिलाकर निभानी चाहिए।

☞ जो लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं, उन्हें मास्क पहनना चाहिए। लेकिन, मास्क पहनने के पहले चेहरे को साबुन से अच्छी तरह धो ले। मास्क को बार-बार न छुए। कोशिश करे कि पास में आठ-दस मास्क हो। एक ही मास्क का इस्तेमाल दोबारा न करे। एक मास्क का अधिक से अधिक छ: से आठ घंटे तक ही करें। जब मास्क बदले, उसका निष्पादन ऐसी जगह करें कि जिससे कोई दूसरा व्यक्ति संक्रमित न हो।

☞ जो लोग कोरोना वायरस से संक्रमित है, उनसे कम से कम एक मीटर की दूरी बनाये रखे। यदि वह खांस या छिक रहा हो तो उससे चार मीटर दूर हो जाये। क्योंकि खांसते और चिखते वक्त मुंह से ढ़ेर सारे पानी की नन्ही-नन्ही बुंदकियां निकलती है जो स्वस्थ व्यक्ति के संक्रमित होने की वजह बनती है।

☞ अगर आप मॉल या बड़ी दुकान में जाकर ढ़ेर सारी खरीददारी कर रहे हैं तो डिजीटल पेमेंट करने की कोशिश करे, कैश का लेन-देन यथासंभव कम से कम करे।

☞ खांसते अथवा छिकते समय टिसू पेपर या रूमाल का इस्तेमाल करे और इस्तेमाल किये गये टिसू पेपर को कुड़ेदान में ही फेंक दे।

☞ एक-दूसरे का अभिवादन हांथ मिलाने के बजाय, हांथ जोड़कर नमस्ते करके कहे। यदि टिसू पेपर न हो तो बाजू का इस्तेमाल करे।

☞ विदेश यात्रा से लौट रहे हैं और शरीर में बदलाव महसूस कर रहे हैं तो तुरंत स्थानीय स्वास्थ विभाग को सूचित कर जानकारी दे और इलाज कराये।

☞ लिफ्ट के बटन का इस्तेमाल चौबिसों घंटे ढ़ेर सारे लोग करते रहते हैं। जरूरी नहीं है कि सभी की अंगुली साफ हो इसलिए लिफ्ट का बटन दबाने के लिए अंगुली के बजाये पेन का इस्तेमाल करे।

☞ अगर आपको बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें। डॉक्टर से मिलने के दौरान अपने मुंह पर मास्क लगाये रखे।

☞ यदि आपने कोरोना का लक्षण दिखे तो तुरंत बिहार में टॉल फ्री नंबर **104** अथवा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय टॉल फ्री नंबर **+91-11-23978046** पर सम्पर्क कर सकते हैं, जो चौबिसों घंटे उपलब्ध रहता है।

☞ किसी भी कोरोना संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने के बाद हांथ और मुंह को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें।

☞ तौलियां या अंदर पहने जाने वाले वस्त्र (अंडर गार्मेन्ट्स) जैसे-गंजी, कछिया, मोजा, आदि अपने-अपने इस्तेमाल में लाये।

☞ टूथब्रश, कंघी, इत्यादि भी अपने-अपने प्रयोग में लाये।

☞ वाश बेसिन में नाक और गला साफ करने के बाद तुरंत पानी गिराकर साफ कर दे।

☞ घर में पालतू जानवर हो तो यथासंभव उससे दूरी बनाये रखे। जब भी कोई पालतू जानवर, जैसे कोई कुत्ता किसी व्यक्ति के किसी अंग पर अपनी जिभ फेरे या लार लगा दे, तो उस अंग को औषध ीयुक्त हैंडवाश से जरूर धोएं।

☞ कोरोना के मरीज और स्वस्थ व्यक्ति के कपड़े झाड़ने वाला ब्रश भी अलग-अलग होना चाहिए।

☞ परिवार के किसी भी व्यक्ति के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की सूरत में उनका देखभाल करने वाले व्यक्ति भी संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। इसलिए कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति से हमेशा कम से कम एक मीटर की दूरी बनाये रखे। वायरस से संक्रमित मरीज को छिक आने की सूरत में सामने खड़े व्यक्ति बचने का विशेष प्रयास करे। कोशिश करे कि संक्रमित व्यक्ति को अलग एक रूम में रखेऔर कमरे में रखने के पहले रूम को अच्छी तरह से सैनिटाइज्ड कर ले।

☞ कोरोना से संक्रमित व्यक्ति के इस्तेमाल में आये चादर, तौलियां, तकिया का खोल, रूमाल, गंजी, कछिया, मोजा, इत्यादि सभी कपड़ों को रोज बदले और उसके इस्तेमाल में आये सभी कपड़ों को अलग धोएं। कभी भी स्वस्थ व्यक्ति के कपड़ों के साथ न धोएं।

☞ कोरोना के मरीज को अनाज और सब्जी भी धोने के बाद अच्छी तरह से पकाकर खाने को देना चाहिए।

☞ कोरोना के मरीज को पूर्ण आराम करना चाहिए।

☞ कोरोना के मरीज को हल्का मगर सुपाच्य, पौष्टिक तथा ताजा भोजन कराना चाहिए।

☞ कोरोना के मरीज को खाने के पहले और खाने के बाद औषधि युक्त हैंडवाश से हांथ को अच्छी तरह धोना चाहिए। शौच के बाद मरीज को हैंडवाश से हांथ धोना चाहिए।

☞ कोरोना के मरीज के विस्तर के चारों कोनों पर नीम की ताजी पत्तियों के गुच्छे रखना चाहिए। मरीज के कमरे के दरवाजे के दोनो ओर नीम की ताजी पत्तियों के गुच्छे को टांग देना चाहिए नीम की पत्तियों को नित्य ताजी पत्तियों से बदलते रहना चाहिए। दरअसल, नीम की पत्तियों में नीमबिन नामक रसायन मौजूद

रहता है, जिसकी गंध वायरस और बैक्टेरिया को पसंद नहीं आती है, इससे वायरस मरीज से दूर भाग जाते हैं।

☞ कार्यस्थल को स्वच्छ रखे। कार्यस्थल पर औषधियुक्त हैंडवाश या अल्कोहल आधारित सैंटिलाइजर और टिसू पेपर अवश्य रखे।

☞ हर व्यक्ति को अपने पास कुछ ज्यादा ही टिसू पेपर रखना चाहिए। जिससे कि खांसी या जुकाम की स्थिति में अपने साथी को उपलब्ध करा सके।

☞ कार्यस्थल पर रोजाना उपयोग में आने वाली वस्तुएं, जैसे- कम्प्यूटर का की-बोर्ड, माउस आदि को साफ करने के बाद ही काम प्रारंभ करे।

☞ यदि संभव हो तो सहकर्मी को फोन या मेल की जरीय घर से काम करने की सुविधा दे सकते हैं तो अवश्य दें।

☞ यथासंभव घर के बने गर्म, ताजा, सुपाच्य और पौष्टिक भोजन का सेवन करे। भोजन में मिर्च, गोलमिर्च और अदरख को शामिल कर लें।

☞ थोड़ी-थोड़ी देर पर गर्म पानी पीते रहे।

☞ कोरोना से संक्रमित होने के भय से उत्पन्न तनाव की स्थिति में स्वस्थ जीवनशैली का पालन करे। पर्याप्त नींद, खान-पान और सूक्ष्म व्यायाम करे। मन बहलाने के लिए फोन और ई-मेल के जरीये लोगों से सम्पर्क कर सकते हैं।

★ **क्या न करें?:-**

☞ अपनी आँखों, नाक, मुंह और चेहरे को छूने से यथासंभव बचे। कई लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार चेहरे को छूते हैं। हांथ की अंगुली के नाखून को दांत से काटते हैं। नाक में अंगुली डालते रहते हैं और करेंसी नोट को गिनते समय अंगुली को जिभ में बार-बार सटाते रहते हैं।

☞ सार्वजनिक स्थान पर बिल्कुल ही नहीं थूके। नाक से बहने वाले पानी, बलगम और थूक को जगह-जगह न फैलाये।

☞ यदि कोरोना वायरस से संक्रमित हैं तो एंटिबायोटिक दवाओं का सेवन न करें, क्योंकि एंटीबायोटिक दवाओं का वायरस पर कोई असर नहीं होता है।

☞ यथासंभव भीड़ वाले इलाकों में जाने से बचे।

☞ मांसाहार को त्याग दे। यदि आदत के गुलाम हैं तो चिकेन और अंडा के बजाये ताजा मटन और मछली का सेवन कर सकते हैं। लेकिन मांस और मछली अच्छी तरह से पके होने चाहिए। मटन खाने के बाद उसके बहुत ही छोटे-छोटे टुकड़े

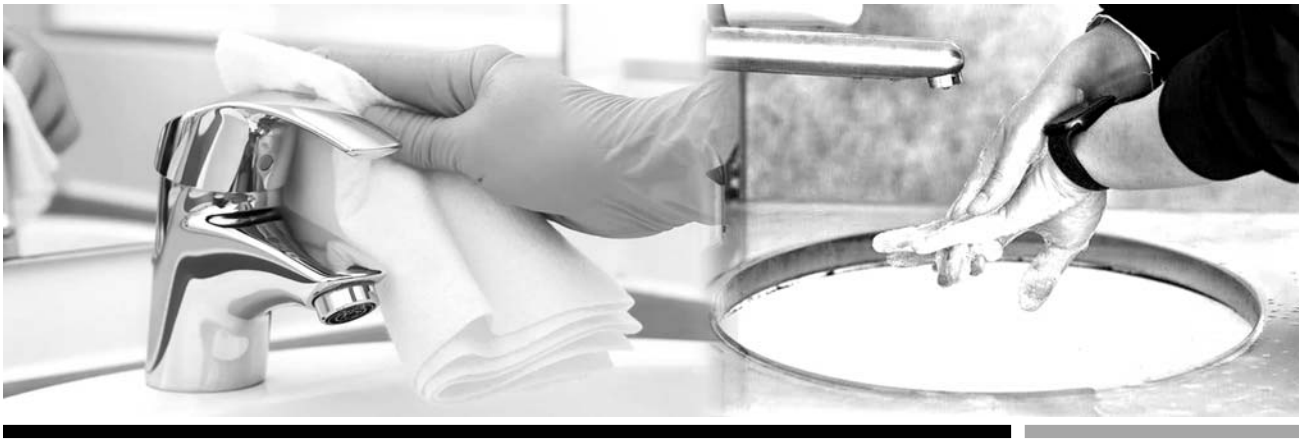

अक्सर दांतों के बीच फंस जाते हैं, इसलिए मटन खाने के तुरंत बाद दो दांतों के बीच फंसे मांस के टुकड़े को टूथपिक (दंतखोदनी) से निकालकर मुंह को साफ अवश्य कर लें।

☞ यदि बीमार हैं तो किसी भी भीड़-भाड़ वाले स्थान पर जाने से परहेज करे। यदि शामिल होना जरूरी हो तो मास्क लगाकर शामिल हो। खांसी और जुकाम की स्थिति में जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल हेतु टिशू पेपर अवश्य रख लें।

☞ कोरोना वायरस ठंढ़ के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। लिहाजा, ठंडी चीजे, जैसे-आईसक्रीम और कुल्फी खाने से तथा कोल्डड्रिंक पीने से परहेज करें।

☞ हांथ कई अंगों तथा वस्तुओं के सम्पर्क में बार-बार आता रहता है और हर बार हांथों का सैनिटाइजेशन करना अथवा हैंडवाश से धोना संभव नहीं है। इसलिए बार-बार आंख, नाक और मुंह को छुने से बचे, अन्यथा कोरोना वायरस हांथ के माध्यम से शरीर के अंदर प्रवेश कर सकता है।

☞ कोरोना के संक्रमण के भय से तनाव पैदा होना लाजमी है। लेकिन तनाव से निपटने के लिए दवाओं, धूम्रपान और शराब का सेवन न करे। ज्यादा तनाव की स्थिति में काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

✯ रोगों से मुक्ति का अद्वितीय साधन है यज्ञ :- बैक्टेरिया और वायरस जनित किसी भी बीमारी से मुक्ति का अद्वितीय साधन है यज्ञ। यज्ञ की सबसे बड़ी विशेषता है कि जहां भी नियमित रूप से यज्ञ किया जाता है, वहां के आसपास के वातावरण को रोग पैदा करने वाले बैक्टेरिया और वायरस से मुक्त कर देता है। इससे लोगों की सेहत पर रोग फैलाने वाली बैक्टेरिया और वायरसों से हानि पहुंचने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता है। आज लोग सार्वधिक परेशान हैं, एलर्जी से। हर व्यक्ति को किसी न किसी चीज से एलर्जी है, चाहे कोई खाने वाल पदार्थ हो या पीने वाला पदार्थ हो या शरीर में लगाने वाला कोई पदार्थ हो या कोई गंध वाला पदार्थ हो या धूलकण। इसलिए आज 90% लोग किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त रहने लगे हैं। ऐसे में रोगों से मुक्ति का अद्वितीय साधन है यज्ञ। आज यदि पूरे विश्व से मनुष्यों द्वारा मांसाहार समाप्त हो जाये और प्रत्येक घर में नित्य या थोड़े-थोड़े अंतराल पर यज्ञ किया जाने लगे तो पूरी दुनियां में अस्पतालों की संख्या नगण्य हो जायेगी। दरअसल, यज्ञ का उद्देश्य ही है जीवन को रोगमुक्त कर सुख और शांतियुक्त आनंदमय बना देना।

✯ बीमारी के मुख्य कारण :- बीमारी के निम्नलिखित मुख्य कारक है-

☞ सफाई की कमी।

☞ प्रदूषित वातावरण।

☞ तामसिक भोजन। जिसमें मांसाहार सबसे अधिक रोगाणुओं को फैलाने का काम करता है। मनुष्य का आहार-विहार जितना प्राकृतिक और सात्विक होगा, उनका जीवन उतना ही स्वस्थ और सुखमय होगा।

☞ आधुनिक जीवन पद्धती। जिसमें सुबह देर से जगना, रात में देर से भोजन करना और रात में देर तक जगे रहना। अधिक समय तक मोबाइल और टीवी से चिपके रहना।

☞ शारीरिक श्रम न करना।

☞ नियमित व्यायाम न करना।

☞ रात में भोजन करने के बाद कुछ देर न टहलना।

☞ स्वाध्याय न करना।

☞ मन को खुशी बनाने के अवैज्ञानिक कुछ नये अनुसंधान करके प्रकृति से छेड़छाड़ करते रहना।

☞ यज्ञ न करना।

☞ जनसंख्या विस्फोट। ऐसा इसलिए कि बेतहाशा बढ़ती आबादी ने जीवन जीने के हर ताना-बाना को छिन्न-भिन्न कर दिया है।

✯ वायरसजन रोगों से मुक्ति का अद्वितीय साधन है यज्ञ :- किसी भी वायरस को रोकने के लिए जरूरी है हवा, पानी और जमीन स्वच्छ बनी रहे। लेकिन, जबसे विश्व में यज्ञ परंपरा समाप्त हुई है तभी से पूरे विश्व में अनेक प्रकार के शारीरिक और मानसिक रोग बढ़ गये हैं। इसलिए वेदों में यज्ञ का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। यज्ञ द्वारा सभी बीमारियों को दूर करने का विधान है। इसलिए चिकित्सा पद्धती के रूप में यज्ञ का भी प्रयोग किया जाता रहा है। इससे क्या-क्या लाभ हो सकते हैं, इस विषय पर अनेक अनुसंधान समय-समय पर होते रहे हैं। उत्तराखण्ड के हरिद्वार स्थित पतंजलि योग संस्थान, बिहार के मुंगेर स्थित योग संस्थान, अमेरिका के वाशिंगटन डीसी शहर स्थित फाईव फील्ड पाथ नामक संस्थान ने अग्नियोत्री युनिवर्सिटी स्थापित करके, ब्रिटेन और जर्मनी स्थित योग संस्थानों आदि जगहों पर यज्ञ से जुड़े अनुसंधान कार्य किये गये हैं और आज भी किये जा रहे है।

✯ रोगों से कैसे मुक्ति दिलाता है यज्ञ? :- एक छोटी सी लाल मिर्च को जब सूंघा जाये तो कुछ महसूस नहीं होता है, लेकिन जलने पर इसकी तीक्ष्ण गंध का प्रभाव वातावरण में दूर-दूर तक पहुंचकर सभी को छिंक-खांसी से परेशान कर देती है। इसी प्रकार धूप यानि धूप की लकड़ी, गाय का घी, गुगूल, धोना, कपूर आदि मिलाकर तैयार की गई हवन सामग्री को जब हवन कुंड में डाला जाता है तो हवन कुंड में डाला गया ये हवन सामग्री आग में जलकर उनकी गंध आसपास के वातावरण में पैदाकर वातावरण को स्वच्छ, शुद्ध, रोगमुक्त और पवित्र बना देती है। रोग नाशक गुण से युक्त गंध श्वसन द्वारा शरीर में प्रविष्ट कर रोग के किटाणुओं के विरूद्ध अपना कार्य करके उन्हें नष्ट कर देती है, जिससे रोगी स्वस्थ हो जाता है। दरअसल, प्रकृति का यह नियम है कि जब कोई पदार्थ आग में डाला जाता है तो उसका नाश नहीं होता। उस पदार्थ का गुण उसकी गंध के रूप में कई गुणा प्रभावी बनकर आसपास के वातावरण में फैल जाता है, जो वातावरण में मौजूद विषैले किटाणुओं को मारने या भगाने का काम करती है। यज्ञ के हवन कुंड में डाले जाने वाले पदार्थ की गंध हवा में परिवर्तित होकर अतिसूक्ष्म होने के कारण वातावरण में तेजी से फैलकर अपनी शक्ति से वहां मौजूद विषैले रोगाणुओं को बहुत जल्दी क्षिन्न-भिन्न कर नष्ट कर देती है। हवन में प्रयोग होने वाली सामग्री को जलाने के लिए आम की लकड़ी की समिधा उत्तम होती है। जो लोग यज्ञ की विधि नहीं जानते हैं, उन्हें पुरोहित को बुलाकर साधारण यज्ञ की विधि सिखनी चाहिए, जिससे की प्रतिदिन अपने आप यज्ञ कर सके। यज्ञ, मंत्रोच्चारण के साथ-साथ करने पर काफी प्रभावी हो जाता है, क्योंकि हवन से उत्पन्न गंध को मंत्र की शक्ति का साथ मिल जाता है। कोई भी काम को अच्छे से करना चाहिए, इसलिए यज्ञ भी मंत्रोच्चारण के साथ करना चाहिए। वैसे बिना मंत्रों के भी हवन करने पर हवन कुंड से उत्पन्न गंध ऐसी विषैली गैसों को भगा देती है, जो मानव जीवन के लिए खतरा बन जाती है। इसलिए हर घर में सप्ताह में कम से कम एक दिन तो हवन किया जाना ही चाहिए। ●

(लेखक फायर एण्ड सेफ्टी विशेषज्ञ हैं।)
मो०:- 9334107607
वेबसाईट :www.psfsm.in

✯ राम ने श्याम को माँ-बहन की गाली दी एवं हिजड़ा भी कहा, जिसके परिणाम स्वरूप श्याम ने उसे अगले दिन गोली मार दी तो क्या उसके खिलाफ हत्या का मामला चलेगा या अपराधिक मानव वध का?

राम के खिलाफ हत्या का मुकदमा चलेगा। वह यह तर्क नहीं दे सकता है कि उसने गुस्से एवं तीव्र प्रकोपण की वजह से राम को गोली मारा है। प्रकोपण एक बाहरी आचरण है, जो आत्मनियंत्रण को खो देने के रूप में परिणामित कर सकता है। जिसका मापन चतुर्दिक परिस्थितियों के आधार पर किया जाना चाहिए। प्रकोपण इस प्रकृति का होना चाहिए जो की ना केवल किसी आवेगी, शीघ्र क्रोधित होनेवाले व्यक्तियों या अति संवेदनशील व्यक्तियों बल्कि एक शांत प्रकृति और सामान्य भाव के व्यक्ति को भी क्रोधित कर दे। भारतीय दंड संहिता की धारा 300 के अपवाद (1) के अंतर्गत गंभीर और अचानक प्रकोपण का निर्धारण तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर किया जाना चाहिए। राम के द्वारा श्याम को माँ-बहन की गाली देना तथा उसे हिजड़ा कहने के बाद श्याम द्वारा अगले दिन सोच-विचार करके सुनियोजित तरीके से उसे गोली मारना यह इशारा करता है कि श्याम ने पूरे सोच-विचार करके राम की हत्या की है। इसलिए श्याम तीव्र आवेग और अचानक प्रकोपण का लाभ भारतीय दंड संहिता की धारा 300 अपवाद (1) में प्राप्त करने का अधिकारी नहीं होगा, क्योंकि उसकी मृतक की हत्या करने का आशय स्पष्ट पता चलता है, इसलिए उस पर हत्या का मुकदमा चलेगा।

✯ दहेज हत्या के एक मामले में सेशन जज ने दहेज हत्या 304 बी एवं हत्या 302 भारतीय दंड संहिता की धाराओं में आरोप गठन किया है, क्या यह सही है?

उच्चत्तम न्यायालय की एक खण्डपीठ ने 22 नवम्बर 2010 को दहेज हत्या संबंधी राजवीर एवं अन्य बनाम राज्य (2010) के एक मामले का निष्पारण करते हुए देश की सभी निचली अदालतों को निर्देश दिया है कि दहेज प्रताड़ना से हुई मौत के मामलों में वे मुदालय पर धारा 304 बी के साथ 302 हत्या के अपराध का भी आरोप गठन करे ताकि इस जघन्यत्तम अपराध के लिए उसे मौत की भी सजा दी जा सके।

यह महत्वपूर्ण आदेश न्यायमूर्ति मार्कण्डेय काटजू और न्यायमूर्ति ज्ञानसुधा मिश्रा की पीठ ने हरियाणा के दहेज हत्या के उक्त मामलें में सुनवाई के दौरान दिया है।

✯ क्या फुटपाथ पर अपना जीवन गुजर-बसर करने वाले गरीबों के आवास के लिए कोई कानून बनाया गया है?

फुटपाथ पर अपना जीवन बिताने वाले लोगों को आश्रय उपलब्ध कराना यह सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए इंदिरा आवास योजना, रैन बसेरा इत्यादि कार्यक्रम सरकार के द्वारा चलाये जाते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस संबंध में पिपुल्स युनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम भारत संघ (2001) की रिट याचिका संख्या 196/2001 पर दिये निर्णय में न्यायाल ने यह आदेश दिया है कि फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को आश्रय देने की जिम्मेवारी सरकार की है। न्यायालय के कमिश्नर डॉ० एन.सी. सक्सेना और स्पेशल कमिश्नर हर्ष मंडल ने यह निर्णय 2 फरवरी 2010 को दिया था।

✯ क्या किसी मुकदमे को लड़ने से वकील मना कर सकता है?

सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता समुदाय को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण व्यवस्था दिया है कि वकील या उनके संगठन किसी अभियुक्त की ओर से न्यायालय में पेश होने से इंकार नहीं कर सकते हैं, भले ही वह आतंकी, बलात्कारी, हत्यारा या कोई अन्य क्यों न हो। इस तरह का कोई भी इंकार संविधान का, बार काउंसिल के मानकों का और भगवत् गीता के सिद्धांत का उल्लंघन होगा।

कानूनी सलाह
शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

न्यायाधीश मार्कण्डेय काटजू और ज्ञानसुधा मिश्रा की पीठ ने अपने एक आदेश में इस बात पर चिन्ता व्यक्त किया की देश भर में बार एशोसिएशन और वकीलों द्वारा किसी न किसी कारण से अभियुक्तों की ओर से न्यायालय में पेश नहीं होने का चलन बढ़ रहा है।

न्यायमूर्ति की उक्त खण्डपीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा है कि पेशेवर आचार नीति की मांग है कि यदि मुव्वकील फीस देने को तैयार है तो वकील बहश से इंकार नहीं कर सकता। इसलिए बार एशोसिएशन का इस तरह का प्रस्ताव की उनका कोई भी साथी किसी खास अभियुक्त के मामले में न्यायालय में पेश नहीं होगा। संविधान, कानून और पेशेवर आचार नीति सभी मानदंडों के विरूद्ध तथा बार एशोसिएशन की महान परंपरा के भी विरूद्ध है, जो हमेशा किसी अपराध के लिए अपराधी का बचाव करने के लिए तत्पर रहती है। वर्ष 2007 में एक आन्दोलन के दौरान पुलिसकर्मियों और कोयंबटुर के वकीलों द्वारा एक-दूसरे के विरूद्ध दायर अपराधिक मामलों को निरस्त करते हुए खण्डपीठ ने उपर्युक्त व्यवस्था दिया है।

✯ न्यायालय की अवमानना के अपराध के लिए किस प्रकार के दंड का प्रावधान है?

न्यायालय की अवमानना के लिए कार्यवाही करने का प्रावधान सीआरपीसी की धारा 345 में है। सीआरपीसी की धारा 345 का कार्यवाही किए जाने के लिए अपराध किसी सिविल दंड या राजस्व न्यायालय की दृष्टिगोचरता या उपस्थिति में किया जाता है तब न्यायालय अभियुक्त के विरूद्ध संज्ञान ले सकती है तथा कारण दर्शित करने का मुदालय को अवसर देने के पश्चात आरोप सही पाने पर दो सौ रूपये से अनधिक जुर्माने से दंडित कर सकती है। न्यायालय को अपनी अवमानना के अपराध का संज्ञान करने तथा अभियुक्त को दंडित करने का अधिकार प्राप्त है।

✯ कमलेश कुमार एक होटल में एक कमरा किराये पर लेता है और एक महीने के किराये का अग्रिम भुगतान कर देता है, जब वह कमरे के अंदर जाता है तो एक नोटिस देखता है कि 'होटल का मालिक समान खो जाने या चोरी हो जाने के लिए जिम्मेवार नहीं होगा, जब तक की समानों को प्रबंधक के पास जमा नहीं कर दिया गया हो'। होटल के कर्मचारियों की लापरवाहियों के कारण कमलेश कुमार का समान चोरी हो जाता है तो क्या उस चोरी के लिए होटल के मालिक को जिम्मेवार बनाया जा सकता है?

होटल का मालिक कमलेश कुमार के समान की चोरी हो जाने के लिए जिम्मेवार माना जायेगा, क्योंकि नोटिस संविदा पूर्ण हो जाने के बाद दी गई थी और चोरी होटल के कर्मचारियों के लापरवाही का ही परिणाम था।

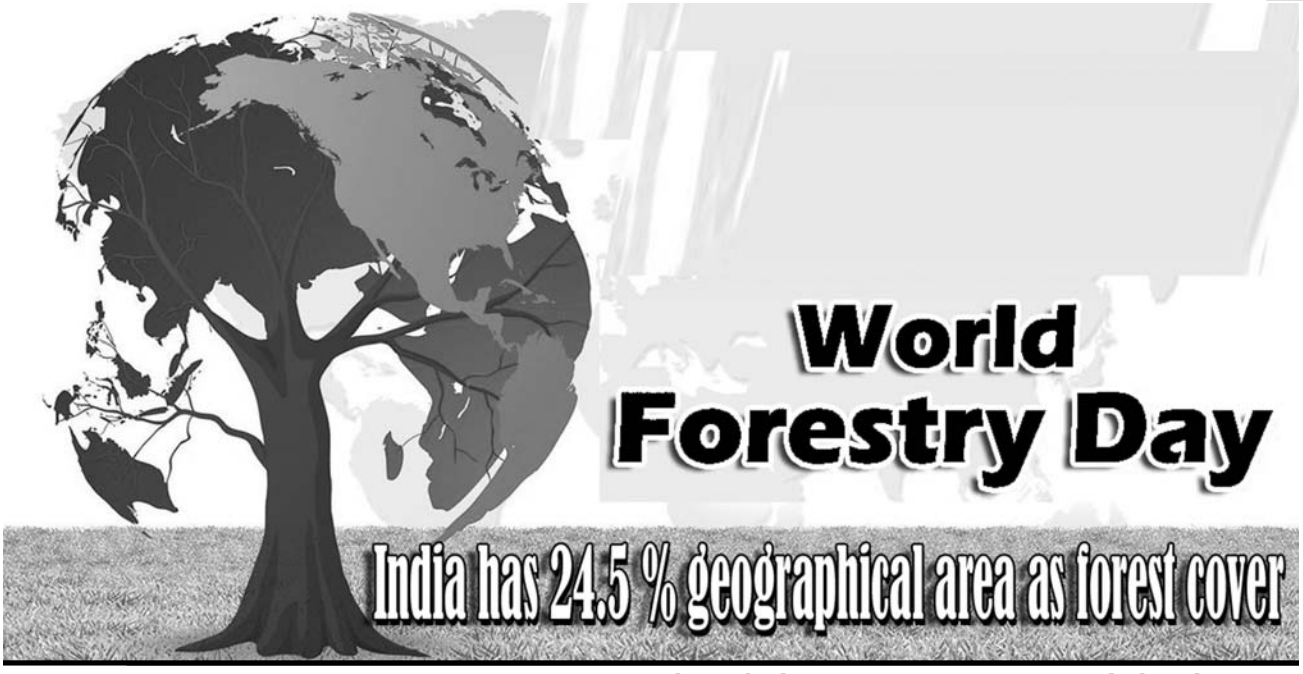

According to the India State of Forests Report (ISFR) 2019 the total forest and tree cover of India is 80.73 million hectares which accounts for 24.56% of the geographical area of the country. In comparison with ISFR 2017, there is an increase of 5,188 sq. km in the total forest and tree cover of the country[1]. India is taking credible strides for improving its ecology and the socio-economic conditions of the forest dependent population. Japan International Cooperation Agency (JICA) is providing its strong support to the sector for the last three decades and it's efforts are in line with the national target of Government of India of bringing 33% forest coverage in the country. In this context, JICA celebrated the International Day of Forests, in order to symbolize the impact created

by its forestry projects in India.

Since 1991, JICA has extended support for enhancing the afforestation, protection and conservation efforts of India through the Joint Forest Management (JFM) approach by granting Official Developmental Assistance (ODA) loans of 270 billion Japanese Yen (approximately INR 18,000 Crore) to the country. Projects are spread across Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh, Karnataka, Tamil Nadu, Nagaland, Odisha, Sikkim, Rajasthan, Uttarakhand, West Bengal, Punjab, Uttar Pradesh and Tripura. Karnataka and Himachal Pradesh were among the top 5 states that increased their forest cover from 2018 to 2019, according to the India's State of Forests Report 2019[2]. JICA ODA supports a total plantation area of 3 million hectares (ha) in India. Speaking on the occasion of International Day of Forests, Mr. Katsuo Matsumoto, Chief Representative, JICA India "Forests play a crucial role in sustaining the health of the planet, as well as ensuring livelihoods of tribal and rural population that rely on these forests for resources. JICA is committed to ensure the wellbeing of these communities that rely on forests resources for their sustenance. Moreover, we are also providing support for

achieving SDG 13, which aim at taking urgent action to combat climate change and its impacts. Our vision is in line with the Government's priorities for India's forestry sector."

JICA has supported 29 projects (27 ODA loan projects across 14 states and 2 Technical Cooperation Projects (TCP), which include 1 ODA loan project targeting capacity development of front line staff at national level). Plantation activities under these JICA supported projects have covered close to 3 million hectares across 14 states. The increase in forest cover due to plantation activities has supported conservation of these forests' biodiversity as well as contributed to India's efforts to become greener and cleaner. Improvement of livelihood of forest-dependent communities is one of the focuses of JICA forestry projects. In line with the participatory approach of Joint Forest Management (JFM) adopted by the Government of India, the forest areas are jointly managed and protected by the local communities along with state forest departments. Under the projects, SHGs are also formed in every JFMC and the members have been provided access to microcredit and capacity development for undertaking Income Generation Activities. For instance, under Phase 1 of Odisha Forestry Sector Development Project (OFSDP), besides plantation activities, a total of 7,358 SHGs were formed and their businesses were scaled up to several cluster level enterprises to self-sustain and expand the scale of business It was followed by Phase 2 project (OFSDP-2) launched in 2017 that besides plantation activities targets to assist 3,600 SHGs in the area not covered by the Phase 1 while also focusing on soil-moisture conservation, bio-diversity conservation, climate change, mitigation of man-animal conflicts, introduction of new technology, etc. On International Day of Forests 2020, JICA strengthens its resolve to support India in restoration of forest thereby enabling healthier forestry practices for the rural and tribal populations of the country.

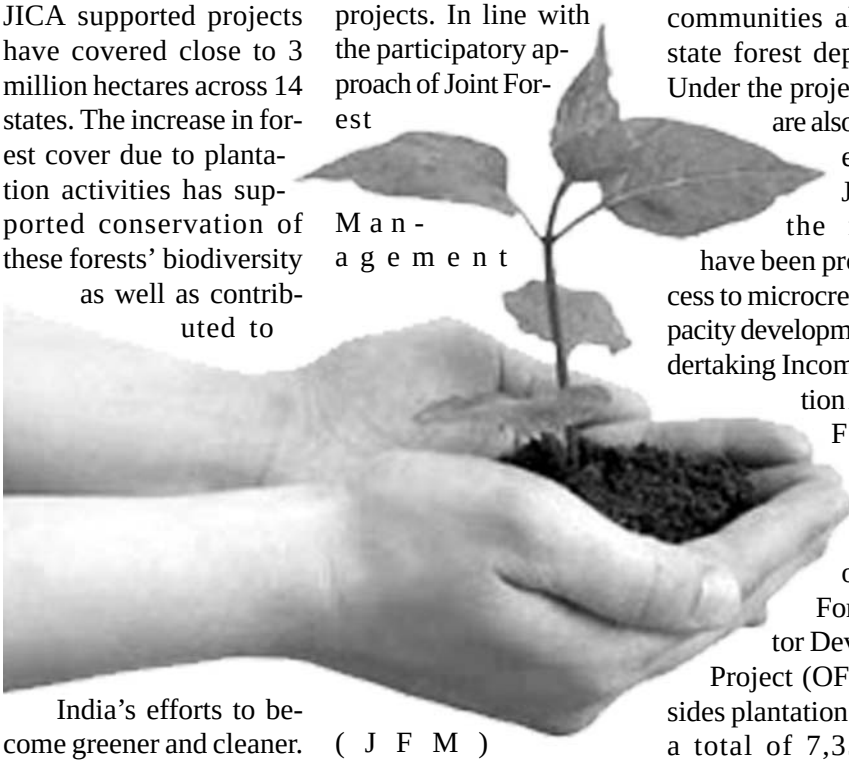

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

www.shruticommunicationtrust.org

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)
Jharkhand State Office:- **Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi**
Mob.- 9431073769

Hotel Maurya
Patna

Hotel Maurya – Patna is a pioneer project of **Bihar Hotels Limited (BHL).** It is the only **Five Star** category hotel in the State of Bihar with friendly face of affordable luxury. BHL has been successfully operating its Five Star Hotel in Patna since **1978.** Situated in the heart of the city, Patna, the hotel reflects the **historic grandeur** of this city.

Corporate Facilities & Services: Centrally located in the Commercial heart of Patna the Hotel provides Intricately & elegantly designed rooms, Central Air- Conditioning, Direct dialing from rooms with call detail print-out facility, Satellite LED television, Choice of **Seven Convention Halls** of varied capacities, **Heritage rooms** for private dining , **Business Centre, Shopping Arcade, Bank facility, Travel counter, Swimming pool, Safe deposit lockers, Fitness centre & Wi-fi**, all within the hotel premises.

Dining:

- *Vaishali Café* - Walk-in for Breakfast and Business Buffet Lunches. The a-la-carte table offers a multi cuisine and buffet spreads to tinkle those taste buds.
- *Spice Court* – Restaurant serving Indian, Continental, Thai & Chinese cuisine.
- *The Pastry Shop* – Provides all kinds of Baker's confectionery viz; Mouthwatering cakes, Crossiants, Breads, Muffins etc. It also provides free home delivery of cakes of 6 pound onwards.
- *Bollywood Treats*- A matchless meeting point for Munchies, Music, TV shows, Pool Table, Games for kids. Thus, providing Masti not only for adults but also for kids.

Rooms:

- Step into an universe of old world nobility & colonial charm at the spacious VVIP suite of rooms, where your every demand for luxury is met in a manner that's perfected to please. What's more, it's accommodating enough to entertain an entourage of guests. Elegantly designed premium rooms with beautiful interiors and excellent facilities

Total Rooms: 77 – Double: 73, Suites: 04
Credit Cards: Visa, Master, Amex, Bob Cards
Access (in kms): Apt: (07), Rly. Stn.:(01)